राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 337
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 18 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट | पेज 3 कीर्ति नगर को वर्ल्ड-क्लास फर्नीचर मार्केट के रूप में बदलेगी केजरीवाल सरकार, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया कीर्ति नगर | पेज 5 अग्निपथ योजना के खिलाफ मथुरा में भी प्रदर्शन, यमुना एक्सप्रेस वे पर पथराव के बाद लाठीचार्ज और फायरिंग | पेज 7 जल्द ही अमेरिका के गिरफ्त में होंगे विकीलीक्स के फाउंडर जूलियन असांजे! 175 साल तक की सजा संभव

अग्निपथ पर 13 राज्यों में बवाल : 2 दिन में 12 ट्रेनें जलाई

300 से ज्यादा ट्रेनों पर असर, 2 की मौत; हरियाणा में इंटरनेट बंद

अग्निपथ योजना के विरोध के 4 सबसे बड़े अपडेट्स

- बिहार और तेलंगाना में हिंसा में 1-1 व्यक्ति की जान गई
- हरियाणा में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई
- रेलवे ने 316 पैसेंजर ट्रेनें रद्द की, इनमें 91 को आंशिक रद्द किया
- बिहार में 10 ट्रेनें फूंकी, 12 जिलों में इंटरनेट सेवा 19 जून तक बंद कर दी गई हैं।

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए बनाई गई अग्निपथ योजना में सरकार द्वारा एज लिमिट बढ़ाने के बाद भी प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। यूपी,बिहार और तेलंगाना में प्रदर्शनकारियों ने ट्रेनें फूंक दीं। कई जगह रेलवे ट्रैक और सड़क जाम कर दी गई। विरोध की आग 13 राज्यों तक पहुंच गई। इस बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील की है।

तेलंगाना के सिकंदराबाद में ट्रेन के एक रेल कोच में आग लगा दी गई। रेलवे स्टाफ ने तुरंत ही उस कोच में सवार 40 यात्रियों को निकालकर सबकी जान बचा ली। यात्रियों में बच्चे भी शामिल थे।

फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 4 बसों में तोड़फोड़ करके जाम लगाया गया। हरियाणा के नारनौल में भी युवाओं ने जाम लगा दिया है। तेलंगाना के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन में भी आगजनी और तोड़फोड़ हुई है। यहां हुए हिंसक प्रदर्शन में एक की मौत हो गई। दूसरी मौत बिहार के लखीसराय जिले में हुई है।

L&T मेट्रो रेल लिमिटेड हैदराबाद ने ट्वीट करके बताया- शहर में कुछ गड़बड़ी के कारण, हैदराबाद मेट्रो रेल की तीनों लाइनों को अगली सूचना तक बंद किया जाता है।

राजस्थान के भरतपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मी को लहूलुहान कर दिया। आंदोलन के कारण 200 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। पूरे देश में 35 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जबकि 13 को कुछ समय के लिए रद्द किया गया है।

यूपी के बलिया में सुबह पांच बजे से प्रदर्शन शुरू हो गया। यहां कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए। पुलिस ने एक उपद्रवी को हिरासत में लिया है।

सेना प्रमुख बोले- दो दिन में जारी होगा नोटिफिकेशन

अग्निपथ योजना पर मचे बवाल के बीच सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। अगले 2 दिनों के भीतर joinindianarmy.nic.in पर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। उसके बाद हमारे सेना भर्ती संगठन पंजीकरण और रैली का विस्तृत कार्यक्रम घोषित करेंगे। वहीं, भारत वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा- वायु सेना के लिए भर्ती प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी।

यूपी में सुबह 5 बजे शुरू हुआ उपद्रव

बलिया में अग्निपथ योजना के विरोध में सुबह पांच बजे से विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया। बलिया वॉशिंगपिट में खड़ी ट्रेन में युवाओं ने आग लगा दी। सैकड़ों युवाओं ने पहले रेलवे स्टेशन पर जमकर हंगामा किया, फिर कई गाड़ियों के शीशे तोड़े। पुलिस ने एक उपद्रवी को हिरासत में लिया है। गुरुवार को क्रके 11 जिलों में उग्र प्रदर्शन हुए। आगरा, अलीगढ़ में युवाओं ने बसों में तोड़फोड़ की। बुलंदशहर में युवाओं ने नारेबाजी की। हालात इतने बेकाबू हुए कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। मेरठ, देवरिया, सीतापुर के साथ ही उन्नाव के शुक्लागंज में युवाओं ने विरोध किया।

पूर्व सैनिक बोले- जंग में कमजोर कड़ी साबित होंगे अग्निवीर

फिरोजाबाद में अग्निपथ को लेकर उपद्रवी युवा सुबह सात बजे से ही सड़कों पर उतर आए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 4 बसों में तोड़फोड़ करने के साथ ही जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उपद्रव मचाने वालों को दौड़ाकर किसी तरह जाम खुलवाया। यूपी के बुलंदशहर, मेरठ, आगरा, मथुरा, वाराणसी, उन्नाव, गोरखपुर, गोंडा, रायबरेली और बलिया जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

राजस्थान : भरतपुर में पथराव, रेलवे ट्रैक जाम, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

भरतपुर में अग्निपथ के विरोध में युवाओं ने उग्र आंदोलन किया। पहले तो युवाओं ने शहर में एक जगह इकट्ठा होने की कोशिश, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद युवा धीरे-धीरे रेलवे पटरियों पर जमा होने लगे। रेलवे ट्रैक जाम हो गया। काफी संख्या में युवा पटरियों पर बैठ गए। केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जैसे ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की तो युवाओं ने पुलिस पर पथराव कर दिया। कई पुलिसकर्मियों के पत्थर लगे। एक पुलिसकर्मी का सिर फट गया। बाद में पुलिस ने युवाओं को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

एमपी- इंदौर रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों युवकों का हंगामा; दो ट्रेनें निरस्त

केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का विरोध इंदौर में भी हो रहा है। यहां रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह 7 बजे सेना भर्ती में पहुंचे युवाओं ने हंगामा कर दिया। सूचना के बाद यहां ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हल्का बल प्रयोग किया। यहां मौके पर आसपास के थानों का बल भी लगाया गया है। इसके बाद छात्र इकट्ठा होकर लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर पहुंच गए। यहां छात्रों ने जाम लगा दिया, जहां पुलिस के वाहन रवाना किए।

छात्रों ने पुणे से इंदौर आने वाली ट्रेन भी रोक दी। इंदौर से उज्जैन जाने वाली मेमू सहित दो ट्रेन को निरस्त किया गया है। युवक सुबह पहुंचे तो पुलिस ने आगे जाने से रोका था। इस दौरान वह हंगामा मचाने लगे। कुछ देर बाद यहां भारी फोर्स तैनात किया गया।

हरियाणा : नारनौल में तोड़फोड़-जींद में रेल ट्रैक जाम; गुरुग्राम में धारा 144 लगाई

हरियाणा में शुक्रवार सुबह फिर अग्निपथ योजना का विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार सुबह नारनौल शहर में बस स्टैंड पर युवाओं ने उग्र प्रदर्शन किया और विरोधी नारेबाजी करते हुए तोड़फोड़ की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज किया। महावीर चौक और बस स्टैंड से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया गया है। पुलिस ने 20 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंच चुके है। जींद,हिसार,फतेहाबाद,रोहतक समेत कई जिलों में प्रदर्शन किया जा रहा है।

गुरुग्राम में प्रदर्शन रोकने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है। जींद के नरवाना में युवाओं ने दिल्ली-फिरोजपुर रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया है। जींद में प्रदर्शन हो रहा हे, वहीं फतेहाबाद के रतिया में भी संजय चौक पर युवा प्रदर्शन कर रहे हैं।

पलवल में 142 नामजद सहित कई युवाओं पर केस

अग्निपथ योजना के खिलाफ हरियाणा के पलवल में उत्पात मचाने वाले युवकों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। कैंप व शहर थाना पुलिस ने 142 नामजद सहित सैकड़ों युवकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर धरपकड़ शुरू कर दी है। बीते कल युवकों ने नेशनल हाईवे को जाम करके पुलिस बल पर देसी कट्टा से फायर और लाठी-डंडों व सरियों से हमला कर पथराव किया था। जिसमें कई पुलिस जवान घायल हुए।

झारखंड के पलामू में रेलवे ट्रैक पर हाथों में तिरंगा लेकर युवाओं ने लगाए पुशअप

झारखंड के पलामू जिले में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का युवाओं ने जमकर विरोध कियाद्य शुक्रवार को डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर लगभग 45 मिनट तक हंगामा होता रहा। युवाओं ने रेलवे ट्रैक पर ही पुशअप्स किएद्य हाथ में तिरंगा लेकर पटरी पर बैठे युवाओं ने अग्निपथ स्कीम वापस लेने की मांग की ।

दक्षिण तक पहुंची आंदोलन की आंच, सिकंदराबाद स्टेशन पर तोड़फोड़

अग्निपथ योजना की आंच उत्तर भारत से होते हुए दक्षिण भारत तक पहुंच गई है। तेलंगाना के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की। युवाओं ने ट्रेन में आग लगा दी और उसकी खिड़कियां तोड़ दीं। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक एके गुप्ता ने कहा- प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन के 4-5 इंजन और 2-3 डिब्बों में आग लगा दी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से रोकी गईं।

इन राज्यों में भी प्रदर्शन

हिमाचल प्रदेश, ओडिशा,उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में भी युवकों ने योजना के खिलाफ प्रदर्शन किया।

रेल मंत्री की अपील-रेल संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मेरा सभी से निवेदन है कि रेलवे आपकी और राष्ट्र की संपत्ति है।आप किसी भी तरह से हिंसक प्रदर्शन न करें। रेलवे संपत्ति आपके सेवा के लिए है इसलिए इसे बिल्कुल नुकसान न पहुंचाए।

रक्षामंत्री और थल सेनाध्यक्ष की अपील- भर्ती की तैयारी करें युवा

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदर्शनकारी छात्रों से बवाल न करने की अपील की है। उन्होंने कहा- दो साल से सेना में भर्ती का अवसर नहीं मिल पाया है। इससे भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई है। यही सोचकर सरकार ने अभी अग्निवीरों की भर्ती के लिए उम्र सीमा दो साल बढ़ा दी गई है। युवाओं से अपील है कि वह विरोध न करें, भर्ती की तैयारी करें। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने भी युवाओं से भारतीय सेना में शामिल होने के लिए अग्निवीर बनने की अपील की है।

सरकार ने बढ़ाई एज लिमिट

केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत भर्ती के लिए अपर एज लिमिट 21 साल से बढ़ाकर 23 साल करने का ऐलान किया है।

हालांकि, यह छूट केवल इसी साल के लिए लागू होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, पिछले दो साल में कोई भर्ती नहीं होने के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे पहले अग्निवीर बनने के लिए पहले निर्धारित आयु सीमा 17.5 साल से 21 साल थी।

देश के कई राज्यों में अग्निपथ योजना को लेकर चल रहे विरोध के बीच गुरुवार को यह फैसला लिया गया। इनमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और झारखंड सहित कई राज्यों शामिल हैं।

बिहार में प्रदर्शनकारियों ने 10 ट्रेनें फूंकीं : लखीसराय में यात्री की मौत

छपरा, बेगूसराय सहित 12 जिलों में दो दिनों के लिए इंटरनेट बंद

बिहार। केंद्र की सेना में अग्निपथ योजना के खिलाफ बिहार तीसरे दिन भी जला। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी पटना समेत 25 जिलों में जमकर उपद्रव किया। दानापुर और लखीसराय स्टेशन समेत आधा दर्जन से अधिक स्टेशनों पर आगजनी की गई। 10 ट्रेनों को आग के हवाले कर दिया गया।

राज्य में बढ़ते प्रदर्शन को देखते हुए देर शाम सरकार ने कैमूर, भोजपुर, औरंगाबाद, रोहतास, बक्सर, नवादा, पश्चिम चंपारण, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली और सारण में सोशल नेटवर्किंग साइट और मैसेजिंग सर्विस को दो दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया है।

लखीसराय में एक की मौत

इससे पहले लखीसराय में जनसेवा एक्सप्रेस में आगजनी के दौरान एक 25 वर्षीय यात्री की मौत हो गई। जगह-जगह पुलिस पर पथराव किया गया। पुलिस ने लाठीचार्ज और फायरिंग की। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

डिप्टी सीएम और भाजपा अध्यक्ष के घर पर हमला

बेतिया में प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी CM रेणु देवी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष संजय जायसवाल के घर पर हमला किया। यहां पर भाजपा विधायक विनय बिहारी की गाड़ी पर पथराव किया गया। सासाराम और मधेपुरा में भाजपा दफ्तर को प्रदर्शनकारियों ने फूंक दिया। एक दिन पहले नवादा में भाजपा कार्यालय को जला दिया गया था। दो विधायकों पर हमले हुए थे।

पटना में प्रदर्शनकारियों का थाने पर पथराव

पटना के पालीगंज में उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाया। थाना के नजदीक पुलिस की 2 गाड़ियां आग के हवाले कर दिया। एक सरकारी बस को फूंक दिया। गुस्साए छात्रों ने थाने पर जमकर पथराव किया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने दो दर्जन राउंड गोलियां चलाईं। दो दर्जन उपद्रवियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। भागलपुर के नवगछिया के खरीक में आंदोलनकारी छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस ने 6 राउंड हवाई फायरिंग की। पथराव में एसडीपीओ समेत कई पुलिस जवान घायल हुए हैं।

बिहिया में टिकट काउंटर से 3 लाख की लूट

सुबह से अब तक 10 ट्रेनों को निशाना बनाया गया है। समस्तीपुर में 2, लखीसराय में 2, दानापुर, फतुहा, आरा, सुपौल और गया में एक-एक यात्री ट्रेन में प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी। वहीं, बक्सर और नालंदा समेत कई जिलों में रेलवे ट्रैक पर आगजनी की गई है।

आरा के बिहिया रेलवे स्टेशन पर उपद्रवियों ने स्टेशन पर लूटपाट की है। टिकट काउंटर से लगभग 3 लाख रुपए लूट लिए हैं। बेतिया में यात्रियों को ट्रेन से उतारकर मारपीट की गई। प्रदर्शनकारियों ने इस्लामपुर रेलवे स्टेशन पर इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगा दी। एसी बोगी समेत करीब 4 कोच धू धू कर जले।

सासाराम में टोल प्लाजा में तोड़फोड़

सासाराम में टोल प्लाजा में घुसकर प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की। टोल प्लाजा में आगजनी भी की गई है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी है। कई राउंड फायरिंग की खबर है।

देश में कोरोना के 12,847 नये मामले दर्ज

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच गुरुवार को 12,847 नये मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कुल मामलों की संख्या चार करोड़ 32 लाख 70 हजार 577 हो गई है। इस दौरान 14 लोगों की मौत हुई है जिससे महामारी की चपेट में आकर मरने वालों की कुल संख्या पांच लाख 24 हजार 817 तक पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 7,985 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं और इसी के साथ अब तक कुल चार करोड़ 26 लाख 82 हजार 697 मरीज कोविड से उबर चुके हैं। देश में इस वक्त कोरोना से स्वस्थ होने की दर 98.64 प्रतिशत, सक्रिय मामलों की दर 0.15 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1,373 बढ़ने से कुल संख्या 20,634 तक पहुंच गयी है। वहीं, 2879 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 77,55,183 तक पहुंच गया है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,880 है। केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 1,255 बढ़कर 19,210 हो गये हैं।

बस से टकराई तेज रफ्तार कार

हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, सभी गुजरात से गोंडा जा रहे थे

अयोध्या। अयोध्या जिले के रूदौली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर सवारी उतार रही बस में पीछे से क्रेटा कार और जाइलो की टक्कर में एक परिवार की 3 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई हैद्य मृतकों में मां और उसकी दो मासूम बेटियां हैं। जबकि लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी मरने वाले गोंडा जिले के बताए जा रहे है। यह घटना शुक्रवार की शाम को हुईद्य पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा और हाइवे पर लगे जाम को काफी मशक्कत के बाद हटवाया। घटना भेलसर चौराहे पर स्थित राम नरेश होटल के सामने की है।बस लखनऊ से अयोध्या ओर जा रही थीद्य खड़ी बस में पीछे से आ रही क्रेटा कार घुस गई और क्रेटा को पीछे से ही जाइलो टक्कर मार दी।दुर्घटना इतनी भीषण थी कि क्रेटा के परखच्चे उड़ गए।

बाढ़ | **1700 गांवों में बाढ़ का पानी भरा, कर्नाटक में सरकारी स्कूल बस बाढ़ में फंसी**

असम और मेघालय में बाढ़ से 16 लोगो की मौत

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर हिस्सों में अभी भी भीषण गर्मी का कहर देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर असम, मेघालय और कर्नाटक में बारिश लोगों के लिए आफत बन गई है। असम और मेघालय में बारिश के चलते 1700 गांव में बाढ़ जैसे हालात हैं। जिससे अब तक करीब 16 लोगों की मौत हुई है।

वहीं, कर्नाटक के धारवाड़ जिले में भारी बारिश के चलते एक सरकारी स्कूल की बस पानी में फंस गई। बस में करीब 150 बच्चे सवार थे। टीचर्स और स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को बस से सुरक्षित निकाला गया।

असम में 11 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

असम में पिछले 3-4 दिनों से तेज बारिश के चलते लोगों की परेशानी बढ़ गई है। राज्य के करीब 25 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, इससे करीब 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अधिकारियों का कहना है कि राज्य के कई इलाकों में ब्रह्मपुत्र, गौरांग, कोपिली, मानस और पगलाड़िया नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। असम में 17 जून तक बारिश का अलर्ट है।

असम में बाढ़ के चलते करीब 19,782.80 हेक्टेयर फसल भूमि पानी में डूब गई है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 72 राजस्व मंडलों के अंतर्गत आने वाले 1,510 गांव में पानी भरा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक कोई इमरजेंसी न हो घरों से बाहर निकलने से बचें। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर और निर्देशक रोहित शेट्टी ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए सीएम राहत कोष में 5 लाख रुपए दिए हैं।

मेघालय में बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 6 के कुछ हिस्से धस गए। इसके बाद सरकार ने राजमार्ग को बंद कर दिया है। यह राजमार्ग त्रिपुरा, दक्षिणी असम, मिजोरम और मेघालय के कुछ हिस्सों को जोड़ता है। सरकार ने बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए एक चार समितियां बनाई हैं। हर समिति को एक कैबिनेट मंत्री लीड करेगा।

कर्नाटक के धारवाड़, बेलगावी, बीदर और कोप्पल जिलों में पिछले 24 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे कई एकड़ फसल पानी में डूब गई है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर कन्नड़ क्षेत्र में 20 जून तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी।

शार्ट न्यूज

हिंसक आंदोलन के बीच सेना प्रमुख ने बताया, दो दिन के अंदर आएगा अग्निपथ योजना में भर्ती का नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर देश भर में चल रहे हिंसक आंदोलन के बीच आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने बताया है कि कब तक पहले अग्निवीर की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। भारतीय सेना की वेबसाइट http://joinindianarmy.nic.in पर यह नोटिफिकेशन जारी होगा। उन्होंने कहा कि इस साल दिसंबर तक सेना को पहला अग्निवीर मिल जाएगा और अगले साल के मध्य तक तीनों सेनाओं में इनकी ऑपरेशन और नॉन-ऑपरेशनल तैनाती कर दी जाएगी। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा, भर्ती की प्रक्रिया जल्दी ही शुरू होने वाली है। अगले दो दिनों के अंदर इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद सेनाओं की ओर से रजिस्ट्रेशन, भर्ती दौड़ आदि का शेड्यूल जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां तक अग्निवीरों के भर्ती प्रशिक्षण केंद्रों की बात है तो पहले बैच की ट्रेनिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। यही नहीं छात्रों के विरोध के सवाल पर उन्होंने कहा कि युवाओं को इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। एक बार इसका हिस्सा बनने और पूरी बात को समझने के बाद वे विरोध नहीं करेंगे। बता दें कि शुक्रवार सुबह ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी छात्रों से अपील की थी कि वे इस स्कीम का विरोध न करें और यह उनके हित में ही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि बीते दो सालों से कोरोना संकट के चलते सेना की भर्ती पर रोक थी और यह युवाओं के लिए एक अच्छा मौका है। उन्हें विरोध छोड़कर भर्ती के लिए तैयारी करनी चाहिए। गौरतलब है कि बिहार, यूपी, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में विरोध की आग पहुंच चुकी है। बिहार में तो यह आंदोलन काफी हिंसक हो गया है।

पश्चिम बंगाल में अग्निपथ योजना के खिलाफ युवाओं का प्रदर्शन

कोलकाता। केंद्रीय सरकार की सशस्त्र बलों में कम समय के लिए नियुक्ति वाली योजना अग्निपथ के विरोध में पश्चिम बंगाल में शुक्रवार को युवाओं के एक समूह ने रेल की पटरियों पर जमा होकर रेल सेवा और मशहूर हावड़ा ब्रिज पर भी यातायाता को अवरुद्ध कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने उत्तरी 24 परगना जिले के ठाकुरनगर रेलवे स्टेशन पर अवरुद्ध पैदा किया जिससे तकरीबन दो घंटों तक पूर्वी रेलवे के सियालदह सेक्शन पर रेल सेवा बाधित रही। यह प्रदर्शन सुबह 07: 45 बजे से 09:30 तक चलता रहा, जिसमें युवाओं ने राष्ट्रीय ध्वज थामकर योजना को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शकारी इसके बाद बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के आवास के पास एकत्रित हुए। हलांकि पुलिस कर्मियों के एक बड़े समूह ने प्रदर्शनकारियों को बोनगांव से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ठाकुर के आवास के अंदर जाने से रोक दिया।

मद्रास उच्च न्यायालय ने राजीव गांधी के हत्याकांड के दोषियों की खारिज की याचिका

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड के आजीवन दोषी एस. नलिनी और आरपी रविचंद्रन की समयपूर्व रिहाई की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्याकांड में दोषी पाए गए, नलिनी और रविचंद्रन ने समय से पहले रिहाई के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर की थी जिसमें मांग की गयी थी कि मंत्रिपरिषद की सिफारिशों के अनुसार कार्य करने में विफल रहने वाले राज्यपाल की कार्रवाई असंवैधानिक है। याचिका में तमिलनाडु के राज्यपाल की मंजूरी के बिना याचिकाकर्ता को तुरंत जेल से रिहा करने के लिए राज्य को निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि वह 2001 में ही समयपूर्व रिहाई के लिए योग्य हो गए थे, फिर भी उन्हें रिहा नहीं किया गया है। मुख्य न्यायाधीश मुनीश्वर नाथ भंडारी और न्यायाधीश एन माला की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के पास संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियां नहीं हैं। इस प्रकार, यह उनकी रिहाई का आदेश नहीं दे सकता, जैसा कि उच्चतम न्यायलय ने हत्या के मामले में एक अन्य दोषी पेरारिवलन के लिए किया था, इसलिए याचिका सुनवाई योग्य नहीं होने के कारण खारिज कर दी गई। हत्याकांड की दोषी नलिनी ने नौ सितंबर 2018 राज्य मंत्रिमंडल द्वारा सभी दोषियों की रिहाई को लेकर राज्यपाल को की गयी सिफारिश के आधार पर अपनी रिहाई के लिए याचिका दायर की थी। तमिलनाडु के मंत्रिमंडल ने राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत याचिकाकर्ता को रिहा करने की सलाह दी थी।

पश्चिमोत्तर में बारिश से गर्मी में राहत, किसानों के मुरझाये चेहरे खिले

चंडीगढ़। पश्चिमोत्तर क्षेत्र में पिछले चौबीस घंटों में हल्की से औसत बारिश होने से जहां लोगों को गर्मी तथा लू से राहत मिली वहीं गर्मी से फसलों को हो रहे नुकसान से मुरझाये किसानों के चेहरे खिल उठे। मौसम केन्द्र के अनुसार क्षेत्र में अगले पांच दिन तक व्यापक बारिश होने के आसार हैं। हरियाणा तथा पंजाब में हल्की से औसत तथा कहीं कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा मौसम केन्द्र ने कहीं-कहीं गरज चमक के साथ तेज हवा चलने की चेतावनी दी है। चंडीगढ में पिछले चौबीस घंटों में 17 मिलीमीटर बारिश हुई। आज दिन में तेज बौछारें पड़ीं तथा बादल छाये रहे और बीच -बीच में सूरज बादलों के बीच आंख मिचौनी खेलता रहा। हरियाणा में अंबाला 44 मिमी , करनाल पांच मिमी , रोहतक सात मिमी, गुडगांव 10 मिमी सहित कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई जिससे भीषण गर्मी से राहत मिली। अगले पांच दिन तेज बारिश के आसार हैं। पंजाब में भी कुछ स्थानों पर बारिश हुई। जहां अमृतसर 18 मिमी, लुधियाना 17 मिमी, बल्लोवाल 30 मिमी, पटियाला 15 मिमी, पठानकोट पांच मिमी, बठिंडा आठ मिमी, फरीदकोट 12 मिमी, गुरदासपुर 13 मिमी, जालंधर 18 मिमी , रोपड़ 37 मिमी वर्षा हुई ।

खट्टर ने अग्निपथ आयु सीमा 23 करने का किया स्वागत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सेना संविदा भर्ती की अग्निपथ योजना के लिए अधिकतम आयुसीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया। अग्निपथ योजना को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों के बाद कल केंद्र सरकार ने इस साल के लिए आयुसीमा में दो साल की रियायत देते हुए इसे 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने की घोषणा की थी। खट्टर ने ट्वीट कर कहा कि पिछले दो वर्षों से कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित सेना भर्ती हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अग्निपथ योजना' में युवाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए पहले वर्ष की भर्ती में दो वर्ष की रियायत देते हुए अधिकतम आयु सीमा को 21 साल से 23 साल कर दिया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में युवा अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

जयराम ने अग्निपथ आयु सीमा 23 करने के फैसले का स्वागत किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सेना में संविदा भर्ती की अग्निपथ योजना में आयुसीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने की केंद्र सरकार की घोषणा का स्वागत किया है। ठाकुर ने आज ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब 'अग्निपथ योजना' के अंतर्गत युवाओं को राहत देने हेतु आयु सीमा में दो वर्ष की रियायत देकर उसे 21 से 23 साल करने का फैसला किया है। इस निर्णय से युवा लाभान्वित होंगे और अग्निपथ योजना के जरिये देशसेवा तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। केंद्र ने कल देर रात अग्निपथ योजना में आयु सीमा में इस वर्ष के लिए दो साल की छूट देने की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए ममता के बाद अब पवार ने बुलाई विपक्ष की बैठक, 17 दलों को न्यौता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार के लिए विपक्षी दलों की एक और बड़ी बैठक होने जा रही है। खबर है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने 21 जून को मीटिंग बुलाई है।

संभावना जताई जा रही है कि इसमें 17 दल शामिल हो सकते हैं। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी उम्मीदवार के नाम पर विपक्षी पार्टियों के साथ मंथन किया था।

समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि राकंपा प्रमुख ने 21 जून को दोपहर 2.30 मिनट पर बैठक बुलाई है। इस बैठक में सीएम बनर्जी की तरफ से बुलाई गई पिछली बैठक की तरह 17 दल शामिल हो

सकते हैं। खास बात है कि पवार का नाम ही विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर आगे चल रहा था, लेकिन उन्होंने तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया था।

फिर दिखेगी विपक्ष में फूट!

तृणमूल कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो बनर्जी ने उस दौरान 22 दलों को आमंत्रित किया था। लेकिन बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राकंपा, डीएमके, राजद और वाम दलों ने शिरकत की थी। जबकि, आम आदमी पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, शिरोमणि अकाली दल और बीजू जनता दल ने चर्चा से किनारा कर लिया था। कहा जा रहा है कि आप और बीजद राष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम का ऐलान होने के बाद ही फैसला लेंगे।

विपक्ष ने पवार की उम्मीदवारी पर सहमति जताई थी, लेकिन उन्होंने इस पेशकश को ठुकरा दिया था। उन्होंने ट्वीट किया, भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के लिए दिल्ली में हुई बैठक में उम्मीदवार के तौर पर मेरे नाम का सुझाव देने के लिए मैं विपक्षी दलों के नेताओं का धन्यवाद करता हूं। हालांकि, मैं बताना चाहता हूं कि मैंने विनम्रता से मेरी उम्मीदवार से मना कर दिया है।

चुनाव आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 18 जुलाई को मतदान होगा। वहीं, 21 जुलाई को नतीजे जारी हो जाएंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

डेरा प्रमुख को मिला पैरोल, बरनावा डेरा पहुंचे

सिरसा। साध्वी यौन प्रकरण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में सजा भुगत रहे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को आज एक माह के पैरोल पर रिहा किया गया।

वह रोहतक की सुनारिया जेल में बंद थे।

डेरा सूत्रों के अनुसार पैरोल मिलने के बाद डेरा प्रमुख उत्तर प्रदेश के बरनावा स्थित डेरा सच्चा सौदा की शाखा में चले गए हैं। पिछले दिनों इन्हें 21 दिन की पैरोल मिली थी, तब वह गुड़गांव शाखा में रहे थे। हरियाणा में 19 जून को होने जा रहे निकाय चुनावों के दृष्टिगत इस पैरोल को अहम माना जा रहा है।

डेरा प्रबंधक मंडल के अनुसार डेरा प्रमुख सुबह करीब साढ़े सात बजे सुनारिया जेल से निकले। इसके बाद वह चचेरे भाई चरणप्रीत सिंह और हनीप्रीत इंसा से मिले और उनको साथ लेकर उत्तर प्रदेश के बरनावा डेरा चले गये।

हरियाणा के जेल मंत्री रणजीत सिंह ने बताया कि 30 दिन का पैरोल डेरा प्रमुख को दिया गया है। उन्होंने बताया कि डेरा प्रमुख की ओर से पैरोल अर्जी आई थी, जिस पर विचार करने के बाद रोहतक कमिश्नर प्रशासन को आगामी कार्यवाही के लिए भेजा गया था,जहां से उन्हें पैरोल मिला है।

जेल मंत्री से पूछा गया कि बार-बार डेरा प्रमुख को पैरोल कैसे मिल रहा है, तो उन्होंने स्पष्ट करना चाहा कि पैरोल कैदी का अधिकार है,उसी के तहत पैरोल दिया गया है।

असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी, सड़क संपर्क टूटा

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति और खराब हो गयी है। राज्य में कई जगहों पर लगातार बारिश के कारण भूस्खलन होने के बीच अधिकांश प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं।

राज्य में करीब 25 जिलों के 11 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं जिसमें नया बनाया गया बाजाली जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

बाढ़ से प्रभावित जिलों में करीब 19782.80 हेक्टर कृषि भूमि पानी में डूब गयी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 72 राजस्व क्षेत्रों के 1,510 गांव पानी में डूब गए हैं। इन जिलों के प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से आग्रह किया है कि अतिआवश्यक और स्वास्थ्य आपातकालीन स्थिति होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाढ़ के कारण गुवाहाटी से विभिन्न जिलों का सड़क से संपर्क टूट चुका है। असम से बराक घाटी का संपर्क बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर सड़क टूटने से पूरी तरह से खत्म हो गया है। राजधानी गुवाहाटी के ज्यादातर हिस्से लगातार तीसरे दिन भी जलजमाव के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

गुवाहाटी में भूस्खलन की घटनाओं से नूनमति इलाके के अजंतानगर में तीन लोग घायल हो गए हैं। भूस्खलन से गोलपारा जिलें में दो बच्चे की मौत हो गयी। अधिकारियों के मुताबिक नीचले असम में रांगिया खंड में नालबारी और घोगरापार के बीच पटरियों पर जलजमाव से कम से कम छह ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं और चार ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया है।

2 से 18 साल तक के बच्चों के लिए कोरोना टीका कोवैक्सीन सुरक्षित, भारत बायोटेक का दावा

हैदराबाद। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड ने दावा कि बच्चों के लिए उसका कोरोना टीका कोवैक्सीन सुरक्षित और रोग प्रतिरोधी क्षमता विकसित करने वाला साबित हुआ है। टीका निर्माता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अध्ययन को स्वीकार कर लिया गया है और इसे लैंसेट इन्फेक्शियस डिजीजेस पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। भारत बायोटेक ने यह पता लगाने के लिए चरण द्वितीय/तृतीय का बहुकेंद्रित अध्ययन किया था कि अगर दो वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के स्वस्थ बच्चों और किशोरों को कोवैक्सीन का टीका लगाया जाता है, तो उनके लिए वह कितना सुरक्षित होगा? साथ ही उनका शरीर इसके बाद क्या प्रतिक्रिया देगा

और उनकी प्रतिरक्षा क्षमता पर इसका क्या असर हागा?

इसमें कहा गया है कि जून 2021 से सितंबर 2021 के बीच बच्चों पर किए गए परीक्षण के परिणाम में यह टीका सुरक्षित पाया गया, इसका स्वास्थ्य पर कोई खास असर नहीं हुआ और इससे रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ी। यह जानकारी अक्टूबर 2021 में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को सौंपी गई। इसे छह वर्ष से 18 वर्ष की आयु के लोगों में आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई थी।

'बच्चों के लिए टीका सुरक्षित'

भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. कृष्णा एला ने कहा, बच्चों के लिए टीके का सुरक्षित होना महत्वपूर्ण है और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आंकड़े कोवैक्सीन के बच्चों के लिए सुरक्षित होने और इससे उनकी रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ने की बात साबित करते हैं। हमने प्राथमिक टीकाकरण और बूस्टर खुराक के तौर पर देने के लिए वयस्कों और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी कोविड-19 टीका विकसित करके और कोवैक्सीन को सार्वभौमिक टीका बनाकर अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है।

बच्चों को दी गई 5 करोड़ से अधिक खुराक

भारत में बच्चों को दी गई पांच करोड़ से अधिक खुराकों के आंकड़ों के आधार पर यह टीका अत्यधिक सुरक्षित साबित हुआ है। टीके एक अत्यंत निवारक उपकरण हैं। अगर टीकों को रोग निरोधी के रूप में इस्तेमाल किया जाए, तभी इनकी शक्ति का उपयोग किया जा सकता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि अध्ययन में कोई गंभीर दुष्प्रभाव नजर नहीं आया। दुष्प्रभाव के कुल 374 मामले सामने आए और इनमें से अधिकतर दुष्प्रभाव मामूली थे और उन्हें एक दिन में दूर कर दिया था।

अग्निपथ योजना युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ : डोटासरा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने केन्द्र की मोदी सरकार पर गलत नीतियों का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस कारण आज पूरा देश उद्वेलित है वहीं उसने सेना भर्ती की अग्निपथ योजना को लागू कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम किया है। डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता में आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा किया था, जिसके हिसाब से 16 करोड़ युवाओं को रोजगार मिलना चाहिये था, उन युवाओं के हितों पर कुठाराघात करते हुए सेना भर्ती की अग्निपथ योजना लागू कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक भारत की सुरक्षा के लिए सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किये बगैर विपरीत परिस्थितियों में सीमाओं पर तैनात रहते हैं तथा अपने जीवन की कुर्बानी देने से भी पीछे नहीं हटते हैं, ऐसे वीर युवाओं से अग्निपथ योजना के नाम पर केन्द्र सरकार द्वारा धोखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के अधीन विभागों में 62 लाख, 29 हजार पद खाली पड़े हैं तथा सेना में 2 लाख, 55 हजार से अधिक पद खाली हैं, ऐसी परिस्थिति में 17 से 21 वर्ष के युवकों को ठेके पर अग्निपथ योजना के नाम पर सेना में लेना तथा चार वर्ष पश्चात् 25 प्रतिशत युवा जो मैरिट में नहीं आयेंगे उन्हें हटा देना युवाओं के साथ अन्याय होगा।

उन्होंने कहा कि चार वर्ष की सेना भर्ती के लिये भी युवाओं को दो दफा परीक्षा देनी होगी, पहले भर्ती के लिये, उसके बाद 25 प्रतिशत की भर्ती में शामिल होने के लिये सफल होना होगा जो कि उन युवाओं जिनके वोट से श्री मोदी प्रधानमंत्री बने हैं के साथ घोर अन्याय एवं उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से आज पूरा देश जल रहा है, युवा सडकों पर आन्दोलनरत है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने अग्निपथ योजना लागू करने से पूर्व देश की संसद में चर्चा नहीं की, ना ही देश के विद्वानों एवं जनप्रतिनिधियों के विचार जानने का कार्य किया। श्री डोटासरा ने कहा कि मोदी सरकार देश के युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों,

पिछड़ों से किये गये अपने वादों को पूरा करने की बजाए विपक्षी नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नोटिस देने

में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण रखने के लिये अपना जीवन कुर्बान कर दिया, आज उन्हीं के पुत्र को केन्द्र सरकार द्वारा ईडी का नोटिस दिया जाकर देश के गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस सेना के शौर्य के पीछे छिपकर प्रधानमंत्री श्री मोदी पुनः सत्ता में आये, आज ठेके पर सैनिक लगाकर उसी सेना को कमजोर करने का कार्य प्रधानमंत्री करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश में अच्छे दिन आने की बजाए आक्रोश का माहौल बन गया है, देश में रेल जल रही हैं, सडकों पर हिंसक झड़प हो रही है, किन्तु केन्द्र सरकार देशहित में सोचने की बजाए विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने में व्यस्त है।

उन्होंने देश एवं राजस्थान के युवाओं से शांति बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि इस कठिन परिस्थिति में कांग्रेस पार्टी युवाओं के साथ खड़ी है तथा युवाओं को न्याय दिलाने के लिये हर संघर्ष में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आज विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में कांग्रेस नेताओं को ही प्रवेश करने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दिल्ली में केन्द्र सरकार की दमनकारी नीति के विरूद्ध मोर्चा खोले हुए हैं, उन्हें प्रताड़ितत करने के लिये आज सीबीआई ने उनके भाई के घर छापा डाल दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि देश में अघोषित आपातकाल लागू है, किसी को भी जेल में डाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री के भाई के खिलाफ की गई कार्यवाही संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग का ही एक उदाहरण है।

अग्निपथ योजना देश एवं युवाओं के साथ छलावा : भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अग्निपथ योजना के लिए मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे देश एवं युवाओं के साथ छलावा करार दिया हैं।

श्री बघेल ने आज यहां पत्रकारों से कहा कि दो वर्ष तक सेना में भर्ती को रोककर अग्निपथ योजना का नया शिगूफा मोदी सरकार ने छोड़ दिया हैं।उन्होने कहा कि चार वर्ष बाद इस योजना में चयनित होने वाले युवा क्या करेंगे।उन्होने इन्हे पुलिस की भर्ती में प्राथमिकता देने के बारे में किए जा रहे वादे के बारे में कहा कि क्या जितने युवा चार वर्ष में रिटायर्ड होंगे सभी की पुलिस में भर्ती संभव हैं।उन्होने कहा कि वैसे भी पुलिस एवं सेना के प्रशिक्षण में बहुत अन्तर हैं।

उन्होने कहा कि पुलिस को कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करना होता हैं और उसके लिए तमाम तरीके से काम करना होता हैं जबकि सेना में या तो दोस्त होता है या फिर दुश्मन,इसकी ट्रेनिंग दी जायेंगी।पुलिस की तरह सेना का काम सामने वालों को समझाना नही होता।उन्होने पूछा कि सेना में पूर्णकालिक भर्ती करने में आखिर क्या दिक्कत हैं,यह देश को बताना चाहिए।

अग्निपथ योजना को देश के लिए काफी खतरनाक करार देते हुए उन्होने कहा कि योजना के तहत इतनी बड़ी संख्या में बन्दूक एवं आधुनिकतम हथियार चलाना सीखकर रिटायर्ड होकर युवा गिरोह बनाकर अपराधी भी बन सकते हैं।उन्होने कहा कि मोदी सरकार समाज को आखिर किस दिशा में ले जाना चाहती हैं।नक्सलियों की ट्रेनिंग का जिक्र करते हुए उन्होने कहा कि आखिर कौन उन्हे ट्रेनिंग दे रहा हैं। श्री बघेल ने कहा कि अग्निपथ योजना से रिटायर्ड बच्चे अगर गुमराह हो गए तो गांव,शहर एवं प्रदेश की क्या स्थिति हो सकती हैं ? पेट्रोल एवं डीजल की किल्लत के बारे पूछे जाने पर उन्होने इसे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इनकी आपूर्ति में कटौती उचित नही हैं।

नक्सल प्रभावित चार जिलों में स्कूल फिर शुरू : भूपेश

जगदलपुर। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज नक्सल प्रभावित चार जिलों सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर और नारायणपुर में डेढ़ दशक से बंद पड़े 260 स्कूलों को फिर से शुरू किया।

बघेल ने अपने निवास कार्यालय से आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश के स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में बटन दबाकर इन स्कूलों में 11 हजार 13 बच्चों ने प्रवेश लिया है। बीजापुर जिले में सबसे अधिक 158, सुकमा जिले में 97, नारायणपुर जिले में 4 और दंतेवाड़ा जिले में एक बंद स्कूल फिर से खोला जा रहा है। शाला प्रवेश उत्सव के साथ ही प्रदेश के प्राथमिक स्कूल परिसरों में 6 हजार 536 बालवाड़ियों को भी शुरू किया।

बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी एवं स्वामी आत्मानंद के चित्र पर मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। बच्चों को स्कूल बस्ता, पुस्तक और गणवेश का वितरण किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़े और पढ़ने के साथ ही खेल-कूद में भी हिस्सा लें। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के आदर्शों पर आधारित स्कूलों में लगाए जाने वाले पोस्टर का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पुन: खोले जा रहे स्कूलों के पालकों और बच्चों से ऑनलाइन सीधा संवाद किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुन: शुरू हो रहे स्कूलों के भवन बनाने में समय लगता है, अत: इन्हें वहां प्री-फ्रेब्रिकेटेट स्ट्रक्चर से बनाए।

उन्होंने ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सभी को नए शिक्षा सत्र की बधाई देते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण दो वर्षों के दौरान बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई, लेकिन हमने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न हो, और उनका साल खराब न जाए।

उन्होंने कहा कि नए शिक्षा सत्र की शुरूआत हम बहुत सी उम्मीदों के साथ कर रहे हैं कि इस वर्ष नियमित शालाएं संचालित हो। साथ ही पिछले सत्र में पढ़ाई के हुए नुकसान की भरपाई की जा सके।

दिल्ली में सक्रिय एवं राहुल के मूवमेंट में शामिल होने पर भाई से बदला क्यूं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र की मोदी सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों पर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए विभिन्न हरकतें करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके दिल्ली में सक्रिय एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मूवमेंट में शामिल रहने पर इसका बदला उनके भाई से क्यूं लिया जा रहा हैं।

श्री गहलोत ने आज दिल्ली से जयपुर पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में उनके भाई अग्रसेन गहलोत के सीबीआई छापा पड़ने के मामले में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तो 13 जून को प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक एवं अन्य से मिलने का समय मांगा, पन्द्रह को मुकदमा दर्ज हो गया और सत्रह को रेड हो गई। यह समझ से परे है। उन्होंने कहा कि इससे पहले सरकार के संकट के समय भी इनके यहां जोधपुर में ईडी की रेड हुई थी।

उन्होंने कहा 40-45 साल से भाई अपना काम करते हैं, मै अपना काम करता हूँ, मैंने अपने आपको राजनीति में शामिल रखा, घर में कभी शादी ब्याह

भी हुआ तो वर्कर की तरह जाता हूं। मैं अगर दिल्ली में एक्टिव हूं, राहुल के मूवमेंट में शामिल रहा तो इसका बदला भाई से क्यू लिया जाता हैं। जयपुर में जब सरकार पर संकट आया तभी वहां ईडी के छापे पड़ते हैं, समझे के परे हैं। इस तरह के पहले ईडी एवं अब पहुंच गई सीबीआई, यह सब समझ के परे हैं। जनता यह पसंद नहीं करती हैं और धीरे धीरे भाजपा एवं इस सरकार को ही इसका नुकसान होने वाला हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि कोई राजनीति में हैं तो उसके परिवार के सदस्यों का क्या कसूर हैं और उसके परिवार पर अटैक हो, उसे उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि आज वह जयपुर आये हैं और रविवार को फिर दिल्ली जायेंगे और सोमवार को फिर वहां भाग लेंगे।

एक सवाल के जवाब में कहा कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं, वह 50 साल से राजनीति में हैं, ये क्या उन्हें डरायेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी के नाम की सरकारें आ गई और रगड़ाई नहीं हुई और लोग ऊपर से आ गये और पद प्राप्त कर लिया। अगर अनुभव प्राप्त व्यक्ति होता है तो इस तरह की हरकतें नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह ईडी सहित तीनों एजेंसियों के हैड से मिलने का समय मांगेंगे और ये तीनों ही देश की प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं, उनसे वह मुख्यमंत्री के रुप में एवं देश के एक नागरिक के रुप में बताना चाहेंगे कि देश में उनके बारे में क्या ओपिनियन बनी हुई हैं और क्यों बनी हुई हैं। उनको सुनने में क्या तकलीफ हैं। वे ब्यूरोक्रेट हैं उन्हें सुनना चाहिए। उन्होंने कहा मुझे टाइम देना चाहिए, टाइम नहीं देना उनके समझ में नहीं आ रहा है। वादा करता हूं कि मैं परिवार एवं खुद के बारे में कोई बात नहीं करुंगा जो प्रक्रिया हैं उसी अनुरुप बात करने वाला हूं। उन्होंने कहा कि एक हद तक दबाव सहन करो, उसके बाद दबाव भी सहन नहीं करना चाहिए। ये तमाम बातें हैं देश हित में नहीं है। लेकिन हम घबराने वाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि वह बार बार कह रहे हैं कि जब सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी एक रुपया भी अपने लिए नहीं ले सकते है तो मनी लांड्रिंग कैसे हो गया। पूरा देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों का मुद्दों पर से ध्यान हटाने के लिए राहुल गांधी पर मामला बना दिया, यह आठ साल पुराना मामला है। उन्होंने कहा कि मंहगाई, बेरोजगार जैसे बड़े मुद्दों पर ध्यान हटाने के लिए यह सब किया जा रहा है। आज गांव गांव में तनाव हैं, हिन्दू-मुस्लिम में दरार हो गई हैं, पता नहीं कब किसी पर अटैक हो जाये। क्या यह देश हित में क्या हैं। उन्होंने कहा कि प्रेम, भाईचारा, आपस में मोहब्बत होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री को हाथ जोड़ते हैं कि जो माहौल बन गया हैं उसके कारणों पर मत जाओं लेकिन उन्हें अपील करनी चाहिए कि शांति एवं भाईचारा बना रहे और वह हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा देश सकते में हैं और घबराया हुआ है। यह बात उन तक पहुंच नहीं रही हैं इसलिए वह बोल नहीं रहे हैं लेकिन एक दिन इस तरह की अपील करनी पड़ेगी।

शार्ट न्यूज

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अग्निपथ योजना के लिए प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने अग्निपथ योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना के द्वारा युवाओं को देश सेवा का अवसर मिलेगा, उससे वे भविष्य में भारत की ताकत बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकतम उम्र सीमा 23 वर्ष कर केंद्र सरकार ने अधिक से अधिक युवाओं को इसमें शामिल होने का मौका दिया है। साथ ही चार साल बाद 25 फीसदी युवाओं को सेना में शामिल होने का भी मौका दिया जाएगा। बाकि 75 फीसदी युवाओं को कौशल प्रमाण पत्र दिया जाएगा, ताकि वे अन्य क्षेत्रों में बेहतर काम कर सकें और एक स्वाभिमान से जीवन जी सकें। आदेश गुप्ता ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्षी दलों द्वारा भ्रम पैदा कर देश का माहौल खराब करने का काम किया जा रहा है। इस योजना को चार साल के चश्में के रूप में देखने की जरुरत नहीं है बल्कि यह सिर्फ एक परिवर्तन के लिए है। बहुत सारे सेना के जवान नौकरी बीच में ही छोड़कर अन्य कार्यों में लग जाते हैं और उसमें अनुशासित तरीके से अपनी योग्यता के आधार पर उस संस्थान को बेहतर परिणाम दे पाते हैं। आदेश गुप्ता ने कहा कि आज तो वे लोग भी इस योजना के बारे में बोल रहे हैं जो सर्जिकल स्ट्राइक और सेना के शौर्य एवं ईमानदारी पर सवाल उठाते रहे हैं। इतना ही नहीं अब तो वे लोग भी बोलना शुरु कर चुके हैं जो टिकट ब्लैक किया करते थे। देश सेवा को रोजगार से जोड़कर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने उन सभी युवाओं का अपमान किया है जो देश सेवा के भाव से सेना में जाना चाहते हैं ना कि कमाने के उद्देश्य से। उन्होंने कहा कि आज पूरा विपक्ष द्वारा सेना में भर्ती होने वाले युवाओं के आत्मविश्वास को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है जो देशहित में ठीक नहीं है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की हम निंदा करते हैं : गोपाल राय

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना के विरोध में संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति के प्रदर्शनकारियों का ऐलान आगामी 20 जून सुबह 11 बजे से सभी प्रमुख संगठनों जैसे देश की बात फाउंडेशन, CYSS, AISA, RYA, SVS, आम आदमी पार्टी यूथ विंग एवं अन्य संगठनों के साथ जंतर मंतर पर किया जाएगा विरोध प्रदर्शन साथ ही संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति की देश भर के सभी संगठनों से जंतर मंतर पहुँचने की अपील की गई है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं देश की बात फाउंडेशन के संस्थापक गोपाल राय ने इसकी निंदा करते हुए कहा शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी निंदनीय है और साथ ही केंद्र सरकार से यह अपील करते हैं कि इस योजना को वापस लिया जाए। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि लाठी और गिरफ्तारी के दम पर सरकार द्वारा इस आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता।

किशोरी की छत से गिरकर हुई मौत

नोएडा। सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी अपने परिवार के साथ रहती थी। वह गुरुवार रात अपने मकान की दूसरी मंजिल पर किसी काम से गई थी। इसी दौरान वह संदिग्ध हालात में छत से नीचे गिर गई। परिजनों ने उसको गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान किशोरी की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक हफ्ते में मिलेंगे ड्राइविंग लाइसेंस

नोएडा। लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस उनके घर पर एक हफ्ते के भीतर मिल जाए इसके प्रयास में परिवहन विभाग जुट गया है। अभी एक हफ्ते से अधिक का समय ड्राइविंग लाइसेंस मिलने में लग रहा है। ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया परिवहन विभाग में होती है। उसके बाद डीएल प्रिंट होकर लखनऊ से आवेदक के घर पर पहुंचता है। इस प्रक्रिया में एक हफ्ता और से अधिक समय लग जाता है। एआरटीओ प्रशासन एके पांडेय ने बताया कि प्रयास है कि लोगों को एक हफ्ते के भीतर ही ड्राइविंग लाइसेंस मिल जाए। इसके लिए परिवहन मुख्यालय की ओर से डीएल प्रिंट कर भेजने वाली कंपनी को निर्देश दिए गए हैं। कई लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस की काफी आवश्यकता होती है। ऐसे में उन्हें इससे राहत मिलेगी।

सड़क हादसे में 15 वर्षीय बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर क्षेत्र के थोरा गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में 15 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना जेवर के थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि थोरा गांव के पास बृहस्पतिवार को एक सड़क हादसे में चमन (15 वर्ष) पुत्र राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना जेवर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करंट से दो गोवंश की मौत

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा दो स्थित एक पार्क में शुक्रवार की सुबह बारिश से एक बिजली के पोल में करंट आने से दो गोवंश की मौत हो गई। सेक्टरवासियों ने इसकी सूचना प्राधिकरण की टीम को दी। इस घटना को लेकर सेक्टर वासियों ने एनपीसीएल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। प्राधिकरण से कार्रवाई की मांग की है। सेक्टरवासियों का आरोप है कि शुक्रवार सुबह बारिश से बिजली के पोल में करंट उतर आया। बिजली के करंट की चपेट में आने से दो गोवंश की मौत हो गई। बारिश के मौसम में पार्क में बिजली के पोल में करंट आने से बच्चों के लिए खतरा बना रहता है। आरोप है कि पार्कों में लगे बिजली के पैनल बॉक्स खुले रहते हैं। इससे बच्चों के लिए खतरा बना रहता है।

शादी के लिए कह रही थी प्रेमिका, सेक्स करने के बाद ईंट से कूचकर हत्या; पत्नी की भी ले चुका जान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में कथित तौर पर 38 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी गर्लफ्रेंड की सिर पर ईंट से हमला कर हत्या कर दी। महिला और आरोपी के बीच अवैध संबंध थे और वह आरोपी पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। मृतका पहले से शादीशुदा थी और उसके बच्चे भी थे। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि वसंत कुंज के मसूदपुर गांव के रहने वाले आरोपी संजय को 2011 में अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उसने आठ साल तिहाड़ जेल में बिताए थे। 24 मई को वसंत कुंज के चर्च रोड के पास एक खाली प्लॉट में एक महिला का शव पड़ा मिला था। स्थानीय लोगों ने शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस को शक था कि जिस स्थान पर शव मिला था वह मुख्य सड़क से कुछ दूरी पर था और केवल आसपास के रहने वाले किसी व्यक्ति द्वारा ही जाया जा सकता था। उन्होंने बताया कि पुलिस को शव के पास से महरौली में एक दुकान का कैरी बैग भी मिला है। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए महरौली, फतेहपुर बेरी, वसंत कुंज और कपस हेरा इलाके की लेडीज टेलरों से संपर्क किया। मृतका की पहचान वार्ड नंबर-3, महरौली की रहने वाली महिला के रूप में हुई थी, जो कथित तौर पर 22 मई को अपने घर से लापता हो गई थी। पुलिस ने बताया कि उसके पति, माता-पिता और बच्चों से गहनता से पूछताछ की गई तो पता चला कि मृतका वसंत कुंज इलाके के चर्च रोड स्थित शांति कुंज में नौकरानी के रूप में काम करती थी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) मनोज सी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में मृतका को घटना वाले दिन किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ जाते हुए देखा गया था। बाद में उस व्यक्ति की पहचान संजय के रूप में हुई और उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

कीर्ति नगर को वर्ल्ड-क्लास फर्नीचर मार्केट के रूप में बदलेगी केजरीवाल सरकार, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया कीर्ति नगर मार्केट का विजिट

दिल्ली के फर्नीचर हब कीर्ति नगर मार्केट का होगा मेकओवर, पुनर्विकास के लिए चयनित होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने किया मार्केट का दौरा, व्यापारियों से लिए उनके सुझाव

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने आज कीर्ति नगर फर्नीचर मार्केट का निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री की ये विजिट मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के प्रतिष्ठित बाजारों के पुनर्विकास की घोषणा के बाद हुई है। कीर्ति नगर मार्केट पुनर्विकास परियोजना के पहले चरण में चुना गया है7 वर्तमान में बाजार की फर्नीचर हब के रूप में पहचान है जिसे पुनर्विकास के बाद और आगे बढ़ाया जाएगा और बाजार को एक अनूठे ब्रांड के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री मनीष सिसोदिया ने कहा, कीर्ति नगर दिल्ली-देश व पूरी दुनिया के सबसे बेहतरीन फर्नीचर मार्केट में शामिल है और दिल्ली की पहचान है । पुनर्विकास के बाद हम इसे एक नया लुक देने का काम करेंगे जिससे व्यापारियों व खरीददार दोनों को एक बेहतर अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि कीर्ति नगर मार्केट के सभी व्यापारी बहुत उत्साहित है। पुनर्विकास की पूरी प्रक्रिया सरकार और व्यापारी आपसी सहयोग के साथ दिल्ली की शान इस मार्केट को विश्वस्तरीय बनाने का काम करेंगे। विजिट के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बाजार में व्यापारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझने के लिए उनसे बातचीत की और उनके सुझाव लिए ।

इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि कीर्ति नगर मार्केट दिल्ली की पहचान है और केजरीवाल सरकार इस मार्केट का पुनर्विकास कर इसे दिल्ली ही नहीं पूरे विश्व में फर्नीचर के क्षेत्र में एक नई पहचान देने का काम करेगी और एक ब्रांड के रूप में विकसित करेगी ताकि हर दिल्लीवासी अपने इस बाजार पर गर्व कर सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मार्केट में कुछ बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। लेकिन केजरीवाल सरकार ने अब इसके पूरे स्वरुप को बदलने का बीड़ा उठाया है। सरकार और व्यापारी साथ मिलकर इन कमियों को दूर करेंगे।

उन्होंने बताया कि सभी व्यापारी बहुत उत्साहित है और इस पूरी प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे है और अपने शानदार सुझाव दे रहे है। परियोजना के हिस्से के रूप में हम क्या कर सकते हैं, इस बारे में उनके पास बहुत सारे विचार हैं। उनके सभी सुझावों को ध्यान में रख कर बाजार के पुनर्विकास की योजना तैयार की जाएगी।

साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार की टीम बाजार के पुनर्विकास के सभी पहलूओ की स्टडी कर रही है।

श्री सिसोदिया ने कहा कि बाजार के पुनर्विकास को लेकर कुछ काम होना शुरू हो गया है जो जल्द दिखना शुरू हो जाएगा साथ ही सरकार पुनर्विकास के बाद राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर पर इस मार्केट के ब्रांडिंग का काम करेगी। बाजार में विभिन्न गतिविधियों में लगे युवाओं की अपस्किलिंग के लिए सरकार द्वारा उन्हें कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पुनर्विकास परियोजना का विवरण देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार का लक्ष्य बाजार के चारों ओर एक अनूठा अनुभव विकसित करना है। फ्रपुनर्विकास के तहत, हम बाजार को नया रूप देंगे। यहां पूरे ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन सिस्टम को अंडरग्राउंड किया जाएगा। यहां बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएगी व मार्केट के सौंदर्यीकरण का काम किया जाएगा ताकि यहां आने वाले लोगों के लिए खरीददारी का एक बेहतर और वर्ल्ड क्लास अनुभव सुनिश्चित किया जा सकें। साथ ही पार्किंग प्रबंधन का काम भी किया जाएगा और डिजिटल साइनज लगाए जाएंगे।

ज्ञात हो कि रोजगार बजट के तहत दिल्ली के आइकोनिक बाजारों का पुनर्विकास करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पांच बाजारों का चयन किया गया है। जिसकी पिछले दिनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा घोषणा की गई। बाजारों के चयनित होने की इस प्रकिया के बाद अगले फेज में इनके पुनर्विकास से संबंधित डिज़ाइन तैयार किए जाएंगे और इस पूरी प्रक्रिया में व्यापारियों के सुझाव का ख़ास ध्यान रखा जाएगा।

बाज़ार वही, पहचान नई - क्या है केजरीवाल सरकर की आइकोनिक बाजारों के पुनर्विकास की पहल?

केजरीवाल सरकार वैश्विक मानकों के अनुसार पांच प्रमुख बाजारों का पुनर्विकास करेगी। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा था, पहले फेज में दिल्ली की पांच बड़ी बाजारों कमला नगर, खारी बावली, लाजपत नगर, सरोजनी नगर और कीर्ति नगर का पुनर्विकास कर उनको देश और दुनिया के सामने एक ब्रैंड के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। नई पहचान के साथ दिल्ली के बाजार अब तरक्की की तरफ़ आगे बढ़ेंगे। बाज़ार अच्छे होंगे तो व्यापार भी बढ़ेगा और नए रोज़गार भी पैदा होंगे। दिल्ली के रोज़गार बजट में 20 लाख नई नौकरियों का प्लान है। हम उसके लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

दिल्ली के कई बाजार ऐसे हैं, जो बहुत प्रसिद्ध हैं। एक-एक बाजार की अपनी पहचान है, अपनी कहानी है। दिल्ली में लगभग 3.50 लाख दुकानें हैं और इन बाजारों में लगभग 1.5 लाख से 8 लाख लोग काम करते हैं।

आज दिल्ली के इन पारंपरिक प्रतिष्ठित बाजारों के बुनियादी ढांचे के पुनर्विकास और अन्य सुविधाओं की जरूरत है, ताकि लोग इन बाजारों में खरीदारी करते समय अपनापन व सुरक्षित महसूस कर सकें। हम इन बाजारों को इस तरह से स्थापित करना चाहते हैं कि देश भर में और यहां तक कि विदेशों में भी लोग दिल्ली के प्रतिष्ठित बाजारों से खरीदारी करने में गर्व महसूस करें।

इन बाजारों में क्षमता है कि अगर सरकार के सहयोग से यहां के कारोबार में थोड़ी सी भी बढ़ोतरी होती है तो यहां लाखों नए रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। हमने चांदनी चौक में ऐसा किया है, लेकिन अब दिल्ली के सभी लोकप्रिय, प्रतिष्ठित बाजारों के लिए ऐसा करने की जरूरत।

नौजवान बड़ी मुश्किल से सेना में भर्ती होंगे और पीएम मोदी उन्हें चार साल में बाहर निकाल देंगे, यह युवाओं के साथ विश्वासघात है, इसे तत्काल वापस लिया जाए : संजय सिंह

दुनिया के तमाम देशों में सुरक्षा के लिए प्राइवेट आर्मी भी हायर की जाती है, कहीं ऐसा न हो कि मोदी अपने पूंजीपति मित्रों के लिए प्राइवेट आर्मी तैयार कर रहे हों- संजय सिंह

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कल अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। इसके बाद सरकार को ज्ञापन देगी। इसके संबंध में जानकारी देते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि नौजवान बड़ी मुश्किल से सेना में भर्ती होंगे और पीएम मोदी उन्हें चार साल में बाहर निकाल देंगे। यह युवाओं के साथ विश्वासघात है, इसे तत्काल वापस लिया जाए। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की खदानें, सेल, कोयला, एलआईसी, बैंक, सड़क, बिजली, पानी, बीपीसीएल, एयरपोर्ट, बंदरगाह सहित सब कुछ चंद पूंजीपतियों को बेच दिया है। अब उसकी रक्षा करने के लिए सुरक्षाकर्मी चाहिए। दुनिया के तमाम देशों में सुरक्षा के लिए प्राइवेट आर्मी भी हायर की जाती है, कहीं ऐसा न हो कि मोदी अपने पूंजीपति मित्रों के लिए प्राइवेट आर्मी तैयार कर रहे हों। आम आदमी पार्टी और सीएम अरविंद केजरीवाल की पीएम नरेंद्र मोदी से मांग है कि इस देश को नौजवानों के आक्रोश से बचा लीजिए, ऐसा न हो कि समय बीतने के बाद पछताकर कानून वापस लेना पड़े। इस योजना में न पेंशन, न भविष्य की कोई तनख्वाह, न ही कोई नौकरी की योजना ? है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी, काले कृषि कानून लाकर देश को बर्बाद करने वाली मोदी सरकार अब अग्निपथ योजना लाकर भ्रष्टपथ पर निकल चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी के जुमलों से देश बर्बाद हो चुका है। इसी वजह से भाजपा का नाम भारतीय झूठा पार्टी हो गया है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। सांसद संजय सिंह ने कहा कि इस देश में नोट बंदी लागू करके देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने वाली, जीएसटी कानून लागू करके व्यापारियों को बर्बाद करने वाली, किसानों के लिए काले कानून लागू करके किसानों को बर्बाद करने वाली, महंगाई को आसमान पर पहुंचा कर माताओं-बहनों के चूल्हे को बर्बाद करने वाली मोदी सरकार, अब इस देश के अंदर अग्निपथ योजना लाकर भ्रष्टपथ पर निकल चुकी है। सेना को पीएम नरेंद्र मोदी अपनी प्राइवेट एजेंसी बनाना चाहते हैं। भारतीय सेना भारत का गौरव है और देश की सीमाओं की रक्षा करने के लिए है। भारत की सेना में भर्ती होने वाला देश का नौजवान अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा करता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने जो अग्निपथ योजना लाई है, यह निश्चित तौर पर देश की निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए लाई गई है। नौजवान सेना में भर्ती होने के लिए चार साल तक तैयारी करेगा। चार साल तैयारी करने के बाद बड़ी मुश्किल से उसकी भर्ती होगी। इसमें सए 2 साल ट्रेनिंग और छुट्टियों में चले जाएंगे। सिर्फ दो साल वह नौकरी करेगा। चार साल की नौकरी के बाद पीएम मोदी जब उसको निकाल कर सड़क पर बाहर खड़ा कर देंगे तो उसके सामने आत्महत्या करने, भीख मांगने, अपराध करने या निजी कंपनी में सुरक्षा कर्मी की नौकरी करने के सिवाय कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की खदानें, सेल, कोयला, एलआईसी, बैंक, सड़क, बिजली, पानी, बीपीसीएल, एयरपोर्ट, पोर्ट सहित सब कुछ चंद पूंजीपतियों को बेच दिया। उसकी रक्षा करने के लिए सुरक्षाकर्मी चाहिए तो क्या देश की सेना को नरेंद्र मोदी सिक्योरिटी गार्ड ट्रेनिंग सेंटर बना रहे हैं। वहां से ट्रेनिंग करके जो नौजवान निकलेगा वह निजी कंपनियों में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करेगा। इन प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए यह योजना लेकर आए हैं। पीएम मोदी अपने मित्रों से कह रहे हैं कि अब आपको ट्रेनिंग में खर्च करने की जरूरत नहीं है। ट्रेनिंग में हम खर्च करेंगे सेना में। 4 सालों उनको ट्रेनिंग देंगे और सड़क पर ला देंगे। उसके बाद मैं आपके यहां जाकर बंदूक उठा कर खड़े हो जाएंगे। आपकी जमीनी और संपत्तियों की रक्षा करेंगे, क्योंकि मोदी कह रहे हैं कि उन्होंने रेलवे, सेल, पोर्ट, एलआईसी, बैंक, सड़क, बिजली, पानी, टोल सहित पूरा हिंदुस्तान भेज दिया है। अब उसकी रक्षा करने के लिए यही नौजवान निकल कर आएंगे, जो 7 से 8 हजार में नौकरी करेंगे। हिंदुस्तान में क्या आप चंद पूंजीपतियों के लिए प्राइवेट आर्मी बना रहे हैं। अंग्रेजों की प्राइवेट आर्मी खड़ा करने का काम कर रहे हैं। यह देश की सेना और नौजवानों का अपमान है।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि कभी कहते हैं कि 2 करोड लोगों को नौकरी देंगे। कभी कहते हैं पकौड़ा और गोबर बेचकर पैसा कमाओ। जिन लोगों के दिमाग में गोबर भरा है वह इस देश के अंदर गोबर योजना ही ला सकते हैं, वह नौजवानों को नौकरियां नहीं दे सकते हैं। किसानों के खिलाफ काला कानून लेकर आए थे, उसका आम आदमी पार्टी ने संसद के भीतर विरोध किया था। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बार-बार कहा था कि आप यह काले कानून वापस ले लीजिए। आपने 1 साल लगा दिया इस देश का किसान सड़कों पर बैठा रहा। 750 किसान शहीद हो गए। आज पूरे देश का नौजवान आक्रोशित है। सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहा है।

इसलिए मैं भारत सरकार और नरेंद्र मोदी से मांग करता हूं कि इस देश को जलने से बचा लीजिए। इस देश को नौजवानों की आक्रोश से बचा लीजिए।

उनके गुस्से से बचा लीजिए। ऐसा ना हो कि लंबा समय बीतने के बाद आपको पछता कर फिर यह कानून वापस लेना पड़े। अभी भी वक्त है कि हमारे देश के गौरव को गिराने और नौजवानों को अपमानित करने वाले यह कानून वापस ले लीजिए।

अग्निपथ के खिलाफ संग्राम में राकेश टिकैत भी कूदे, कहा- नहीं झुकेगा नौजवान

नई दिल्ली। सेना में चार साल की सेवा के लिए आई अग्निनपथ भर्ती योजना के खिलाफ बिहार समेत देश के कई राज्यों में हिंसा हो रही है। इस बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि पहले किसान नहीं झुके थे और अब नौजवान भी नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि नौजवानों को कॉन्ट्रैक्ट पर लाने की कोशिश है। राकेश टिकैत ने ट्वीट किया, पहले मोदीजी ने किसानों (खेती) को कॉन्ट्रैक्ट पर लाने की असफल कोशिश की, अब देश के नौजवानों (अग्निवीरों) को कॉन्ट्रैक्ट पर लाने जा रहे हैं। न पहले किसान झुका था न अब नौजवान झुकेगा। जय किसान, जय नौजवान। इससे पहले गुरुवार को भी टिकैत ने सरकार के इस फैसले को गलत बताते हुए कहा कि इसका नतीजा देश का युवा झेल रहा है। उन्होंने युवाओं के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष का ऐलान किया था। राकेश टिकैत ने कहा, सरकार की गलत नीतियों का नतीजा तेरह महीने देश के किसान ने भुगता है और आज एक गलत फैसले का नतीजा देश का युवा झेल रहा है। सेना में जाने वाले भी किसान का बेटा है यह जान ले सरकार। हम देश के युवा और अपने बच्चों के लिये अंतिम साँस तक संघर्ष करेंगे।

दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली पुलिस ने एक 8 महीने के बच्चे रेस्क्यू किया, बच्चे को मात्र तीन दिन की आयु में उसके ही माता पिता ने 5 लाख में बेच दिया था

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर एक 8 महीने के बच्चे को रेस्क्यू किया है जिसे उसके ही माता-पिता ने केवल तीन दिन की आयु में 5 लाख रुपये में बेच दिया था। बच्चे के बदले उसके मां बाप को 5 लाख रूपये देने की बात हुई थी, जिसमें से 20,000 रुपये का भुगतान तुरंत कर दिया था और शेष राशि बाद में देने का वादा किया गया। परंतु 7 महीने गुजर जाने के बावजूद भी शेष राशि का भुगतान नहीं हुआ इसलिए बच्चे की मां ने शेष राशि दिलवाने के लिए आयोग संपर्क किया। बच्चे की मां ने 181 महिला हेल्पलाइन पर उसके बच्चे को खरीदने वाली महिला से शेष राशि दिलवाने के लिए आयोग से सहायता मांगी जिसके बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। आयोग ने मामले को विस्तार से समझने के लिए तुरंत ही अपनी एक टीम उस महिला के पास भेजी और तब पता चला कि बेचे गए बच्चे के माता-पिता के पहले से ही 4 बच्चे थे और वह अब संतान नहीं चाहते थे जिसके कारण बच्चे की मां गर्भपात कराना चाहती थी। सोनिया नाम की उसकी एक सहेली ने उसे गर्भपात कराने से रोका और बताया कि अगर वह बच्चे को जन्म देती है, तो उस बच्चे को बेचकर उसको पैसे मिल सकते हैं। जिसके बाद सोनिया ने उनसे बच्चे के लिए 5 लाख रुपये देने का वादा किया और बच्चे के माता पिता इस सौदे को मान गए। मामले की पूरी जानकारी प्राप्त करने के तुरंत बाद ही आयोग ने थाना मैदान गढ़ी से संपर्क किया और 11.05.2022 को इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई। जिसके बाद आयोग नियमित रूप से दिल्ली पुलिस के साथ मामले में संपर्क में रहा और मामले की जांच में उनकी पूरी सहायता की। आखिरकार 11.06.2022 को गुरुग्राम के एक गांव से बेचे गए बच्चे को रेस्क्यू कर लिया गया और दिल्ली पुलिस ने तुरंत ही बच्चे की मां समेत बच्चे की तस्करी और बिक्री में शामिल 8 लोगों को हिरासत में ले लिया। अब पुलिस बच्चे के पिता को भी गिरफ्तार करने में जुटी है जोकि मामले के सामने आने के समय से ही फरार है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने घटना पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि माता-पिता ने अपने ही 3 दिन के बच्चे को बेच दिया। दिल्ली पुलिस और दिल्ली महिला आयोग ने बच्चे को सफलतापूर्वक बचाया है, जो अब एक आश्रय गृह में सुरक्षित है। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है और सभी आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।बाल कल्याण समिति को उस बच्चे का उचित और तत्काल पुनर्वास करना चाहिए। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि तस्करी के मामले हर दिन के साथ बढ़ रहे हैं और तत्काल एवं कठोर कार्रवाई से ही इन्हें रोका जा सकता है।

प्रो. संजय द्विवेदी को 'टॉप रैंकर्स एक्सीलेंस अवॉर्ड'

भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक हैं प्रो. द्विवेदी

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी को टॉप रैंकर्स मैनेजमेंट क्लब द्वारा मीडिया शिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए टॉप रैंकर्स एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। मॉरीशस गणराज्य की उच्चायुक्त श्रीमती शांति बाई हनुमानजी, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बीपी सिंह और जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के निदेशक श्री एके बाजोरिया ने नई दिल्ली के होटल ली-मैरेडियन में आयोजित 22वीं नेशनल मैनेजमेंट समिट में प्रो. द्विवेदी को यह सम्मान दिया। इस अवसर पर नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन श्री वी एम बंसल, केरमाइन एनर्जी के चेयरमैन डॉ. एके बाल्यान एवं टॉप रैंकर्स मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स के प्रबंध निदेशक श्री वीएसके सूद भी उपस्थित थे।

प्रो. संजय द्विवेदी देश के प्रख्यात पत्रकार, मीडिया प्राध्यापक, अकादमिक प्रबंधक एवं संचार विशेषज्ञ हैं। डेढ़ दशक से अधिक के अपने पत्रकारिता करियर के दौरान वह विभिन्न मीडिया संगठनों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। प्रो. द्विवेदी माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रभारी कुलपति भी रहे हैं। वह कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में पत्रकारिता विभाग के संस्थापक अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

प्रो. द्विवेदी वर्तमान में भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे की सोसायटी एवं गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं। वह महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा; विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन; मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद एवं असम विश्वविद्यालय, सिलचर के बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं।

राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया के मुद्दों पर उनके 3000 से ज्यादा लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 32 पुस्तकों का लेखन एवं संपादन किया है। वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित शोध पत्रिकाओं कम्युनिकेटर एवं संचार माध्यम के प्रधान संपादक हैं। प्रो. द्विवेदी राजभाषा विमर्श एवं संचार सृजन के प्रधान संपादक तथा मीडिया विमर्श (त्रैमासिक) के मानद सलाहकार संपादक भी हैं। मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

दादरी मे शुक्रवार को शांतिपूर्ण तरीके से पड़ी गई जुमे की नमाज़

ग्रेटर नोएडा। जिले में सभी स्थानों पर जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। जुमें की नमाज जिले में अकीदत-ओ-एहतराम के साथ अदा की गई। अकीदतमंदों ने देश में अमन, चैन की दुआ की। सुरक्षा की दृष्टि से सभी मस्जिद के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था। वही ड्रोन से पूरे इलाके की निगरानी की गई। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित मस्जिदों में सुबह से ही तैयारियां शुरू कर दी गईं थी। पिछली बार जुमे की नमाज के बाद हंगामा हो गया था जिसको लेकर इस बार पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ पर था। सभी मस्जिद के चारो और भारी पुलिस बल तैनात किया गया इसके साथ ही बाजारो में भी पुलिस की तैनाती की गई थी। दादरी की मस्जिदो के बाहर भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इस बार नमाज पढ़ने के लिए भी सीमित संख्या में ही लोग पहुंचे थे। इसके साथ ही अफसर भी लगातार नजर बनाए हुए थे।

एक दिन पहले किया था दादरी में फ्लैग मार्च

बता दे कि पिछले सप्ताह प्रदेश के कई जिलों में बवाल को देखते हुए इस बार जुमे की नमाज को लेकर जिला हाई अलर्ट पर थी। गुरुवार को पुलिस ने धर्मगुरुओं के साथ संवाद स्थापित किया तो वहीं हर थानाक्षेत्र में पुलिस ने पैदल मार्च निकालकर सौहार्द्र बनाए रखने का आह्वान किया। ड्रोन कैमरे से निगरानी करने के साथ-साथ धार्मिक स्थलों पर पुलिस तैनात कर दी गई।

पिछले जुमे पर उत्तर प्रदेश में कई जगह हिंसा हुई थी। इसको लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस अलर्ट हो गई है। नमाज से पहले पुलिस तैयारियों में जुट गई है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने थानों में शांति समिति की बैठक की।

संपादकीय

ग्लोबल इकोनोमी पर भारी पड़ता रुस यूक्रेन युद्ध

जब रुस-यूक्रेन में युद्धारंभ हुआ था तब दुनिया के देशों ही नहीं अपितु रुस ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध इतना लंबा खिंच जाएगा। रुस ने जिस अति आत्मविश्वास के चलते यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत की थी तब उसका जो आकलन था वह पूरी तरह से भरभरा कर उलट गया है।

हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार ग्लोबल इकोनोमी पर रुस-यूक्रेन युद्ध का असर तेजी से दिखाई देने लगा है। एक ओर दुनिया के अनेक देशों के सामने खाद्यान्न का संकट मुंह बाएं खड़ा है तो दूसरी और आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। कोविड त्रासदी के बावजूद 2021 में जिस तरह से दुनिया के देशों ने आर्थिक मंदी को पटरी पर लाने के प्रयास किए थे लगता है 2022 के शुरुआती पांच महीनों में ही वह सब धुल गया है। वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष डेविस मैल्पस जहां स्टैगफ्लेशन यानी की आर्थिक विकास दर में स्थिरता और मुद्रास्फीती व बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी का संकेत दिखाई देने लगा है। वैश्वीक आंकड़ों के अनुसार भारत, अमेरिका, रुस, चाइना, जापान, इंग्लैण्ड, फ्रांस, डेनमार्क सहित अधिकांश देशों में इन पांच माहों में आर्थिक सुधार की रेट में उल्लेखनीय कमी देखी जा रही है। रुस में सबसे अधिक -12.7 प्रतिशत रिकवरी रेट कम रही है तो भारत और अमेरिका में -1.2 प्रतिशत, डेनमार्क में 2.2, जापान में 1.7, फ्रांस में 1.8, इंग्लैण्ड में 1.1, इंडोनेशिया में 0.5 तो चाइना में 0.7 फीसदी निगेटिव रही है। दरअसल रुस तो सीधे युद्ध से जुड़ा हुआ है ऐसे में वहां की निगेटिव रेट तो साफ है पर अन्य देशों की निगेटिव रेट ग्लोबल इकोनोमी के लिए गंभीर चिंतनीय है।

दरअसल जब रुस-यूक्रेन में युद्धारंभ हुआ था तब दुनिया के देशों ही नहीं अपितु रुस ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध इतना लंबा खिंच जाएगा। रुस ने जिस अति आत्मविश्वास के चलते यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत की थी तब उसका जो आकलन था वह पूरी तरह से भरभरा कर उलट गया है। लाख प्रयासों के बाद भी रुस यूक्रेन को सरेण्डर नही करा सका है और उसका खामियाजा रुस और यूक्रेन के नागरिक तो भुगत ही रहे हैं बल्कि आज सारी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं का निर्यातक देश यूक्रेन आज गेहूं भेजने की स्थिति में है। ऐसे में गेहूं को लेकर दुनिया के देश संकट में घिर गए है।गेहूं ही क्यों इस युद्ध के कारण खनिज तेल का संकट आ गया है तो खाद्य तेल का संकट सबके सामने हैं। दरअसल कहने को यह युद्ध रुस यूक्रेन के बीच हो रहा हो पर इसका प्रभाव ग्लोबल पड़ रहा हैं। हांलाकि यूक्रेन को दुनिया के देशों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है पर यह कोई समस्या का समाधान नहीं है। यूक्रेन में अब तक दुनिया के देशों के 50 से अधिक बड़े नेता जाकर मोरल सपोर्ट दे चुके हैं। वार जोन में फ्रांस के राष्ट्रपति, जर्मनी के चांसलर और इटली के प्रधानमंत्री गए हैं। हांलाकि यह मोरल सपोर्ट ही है पर समस्या का समाधान कहीं दिखाई नहीं दे रहा। 2019 से चले कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। कोरोना के एक के बाद एक आते वेरियंट्स ने बुरी तरह से प्रभावित किया है। लंबे लॉकडाउन के दौर से दुनिया एक तरह से ठहर ही गई। एक समय तो लोग घर में ही बंद होकर रह गए तो आर्थिक गतिविधियों का प्रभावित होना स्वाभाविक है। इतना सबकुछ होने और कोरोना का भय आज भी व्याप्त होने के बावजूद 2021 में दुनिया के देशों ने अर्थ व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास किए और प्रयासों के सार्थक परिणाम भी सामने आए। पर रुस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थ व्यवस्था को दूसरी तरह से प्रभावित कर दिया है। मजे की बात यह है कि भारत ने अवश्य तटस्थ रहकर कुछ प्रयास किए हैं बाकि दुनिया के दिग्गज देशों ने युद्ध के इस संकट को खत्म करने के जिस तरह के प्रयास किए जाने चाहिए थे वे नहीं किये और उसका परिणाम यह रहा कि एक और युद्ध के कारण निरपराध नागरिक शिकार हो रहे हैं तो दूसरी और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से सभी देशों पर प्रभाव पड रहा है। खाद्यान्नों और तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह से प्रभावित होने लगी है।

पीएचडी से अब पीजी डिग्री को गुडबाय

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

शोध की हसरतें रखने वाले युवाओं को यूजीसी- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बड़ा तोहफा दिया है। यूजीसी ने पीएचडी के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। अब यूजी के बाद आप सीधे पीएचडी कर सकेंगे, लेकिन आपको चार साला यूजी की डिग्री लेनी होगी। बशर्ते रिसर्च के आवेदकों की यूजी में 7.5 सीजीपीए होनी चाहिए। उल्लेखनीय है, नई शिक्षा नीति 2020-एनपीई में अंकों को प्रतिशत में मापने की प्रक्रिया को समाप्त करके सीजीपीए में परिवर्तित कर चुकी है। यदि किसी स्टुडेंट्स की सीजीपीए 7.5 से कम है तो छात्र को एक साल का पीजी कोर्स करना होगा। यूजीसी ने पीएचडी की इन लाइडलाइन्स को जारी भी कर दिया है। उम्मीद है, पीएचडी के लिए नए नियम सत्र 2022-23 से लागू हो जाएंगे। अब तक पीएचडी करने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन अनिवार्य था। यदि आप पीएचडी में एडमिशन चाहते थे तो आपके पीजी में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए थे।

रिसर्च में एडमिशन के लिए कौन होंगे पात्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित करते वक्त एमफिल को समाप्त करने की सिफारिश की गई थी। साथ ही चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रावधान किया। इन्हीं के मद्देनज़र यूजीसी ने यह बड़ा बदलाव किया है। पीएचडी के नए नियम आगामी सत्र 2022-23 से लागू किए जा सकते हैं। नए प्रावधानों को लेकर यूजीसी का मानना है, उसका मकसद देश में शोध को बढ़ावा देना है। यूजी पाठ्यक्रमों में 7.5 या उससे ज्यादा सीजीपीए लाने वाले छात्र ही एडमिशन के पात्र होंगे। यदि छात्रों ने 7.5 से कम सीजीपीए प्राप्त किया है तो उन्हें एक वर्षिय मास्टर डिग्री करनी होगी। हालांकि नए नियमों में इस बात का खुलासा नहीं है, क्या ये यूजी छात्र नेट की परीक्षा दे सकेंगे ? अभी तक नेट में पीजी क्वालीफाई स्टुडेंट्स ही बैठ सकते हैं।

एससी/एसटी/दिव्यांग/बीसी को मिलेगी छूट

पीएचडी में सीधे प्रवेश लेने के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को 0.5 ग्रेड अंक की छूट मिलेगी। यूजीसी ने इस संबंध में सभी विश्वद्यिालयों को सूचित कर दिया है। अभी तक यह नियम केवल चार वर्ष का इंजीनियरिंग कोर्स करने वाले स्टुडेंट्स के लिए ही मान्य था। एनपीई के तहत पहली बार बीए/बीएससी/बीकॉम करने वाले स्टुडेंट्स को सीधे पीएचडी में दाखिले का प्रावधान हुआ है। पीएचडी कोर्स की न्यूनतम अवधि न्यूनतम 02 वर्ष और अधिकतम 06 वर्ष तय की गई है। इसमें कोर्स वर्क की समयावधि को शामिल नहीं किया गया है। पीएचडी करने के दौरान महिला अभ्यर्थियों को अधिकतम 240 दिन का मातृत्व अवकाश मिल सकेगा।

साठ फीसदी सीटों पर नेट से होंगे प्रवेश

यूजीसी के मुताबिक 60 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा- नेट के आधार पर होंगे। बाकी 40 फीसदी सीटों पर प्रवेश यूनिवर्सिटी अपनी कॉमन प्रवेश परीक्षा और इंटरव्यू प्रक्रिया के आधार पर ले सकेंगे। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में साल में दो बार कॉमन प्रवेश परीक्षा होती है। यूजीसी के नियमों के मुताबिक सीटें खाली रहने पर विश्वविद्यालय मेरिट के आधार पर किसी भी कैटेगरी के अभ्यर्थी को अवसर दे सकेंगे। उल्लेखनीय है, नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी को कॉमन एंट्रेंस टेस्ट देने की आवश्यकता नहीं होती है। उन्हें सीधे ही प्रवेश दिया जाता है। यूजीसी की विशेष पदों को सृजित करने की भी योजना है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए पीएचडी और नेट की कोई दरकार नहीं होगी। ये पद प्रोफेसर और प्रैक्टिस और एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस हो सकते हैं। यह एक तरह से यूजीसी का पेशेवरों को तोहफा होगा।

उत्तर प्रदेश में अब मात्र पांच हजार में मकान-जमीन करें बच्चों के नाम

अजय कुमार

स्वर्णिम भविष्य बनाने के लिए उसके सामने तमाम क्षेत्रों में रोजगार से लेकर व्यवसाय तक के अवसर खुले होते हैं। फिर आती है घर की जिम्मेदारी उठाने की समय यानी मां-बाप की सेवा करना और अपनी गृहस्थी बनाना।

इस दुनिया में जो आया है, उसे जाना भी है। यह अटल सत्य है। मगर आने और जाने के बीच जीवनकाल के करीब सत्तर वर्ष (आम भारतीय की औसत आयु) काफी महत्वपूर्ण होते है। इन सत्तर वर्षो में इंसान की जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आते हैं। बाल काल और किशोरा अवस्था जब मां-बाप बच्चे का लालन-पालन करते हैं, उन्हें जिंदगी का पाठ पढ़ाते हैं। संस्कार देते हैं, इन्हीं शिक्षाओं के सहारे यह किशोर यौवन काल में घर से बाहर अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू करता है। पढ़ाई-लिखाई करता है और उसके बाद जीवनयापन के लिए तमाम माध्यमों से पैसा कमाता है। स्वर्णिम भविष्य बनाने के लिए उसके सामने तमाम क्षेत्रों में रोजगार से लेकर व्यवसाय तक के अवसर खुले होते हैं। फिर आती है घर की जिम्मेदारी उठाने की समय यानी मां-बाप की सेवा करना और अपनी गृहस्थी बनाना। वैसे भी हिन्दू धर्म में गृहस्थ आश्रम को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। फिर उसे भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा बनना होता है, जिस पर चलकर कभी उसके मां-बाप ने उसे इस योग्य बनाया था कि वह समाज में मान-सम्मान हासिल कर सके। अपने और अपने परिवार का जीवनयापन और अन्य जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर सके। इसके बाद एक समय ऐसा भी आता है जब कोई भी शख्स (मॉ-बाप) अपनी सभी जिम्मेदारियों से निवृत हो जाता है। बच्चे अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्थ हो जाते हैं तो मॉ-बाप को चिंता इस बात की रहती है कि उन्होंने पूरी जिंदगी मेहनत करके जो धन-सम्पदा एकत्र की है उसको बच्चों में कैसे बांटा जाए। किसे स्व अर्जित सम्पति में हिस्सा दिया जाए और किसे नहीं, यह भी उसे तय करना होता है।

अक्सर होता यह है कि मां-बाप अपनी सम्पति का बंटवारा करने की वसीयत कर देते हैं और यह लिख देते हैं कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी सम्पति में उनके बच्चे सम्पति के किस हिस्से के कितने मालिक होंगे, लेकिन वह महंगे स्टाम्प शुल्क के चलते अपनी सम्पति को अपने जीते जी बच्चों के बीच इस लिए बांट नहीं पाते हैं क्योंकि इस पर लगने वाला स्टाम्प शुल्क काफी ज्यादा होता है, जिसको वहन करने के हालात में मॉ-बाप नहीं रहते हैं। अक्सर बच्चे भी इस स्थिति में नहीं होते हैं कि वह स्टांप शुल्क अदा कर पाए। इस लिए कई बार सम्पति का बंटवारा वसीयत में सिमट कर रह जाता है और मां-बाप की मौत के बाद यह वसीयत विवाद का कारण भी बन जाती है।

इसी विवाद को खत्म करने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पारिवारिक सदस्यों के मध्य अचल सम्पति के बंटवारे के लिए स्टाम्प शुल्क लाखों रूपए से कम करके मात्र पांच हजार रूपए कर दिया है। उत्तर प्रदेश स्टाम्प पंजीयन विभाग के स्वतंत्र प्रभार के मंत्री रविन्द्र जायसवाल कहते हैं कि यूपी देश का पहला राज्य है जहां पिता द्वारा अपने बेटे, विधवा बहू, बेटी इत्यादि के भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्व अर्जित अचल सम्पति के खून के रिश्तों के बीच बंटवारे के लिए स्टाम्प शुल्क में इतनी कमी की गई है। जायसवाल ने कहा प्रदेशवासियों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए अचल संपत्तियों के पारिवारिक हस्तांतरण को अत्यधिक सुगम बना दिया है। यदि प्रदेश का कोई व्यक्ति अपनी अर्जित संपत्ति अपने रक्त संबंधियों के नाम करना चाहे तो उसे इसके लिए अब अधिकतम सीमा 5000 रुपये कर दी गई है, जबकि इससे पूर्व इसी कार्य के लिए रजिस्ट्री के समान ही शुल्क देना पड़ता था। इस निर्णय से पारिवारिक संपत्तियों के हस्तांतरण में सुविधा होगी और कोई विवाद भी उत्पन्न नहीं होगा। फिलहाल यह व्यवस्था छह: माह के लिए की गई है, बाद में इसकी समीक्षा करने के बाद इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के स्टाम्प मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने कहा यह फैसला उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रेरणा लेकर किया है। क्योंकि योगी जी हमेशा जनहित की बात करते हैं। वर्तमान में पिता द्वारा अपने माता, पिता, पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, पुत्रवधू, दामाद, सगा भाई, सगी बहन, पुत्र तथा पुत्री के पुत्र, पुत्रियां को अपनी स्व: अर्जित अचल संपत्ति हस्तांतरित करनी हो तो वह उसे अधिकतम 5000 रुपये का शुल्क देकर आसानी से अपने बच्चों को दे सकते है। ज्ञातव्य हो, अब तक अर्जित संपत्ति को परिजनों को दान करने पर संपत्ति को बेचने पर लगने वाले शुल्क के बराबर राशि जमा करनी पड़ती थी। अभी तक इस भारी भरकम शुल्क के कारण राज्यवासियों को रक्त संबंधों में अचल संपत्ति दान करने में कठिनाई होती थी। इसके विकल्प के रूप में लोग वसीयत का सहारा लेते थे। यह वसीयत बड़े पारिवारिक विवादों का कारण बनती थी तथा भूमि अनुपयोगी पड़ी रहती थी। जायसवाल ने बताया कि प्रारंभ में यह छूट केवल 06 माह के लिए दी जाएगी, उसके बाद समीक्षा करके इसकी अवधि को बढ़ाया जा सकता है। अचल संपत्ति के दान विलेख पर दी गई इस छूट से भूमि की उपयोगिता को बढ़ाया जा सकेगा तथा अदालतों में दायर होने वाले संबंधित मुकदमों में भी भारी कमी आएगी। उक्त निर्णय को लेकर कहा जा रहा है कि योगी सरकार एक तरफ एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर है तो दूसरी ओर वहीं सामाजिक सरोकार की मिसाल बनाते हुए उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख राजस्व प्राप्ति विभाग अपने राजस्व प्राप्ति के स्त्रोतों में कटौती का प्रस्ताव भी स्वत: उपलब्ध करा रहा है। यह छूट मोदी-योगी सरकार के नीतिगत फैसले लेने के सामर्थ्य और सबका साथ,सबका विकास के मंत्र को चरितार्थ करता है। उत्तर प्रदेश स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग ने प्रथम श्रेणी के रक्त संबंधों जैसे पिता, माता, पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, पुत्र वधू दामाद, सगा भाई, सगी बहन, पुत्र/पुत्री/पुत्री का पुत्र/पुत्री के मध्य सम्पति हस्तांतरण पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क को घटाकर मात्र पांच हजार कर दिया है, जो योगी सरकार का एक बड़ा फैसला माना जा सकता है। इससे सम्पति को लेकर सामाजिक सौहार्द भी खराब नहीं होगा और लड़ाई-झगड़े की नौबत भी नहीं आएगी। खैर, बात स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग के मंत्री रविन्द्र जायसवाल के इस साहसिक फैसले की कि जाए तो इसको लेकर लोग यह भी कह रहे हैं कि इससे राजकोषीय घटा बढ़ेगा,लेकिन स्टाम्प मंत्री सामाजिक सौहार्द के लिए इस घाटे को काफी कम करके आकते हैं। वह कहते हैं कि हम जनता से जुड़े निर्णय लेते हैं। गौरतलब हो जायसवाल योगी सरकार के ऐसे एक मात्र मंत्री हैं जो वेतन के रूप में मात्र एक रूपया लेते हैं। सरकारी सुविधाओं से भी उन्होंने किनारा कर रखा है।

खफा अरब, क्यों भारत के लिए खास आसियान

आर.के. सिन्हा

राजधानी के दिल लुटियन दिल्ली के तुगलक क्रिसेंट में बना सुंदर भारत-आसियान मैत्री पार्क गवाही है कि भारत आसियान देशों से अपने संबंधों को खास अहमियत देता है। इसका उदघाटन तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सन 2018 में किया था। राजधानी में बीते दिनों आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की भारत ने मेजबानी की। इसमें भारत-आसियान देशों के आपसी संबंधों पर चर्चा हुई। महत्वपूर्ण ये भी है कि ये सम्मेलन तब हुआ जब दुनिया के कई इस्लामिक देशों ने नुपुर शर्मा की हजरत मोहम्मद पर की गई ओछी टिप्पणी पर अपना विरोध जताया था। इनमें इंडोनेशिया और मलेशिया भी हैं। ये आसियान के सदस्य होने के साथ-साथ इस्लामिक देश भी हैं।

आगे बढ़ने से पहले बता दें किआसियान दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन है। इसका मकसद है आपस में आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देना। इसके सदस्य देश हैं- ब्रुनेई, बर्मा (म्यांमार), कंबोडिया, तिमोर-लेस्ते, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम।

चालू साल 2022 को 'भारत-आसियान मैत्री वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और व्यापक हिंद-प्रशांत विजन के लिए भारत के विजन में आसियान की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते रहे हैं।

कोविड-19 का असर जब अपने चरम पर था तब भारत ने म्यांमार के लिए आसियान की मानवीय पहल के लिए दो लाख अमेरिकी डॉलर और आसियान के कोविड-19 रिस्पांस फंड के लिए दस लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य की चिकित्सा सामग्री का योगदान दिया था। इसके चलते आसियान भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखता है। भारत और आसियान के बीच व्यापक एवं बहुआयामी संबंध हैं और आगामी भारत-आसियान सम्मेलन में उच्चतम स्तर पर भारत-आसियान सामरिक साझेदारी के भविष्य को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगा।

भारत-आसियान साझेदारी भले ही कोई बहुत पुरानी ना हो हो, लेकिन दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के रिश्ते दो सहस्राब्दियों से भी अधिक पुराने हैं। शांति एवं मित्रता, धर्म व संस्कृति, कला एवं वाणिज्य, भाषा और साहित्य के क्षेत्रों में अत्यंत प्रगाढ़ हो चुके ये चिरस्थायी रिश्ते अब भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया की शानदार विविधता के हर पहलू में मौजूद हैं।

भारत ने 1991 के बाद व्यापक बदलावों के साथ दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। तब ही से भारत की विदेश नीति में आसियान बेहद खास हो गया। भारत की आसियान को लेकर 'लुक ईस्ट' नीति एवं 'एक्ट ईस्ट' नीति ऊंची कारोबारी छलांग लगाने में अत्यंत मददगार साबित होते रहे हैं।

दुर्दशा

समीर उपाध्याय 'ललित'

अंधियारी कालरात्रि में कामान्ध असत्य सूनसान सड़क पर ताक लगा कर बैठा था। इतने में सत्य वहां से गुजरता हुआ दिखाई दिया। असत्य ने उसका रास्ता रोक लिया और पूछा- क्या मेरी कामना-पूर्ति करोगे ? मुंह मांगी रकम दूंगा।

सत्य- हरगिज़ नहीं।

असत्य- अगर मेरा कहा नहीं माना तो मुझे जबरदस्ती करनी पड़ेगी। कैसे बच पाओगे मुझसे ?

सत्य- मेरा रास्ता छोड़ो और मुझे आगे जाने दो।

असत्य- चुपचाप अपने आप को मेरे हवाले कर दो। तुम्हारे पास बचने का कोई रास्ता नहीं है।

सत्य- मेरे पास सत्य का शस्त्र है।

असत्य- आज़ के युग में इसकी कोई अहमियत नहीं।

सत्य-मैं कहता हूं मेरा रास्ता छोड़ो। वरना...।

असत्य- वरना क्या ? सत्य का शस्त्र उठाओगे ?

सत्य- हां, सत्य का शस्त्र।

असत्य- तो उठाओ शस्त्र। देखता हूं कैसे बच पाते हो मुझसे। आज़ मैं अपनी कामना-पूर्ति कर के ही रहूंगा।

सत्य बेचारा लाचार और विवश था। भागने के सिवा उसके पास कोई चारा नहीं था। इतने में असत्य ने अपनी पाशविक शक्ति से उसे नीचे गिरा दिया। उसे खूब पीटा और वस्त्र हरण कर बेरहमी से बलात्कार किया। इतना ही नहीं खुद के वस्त्र उतारकर सत्य के वस्त्र पहनकर वहां से चल दिया। वह अट्टहास करता हुआ चला गया । सत्य बेचारा नग्न अवस्था में सड़क के बीचों बीच पड़ा कराहता रहा। सत्य मन ही मन बोला- हे ईश्वर ! न्याय और नीति के पथ पर चलने का यही फ़ल चखाना था ? क्या मुंह दिखाऊंगा लोगों को ? इससे अच्छा तो यह होता की मौत आ जाती। इतने में एक चिर-परिचित आदमी वहां से गुजरा। सत्य की दुर्दशा देखकर बोला- अरे ! तुम्हारा ये हाल ? कैसा युग आया है ?

सत्य ने आक्रोश भरे स्वर में कहा- कलयुग है ये। यह तो ट्रेलर है। अभी आगे अचंभित कर देने वाला बहुत कुछ देखने को मिलेगा। सत्य पागल की तरह हंसने लगा और जोर-जोर से चिल्लाया- सत्यमेव जयते। चिर परीचित आदमी वहीं पर खड़ा-खड़ा गहरी सोच में पड़ गया। सत्यमेव जयते सूत्र की निरर्थकता ने उसे भीतर से झकझोर दिया।

चिंता का सबब बनते निरन्तर होते बोरवेल हादसे

- योगेश कुमार गोयल

10 जून को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में 80 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 11 साल के राहुल को आखिरकार 104 घंटे के अब तक के सबसे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। उल्लेखनीय है कि राहुल 80 फीट की गहराई वाले बोरवेल में गिरकर 65 फीट की गहराई पर फंस गया था, जिसे निकालने के लिए सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य, बिजली विभाग सहित कुल 500 लोगों की टीम जुटी थी। रेस्क्यू के पहले दिन 10 जून की रात को राहुल को मैनुअल क्रेन के माध्यम से रस्सी से बाहर लाने की कोशिश की गई लेकिन बोरवेल के भीतर से बच्चे द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने पर अलग-अलग मशीनों से खुदाई प्रारंभ की गई और करीब 60 फीट की खुदाई के बाद पहले रास्ता तैयार किया गया। बच्चे को निकालने के लिए बोर के समानांतर गड्ढा खोदकर 20 फीट सुरंग बनाकर बच्चे का रेस्क्यू किया गया। सुरंग बनाने के काम में पत्थर की वजह से रेस्क्यू टीम को भारी मशक्कत करनी पड़ी और रेस्क्यू ऑपरेशन 104 घंटे तक चला। अभी चंद दिनों पहले 22 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में भी बोरवेल हादसा हुआ था, जिसमें एक छह वर्षीय बच्चा ऋतिक 300 फीट गहरे बोरवेल में करीब 95 फुट नीचे फंसकर मौत की नींद सो गया था। हालांकि सेना और एनडीआरएफ की टीम ने आठ घंटे के बचाव अभियान के बाद उसे बोरवेल से बाहर तो निकाल लिया था लेकिन अस्पताल पहुंचाने से घंटे भर पहले ही बच्चे की मौत हो गई थी।

विगत कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें इन बोरवेलों ने कई मासूम बच्चों को जिंदा निगल लिया। हालांकि ऐसे हादसों में कड़ी मशक्कत के बाद कुछ बच्चों को बचा भी लिया जाता है लेकिन अधिसंख्य मामलों में बच्चे बोरवेल के भीतर दम घुटने से मौत की नींद सो जाते हैं। विड़म्बना है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होते नहीं दिखते। पिछले कुछ वर्षों से बोरवेल हादसों को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के प्रयासों के बावजूद ऐसे हादसे निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि लोग बार-बार होते इस तरह के हृदयविदारक हादसों से सबक ही नहीं सीखना चाहते। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी हैं कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी प्रकार दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा ? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं।

ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं। कई साल पहले हुए प्रिंस हादसे के बाद से लेकर अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विड़म्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। विड़म्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवनभर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेलों की संख्या, अनुपयोगी बोरवेलों की संख्या तथा उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर का कोई डाटाबेस मौजूद नहीं है।

बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम., ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढ़क्कन से ढ़कना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद अगर कोई गड्ढ़ा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है।

ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्राय: होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढ़ों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढ़ांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है, जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो। देश में ऐसी स्वचालित तकनीकों की भी व्यवस्था करनी होगी, जो ऐसी विकट परिस्थितियों में तुरंत राहत प्रदान करने में सक्षम हों।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

शार्ट न्यूज

अयोध्या में साकेत महाविद्यालय के 4 शिक्षकों को चपरासी ने पानी के साथ पिला दिया एसिड

अयोध्या। अयोध्या में साकेत महाविद्यालय के चार प्राध्यापकों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने पानी में एसिड मिला कर पिला दिया। इससे तीनों प्राध्यापकों की तबीयत बिगड़ गई। इनका प्रारम्भिक इलाज श्रीराम अस्पताल में करने के बाद मेडिकल कॉलेज में जांच की गई। जांच में एसिड से शरीर के अंदरूनी हिस्से में प्रभाव पड़ने की पुष्टि हुई है। साकेत महाविद्यालय के विधि विभागाध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार राय के साथ तीन अन्य प्राध्यापक डॉ. सुधीर राय, डॉ. जन्मेजय तिवारी और डॉ. मेहंदी प्राचार्य कक्ष में बैठे थे। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य अपने कक्ष में मौजूद नहीं थे। तेज गर्मी से परेशान सभी प्राध्यापकों ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से पानी मंगवाया। जैसे ही इन प्राध्यापकों ने पानी की कुछ घूंट पी तो बेहद अजीब स्वाद लगा। इस बीच कुछ घूंट अंदर चले गए। इनमें से डॉ. अशोक राय की तबियत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें पहले श्रीराम अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद इलाज के लिए राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज लाया गया। मेडिकल कॉलेज में सभी प्राध्यापकों की इण्डोस्कोपी जांच हुई। जांच में शरीर के अंदरूनी हिस्से में एसिड अटैक होने की पुष्टि हुई है। इस बारे में जब कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अभय कुमार सिंह ने कहा कि हो सकता है एसिड नहीं कोई अन्य पदार्थ मानवीय चूक के चलते चपरासी ने दे दिया हो। आरोपी कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस दी गई है। अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है।

गोंडा : बीडीसी सदस्य के घर के बाथरूम में निकला अजगर, मचा हड़कंप

गोंडा। गोंडा के जिले में इटियाथोक क्षेत्र पंचायत सदस्य नज़ीर अहमद के घर में बने बाथरूम में गुरुवार की देर रात अजगर का बच्चा दिखाई पड़ा। अजगर के बच्चे के निकलने की सूचना से पूरे मुहल्ले में हड़कंप मच गया। नज़ीर अहमद के परिवार के लोगों ने किसी तरह अजगर के बच्चे को बाल्टी में कैद किया। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक करुणाकर पाण्डेय ने अजगर निकलने की सूचना कुआनो स्थित वन विभाग के रेंजर को दी। रेंजर बकाउल्लाह खान ने वन विभाग की टीम को भेजकर अजगर के बच्चे को वन विभाग ने अपने सुपुर्द कर कुआनों रेंज ले आई। रेंजर ने बताया वन विभाग टीम द्वारा घर के आसपास और बगल स्थिति तालाब में सर्च अभियान चलाया जाएगा।

अग्निपथ बवाल: काशी विद्यापीठ की परीक्षाएं स्थगित, नई डेट भी जारी

वाराणसी। सेना भर्ती की नई योजना अग्निपथ को लेकर बवाल का दायरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। शुक्रवार को वाराणसी में भी उपद्रव शुरू हो गया। काशी विद्यापीठ से कुछ दूरी पर ही लूटपाट और तोड़फोड़ हुई। इसे देखते हुए काशी विद्यापीठ ने शाम 3 बजे से होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी। विद्यापीठ में तीसरी पाली में बीए मास कॉम, बीएससी की परीक्षाएं होनी थी। परीक्षा नियंत्रक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि यह परीक्षाएं अब 26 जून को कराई जाएगी। आज बीए आनर्स मास कम्यूनिकेशन द्वितीय खंड पष्ठम प्रश्नपत्र, बीए द्वितीय वर्ष समाजकार्य द्वितीय प्रश्नपत्र, बीएससी तृतीय वर्ष कम्प्यूटर विज्ञान द्वितीय प्रश्नपत्र, बीएससी द्वितीय वर्ष कम्प्यूटर विज्ञान द्वितीय प्रश्नपत्र की परीक्षाएं होनी थीं। अब सभी परीक्षाएं 26 जून को दोपहर तीन बजे से 4.30 तक होंगी।

लखनऊ पीजीआई में बिजली गुल, ओपीडी पंजीकरण ठप

लखनऊ। लखनऊ पीजीआई में शुक्रवार को सुबह बिजली गुल हो गई। इसकी वजह से पंजीकरण काम ठप हो गया। काउंटर के सामने लंबी-लंबी कतारें लग गई। रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों को जद्दोजहद करनी पड़ी। सुबह सवा नौ बजे पीजीआई में बिजली गुल हो गई। 11.20 बजे तक बिजली नहीं आई है। मरीज पंजीकरण के लिए परेशान हैं। सुबह चार बजे से कतार में खड़े मरीज बेहाल है। नाराज मरीज-तीमारदार ने अधिकारियों से शिकायत की। इसके बावजूद अभी तक समस्या का हल नहीं हुआ है। बड़ी संख्या में मरीज रिपोर्ट के लिए भी भटकते रहे। पंजीकरण ना होने से भीड़ खचाखच हॉल में भर गई। इससे वहां उमस व अफरातफरी का माहौल बन गया।

पूंजीपतियों के विदेश में जमा धन को लेकर मायावती ने कसा तंज

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने देश के पूंजीपतियों की अकूत दौलत स्विस बैंकों में जमा होने का रिकार्ड स्तर छूने पर तंज कसते हुए सरकार की मंशा को सवालों के घेरे में खड़ा किया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पूंजीपतियों के विदेशों में जमा काले धन पर तंज कसते हुए देश में विपक्ष के नेताओं पर केन्द्रीय एजेंसियों की छापेमारी की ओर इशारा किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, भारतीय पूंजीपतियों व धन्नासेठों की स्विटजरलैण्ड के बैंकों में जमा धन 14 वर्ष के रिकार्ड स्तर पर 3.83 बिलियन फ्रैंक पहुँचने की खबर चर्चाओं में है, जिस पर गरीबी, महंगाई व बेरोजगारी आदि के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहे देश के लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि वे कैसे खुश हों? गौरतलब है कि स्विस बैंकों में जमा धन के बारे में जारी रिपोर्ट के हवाले से मायावती ने सरकार की मंशा को सवालों के घेरे में खड़ा किया है। रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि भारत के पूंजीपतियों का स्विस बैंकों में जमा धन पिछले 14 सालों के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है।

मेरठ-दिल्ली के सफर में बने 2 नए यूटर्न

मेरठ। मेरठ से दिल्ली आने-जाने के लिए अब वाहनों को दो नए यू-टर्न से होकर गुजरना पड़ेगा। दिल्ली-मेरठ के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर निर्माण का काम चलने के कारण यहां रूट में कुछ बदलाव किया गया है। लोगों को जाम से बचाने और सुगम यातायात देने के लिए इस रूट पर नए यू-टर्न और रोड क्रॉसिंग बोलार्ड तैयार हो चुके हैं। अब वाहनों को इन्हीं से होकर जाना पड़ेगा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर मोदी नगर के सौंदा रोड क्रॉसिंग के पास 2 नए यू-टर्न बनाए गए हैं। इन दोनों यू-टर्न को लूप में डिजाइन किया गया है। ताकि दिल्ली-मेरठ आने जाने वालों को सौंदा रोड पर जाने में जाम न झेलना पड़े। ये दोनों यू-टर्न खोल दिये गए हैं। जिला प्रशासन ने जनता को परेशानी से बचाने के लिए ये यूटर्न बनाए हैं। सौंदा रोड की ओर से दिल्ली की ओर जाने वाले यातायात को मुख्य मार्ग पर आने के बाद मेरठ की ओर थोड़ा चलना होगा, उसके बाद यू-टर्न लेकर दिल्ली की ओर मुड़ना होगा। इसी तरह मेरठ की ओर से सौंदा रोड पर जाने वाले यातायात को सौंदा रोड से थोड़ा आगे जाकर यू-टर्न लेना होगा, जिसकी मदद से वाहन दिल्ली से मेरठ की दिशा में मुड़ जाएंगे और फिर बाईं ओर सौंदा रोड पर जा सकेंगे। दिल्ली-मेरठ रोड पर ही गुरुद्वारा रोड क्रॉसिंग भी मोदी नगर में जाम का कारण बनता है और इस क्रॉसिंग को भी स्थानांतरित करके लूप में 2 नए यू-टर्न बनाए जा रहे हैं। मोदी नगर में गुरुद्वारा रोड और सौंदा रोड, दिल्ली से मेरठ की दिशा में जाते हुए बाईं ओर आते हैं। इसके लिए बैरिकेडिंग हो चुकी है। जल्द ही बैरिकेडिंग हटाकर यूटर्न शुरू किया जाएगा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर मोदी नगर के राज चौपला इलाके में पैदल यात्रियों के लिए बनाए गए दो सड़क क्रॉसिंग पर बोलार्ड यानी वाहन रोधक लगाए हैं। यहां लोहे के पाइप के बोलार्ड लगने से यात्रियों के लिए सड़क पार करना और सुरक्षित हो गया है। इससे पहले इन क्रॉसिंग में कंक्रीट के स्लैब लगाए हुए थे, जिनकी वजह से क्रॉसिंग का रास्ता थोड़ा संकरा हो गया था। अब यहां लोग बिना परेशानी के सड़क पार कर सकेंगे। इन दोनों क्रॉसिंग के अंदर साइट वाले स्पेस को भी बेरिकेडिंग की मदद से कवर कर दिया गया है, ताकि लोग धूल-मिट्टी से भी बच सकें। यहां पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए मार्शल भी तैनात रहते हैं।

अग्निपथ योजना के खिलाफ मथुरा में भी प्रदर्शन, यमुना एक्सप्रेस वे पर पथराव के बाद लाठीचार्ज और फायरिंग

एजेंसी

मथुरा। अग्निपथ योजना के खिलाफ उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में जबर्दस्त तनाव का माहौल है। मथुरा और गौतमबुद्ध नगर में बड़ी संख्या में युवा अग्निपथ योजना का विरोध करते हुए सड़कों पर निकल आए।

प्रदर्शनकारियों ने गौतम बुद्ध नगर और जेवर में यमुना एक्सप्रेस वे को जाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आम जनता की गाड़ियों को भी नहीं बक्शा। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर चल रही लोगों की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया। इसकी वजह से राहगीरों में दहशत फैल गई। लोग गाड़ी छोड़ अपने बच्चों को लेकर सड़कों पर भागते नजर आए।

हालांकि बाद में पुलिस ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग भी की जिसकी वीडियो वायरल हो रही है। यमुना एक्सप्रेस वे पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को हाईवे से हटाने की कोशिश कर रही है। दरअसल सरकार ने सेना में भर्ती के लिए नई योजना शुरू की है जिसे अग्निपथ योजना नाम दिया गया है। इस योजना के तहत सिर्फ चार साल के लिए सेना में भर्ती होगी। इसके अलावा ग्रेज्युटी और पेंशन की सुविधा भी जवानों को नहीं मिलेगी। इसी बात को लेकर युवाओं में रोष है। युवाओं का कहना है कि चार साल बाद उनके भविष्य का क्या होगा इस बात को लेकर सरकार की कोई योजना नहीं है।

अग्निपथ बवाल: बलिया में तोड़फोड़ और आगजनी, 100 से ज्यादा गिरफ्तार, धारा 151 में चालान

बलिया। अग्निपथ योजना को लेकर बलिया में शुक्रवार की सुबह युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान स्टेशन से लेकर बस अड्डे तक तोड़फोड़ और हंगामा हुआ। वाशिंग पिट में खड़ी ट्रेन की एक बोगी को भी आग लगी दी गई। युवकों और पुलिस के बीच सीधी झड़प भी हुई। पुलिस ने 100 से ज्यादा युवकों को गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा 151 में चालान किया है। गुरुवार को बिहार में हुआ उग्र प्रदर्शन पड़ोसी जिले बलिया में शुक्रवार की सुबह ही पहुंच गया। युवाओं की भीड़ ने रेलवे स्टेशन पर खड़ी बलिया-वाराणसी मेमू, बलिया शाहगंज सवारी गाड़ी व सियालदह एक्सप्रेस में तोड़फोड़ की। वाशिंग पिट पर खड़ी ट्रेन की खाली बोगियों में आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद पहुंचे पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर ने स्वयं आग बुझाने का नेतृत्व किया। पुलिस के जवानों ने अन्य बोगियों को अलग किया और जैसे-तैसे आग पर काबू पाया। अलसुबह से ही जनपद मुख्यालय पर आंदोलनकारियों व जिला प्रशासन के मध्य गुरिल्ला युद्ध की स्थिति बनी रही। सोशल मीडिया के माध्यम से आह्वान के बाद तड़के ही युवा वीर लोरिक स्पोर्टस स्टेडियम में एकत्रित होने लगे। देखते ही देखते स्टेडियम में सैकड़ों की संख्या में भीड़ जमा हो गई। जिला प्रशासन का सभी को समझाने-बुझाने का प्रयास उस समय विफल हो गया जब लगभग दो सौ से अधिक की संख्या में उपद्रवी हाथों में लाठी-डंडे लिए स्टेडियम में घुस गये और वहां पहले से मौजूद आंदोलनकारियों को साथ लेकर सड़क पर उतर आए। स्टेडियम से रेलवे स्टेशन की तरफ बढ़ रही? भीड़ ने सड़क किनारे खड़ी एक निजी विद्यालय की तीन बसों को नुकसान पहुंचाया।

उसके बाद उपद्रवी स्टेशन पर पहुंचे और स्टेशन? परिसर से लेकर वाशिंगपिट तक जमकर तोड़फोड़ की व तांडव मचाया।

ग्रेटर नोएडा में इन 24 बिल्डर्स की 153 संपत्तियों की होगी ई-नीलामी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में स्थित बकाया नहीं चुकाने वाले 24 बिल्डर की 153 संपत्तियों की ई-नीलामी जिला प्रशासन जल्द करवाएगा। जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि गुरुवार को तहसील दादरी व तहसील सदर की तरफ से नई सूची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सौंपी गई है।

चौहान ने कहा कि इसमें शामिल संपत्ति का प्राधिकरण मूल्यांकन कराएगा। इसके बाद वेबसाइट पर अपलोड कर ई-नीलामी में आवेदन मांगे जाएंगे। आवेदन आने के बाद ई-नीलामी होगी। इन बिल्डर पर 100 करोड़ की आरसी बकाया है।

यह प्रक्रिया एक सप्ताह में शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि 24 बिल्डर की 153 संपत्तियों को पहले चरण में शामिल किया गया है। सबसे अधिक कॉसमॉस बिल्डर की 47, गायत्री हॉस्पिटेलिटी की 29 संपत्तियां है।

चौहान ने कहा कि एलीगेंट इंफ्राकॉन की तीन, इको ग्रीन बिल्टेक की दो, सुपर सिटी डेवलपर्स की तीन, रेडिकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड हाउसिंग की चार, न्यूटेक प्रोमोटर एंड डेवलपर्स की दो, गायत्री हॉस्पिटेलिटी एंड रियलकॉन की 29, महागुन इंडिया की चार, मोर्फियस डेवलपर्स की छह, बुलंद रियलटर्स की पांच, इम्पीरिया स्ट्रक्चर्स की एक की संपत्ति को नीलाम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि रूद्र बिल्डवेल इंफ्रा की चार, होम एंड सोल इंफ्राटेक की नौ, केलटेक इंफ्रास्ट्रक्चर की सात, कॉसमॉस इंफ्रा एस्टेट की 47, जेएसएस बिल्डकॉन की आठ, रुद्र बिल्डवेल होम्स की चार, हैवीटेक इंफ्रास्ट्रक्चर, एसेंट बिल्डटेक और हैवे इंफ्रास्ट्रक्चर की एक-एक संपत्ति को ई-नीलाम किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की तरफ से कई बिल्डर के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के पास करीब 600 करोड़ की आरसी लंबित हैं।

प्रशासन पैसा नहीं देने पर इन बिल्डर की संपत्ति को कुर्क कर रहा है। अभी तक करीब 400 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया जा चुका है। शासन से ई-नीलामी कराने का आदेश लागू होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की थी।

चित्रकूट में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई जुम्मे की नमाज

चित्रकूट। चित्रकूट शुक्रवार को जिले में जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा के बीच अदा की गई। प्रशासन व पुलिस ने जुमे की नमाज को लेकर पहले से ही तैयारी की थी। ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। करीब तीन घंटे तक अधिकारी भ्रमणशील रहे।कानपुर में हुई घटना के बाद अधिकारियों ने सबक लिया। जिले में शुक्रवार को पुलिस ने कस्बों व बाजारों में पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। एसपी के नेतृत्व में पुलिस लाइन में अधिकारियों को कर्मचारियों की ब्रीफिंग की गई। कड़ी चौकसी के बीच जुमे की नमाज पढ़ी गई। शहर में लगभग सभी स्थानों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र में जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे। धार्मिक स्थलों के आसपास सादी वर्दी में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। दिन में 12 बजे से शाम तीन बजे तक लगातार पुलिस और प्रशासन के अधिकारी नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के धार्मिक स्थलों के आसपास भ्रमण करते रहे।

मुरादाबाद में शांतिपूर्ण ढंग से हुई जुमे की नमाज

मुरादाबाद। मुरादाबाद में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कड़े पहरे में जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। इस बीच नायब शहर इमाम ने कहा, हमारी दुआ है कि देश में हर तरफ अमन चैन कायम रहे। जो लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेंगे उनके लिए कानून है। हम चाहते हैं कि ऐसे तत्वों की प्रशासन कड़ी निगरानी करे। नायब शहर इमाम मुफ्ती फहद ने कहा कि, देश के अमन को इस समय सबसे बड़ा खतरा TV पर होने वाली डिबेट से है। उन्होंने कहा कि यहां से नफरत फैलती है और माहौल खराब होता है। आए दिन कोई न कोई नेता डिबेट में कुछ ऐसा बोल देता है कि जिससे बखेड़ा खड़ा होता है। इसलिए सरकार को इन टीवी डिबेट्स पर तुरंत रोक लगा देना चाहिए। पिछले जुमे को नमाज के बाद मुरादाबाद में हुए उपद्रव को देखते हुए इस बार प्रशासन पहले से अधिक सतर्क था। जामा मस्जिद इलाके में भारी तादाद में पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया था। पूरे इलाके में सड़क से लेकर छतों तक पुलिस कर्मियों की ड्यूटियां थीं। इसके अतिरिक्त ड्रोन से भी पूरे इलाके में निगरानी की जा रही थी। पूरे शहर को सेक्टरों में बांटकर मजिस्ट्रेट और सीओ तैनात किए गए थे। पुलिस की मोबाइल पार्टियां भी गठित की गई थीं। ताकि किसी भी अप्रिय घटना के होने पर पुलिस तुरंत एक्शन में आ सके। ADM सिटी आलोक वर्मा और स्क्सिटी अखिलेश भदौरिया सुबह से ही इस इलाके में कैंप कर रहे थे। नमाज के दौरान दोनों अधिकारी जामा मस्जिद चौराहे पर ही डटे रहे।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को एमएसएमई से जोड़े, मिलेगा रोजगार

कानपुर। केंद्रीय ग्रामीण एवं पंचायती राजमंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को फजलगंज स्थित एम एस एम ई टूल रूम का निरीक्षण किया उन्होंने एमएसएमई के जरिए युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार से जोड़ने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री सुबह लगभग 10:30 बजे एमएसएमई टूल रूम पहुंचे। यहां उन्होंने रोजगार परक योजनाओं के बारे में जानकारी ली।अधिकारियों ने बताया कि यहां पर गोबर से पेंट बनाने का भी युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्टार्टअप के लिए काम किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को एमएसएमई का लाभ दिलाएं।

इस मौके पर सांसद सत्यदेव पचौरी व एमएलसी विजय बहादुर पाठक मौजूद रहे। अग्निपथ योजना के विरोध में हो रहे प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ये राजनीतिक दलों के लोगों ने विद्यार्थियों को ढाल बनाकर राष्ट्रीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है।

मैंने तो कह दिया है कि वहां(बिहार) RJD के गुंडे दंगे करवा रहे हैं। अग्निपथ में युवाओं को बेहतर रोजगार देने की व्यवस्था है। अगर हम आर्मी में 4 में से 1 को लेंगे तो अन्य 3 लोग अगले 4 साल में नौकरी के लिए पूरी तरह से तैयार होंगे। मैं राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि दंगों में गैर-विधार्थी लोगों की पहचान करें।

उन्होंने कहा कि जिस सेंटर में सौ करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है उसकी अभी तक शुरुआत न होना गंभीर बात है। अफसरों को हिदायत दी कि इसके लिए काम करना होगा। टूल रूम सेंटर के लिए ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट तैयारी कर उसका जल्द से जल्द क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री बोले जल्द से जल्द उद्यमियों के साथ बैठक होनी चाहिए। उनके सुझाव लेकर बदलाव और क्रियान्वयन पर काम करें। उधमियों की स्किल्ड मैनपावर की जरूरत का ध्यान रखा जाए। केंद्रीय मंत्री ने अफसरों से कुल औद्योगिक इकाइयाँ कितनी हैं, कितने पाठ्यक्रम संचालित हैं आदि कई जानकारियां ली। उन्होंने 22-23 जून के बीच उद्यमियों के साथ बैठक करने और उनकी मांग के अनुरूप काम शुरू करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद सत्यदेव पचौरी, एमएलसी विजय बहादुर पाठक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्निपथ योजना में अभ्यर्थियों की उम्र सीमा बढ़ाना स्वागतयोग्य : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेना में युवाओं को भर्ती के लिये प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के मकसद से केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गयी अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की अधिकतम उम्र सीमा को बढ़ाने के सरकार के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया है।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार ने विभिन्न राज्यों में इस योजना के विरोध में उठे स्वर को देखते हुए भर्ती की अधिकतम सीमा को दो साल बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया है। योगी ने कहा कि सरकार के इस फैसले से असंख्य युवाओं में उम्मीद और उत्साह का संचार होगा।

योगी ने ट्वीट कर कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में %अग्निपथ योजना-2022% के लिए अधिकतम प्रवेश आयु को 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष करने का निर्णय अभिनंदनीय है। असंख्य युवाओं में आशा व उत्साह का संचार करती इस सौगात हेतु आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।

गौरतलब है कि योगी सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले 'अग्निवीरों' को उप्र पुलिस एवं अन्य संबद्ध सेवाओं की भर्ती में प्राथमिकता दी जायेगी। योगी सरकार ने युवाओं से अपील की है कि वे दूसरों के बहकावे आकर इस योजना का विरोध न करें।

इससे पहले गुरुवार को भी योगी ने युवाओं से अपील की थी, युवा साथियो, 'अग्निपथ योजना' आपके जीवन को नए आयाम प्रदान करने के साथ ही भविष्य को स्वर्णिम आधार देगी।

आप किसी बहकावे में न आएं। माँ भारती की सेवा हेतु संकल्पित हमारे अग्निवीर राष्ट्र की अमूल्य निधि होंगे व उप्र सरकार अग्निवीरों को पुलिस व अन्य सेवाओं में वरीयता देगी। जय हिंद।

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा था, माँ भारती की सेवा के उपरांत अग्निवीरों को @UPGovt प्रदेश पुलिस एवं संबंधित अन्य सेवाओं में प्राथमिकता प्रदान करेगी। युवाओं के उन्नयन एवं उनके सुरक्षित भविष्य के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार सतत समर्पित व पूर्णत: प्रतिबद्ध है। जय हिंद।

योगी ने कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश की सुरक्षा के सुदृढ़ीकरण व युवाओं को मिलिट्री सर्विस का सुअवसर प्रदान करने हेतु अग्निपथ योजना शुरू करने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है। माँ भारती की सेवा को उत्सुक देश के असंख्य युवाओं की ओर से आभार प्रधानमंत्री जी।

आगरा में शांतिपूर्वक संपन्न हुई जुमे की नमाज

आगरा। पिछले दो बार से जुमे की नमाज पर प्रदेश के कई जिलों में हुए उपद्रव को लेकर आगरा का पुलिस प्रशासन बेहद चौकन्ना रहा। जुमे की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। इससे पहले मुस्लिम बाहुल्य और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सुबह छह बजे से फोर्स तैनात कर दिया गया था। सेक्टर स्कीम लागू कर दी गई है। इसके अलावा ड्रोन से भी नजर रखी जाएगी। जुमे की नमाज को लेकर आगरा में पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सभी मजिस्दों के बाहर सुबह से पुलिस फोर्स तैनात रहा। दोपहर को आगरा की जामा मस्जिद पर शांतिपूर्वक नमाज संपन्न हुई। सुबह से यहां पर पुलिस फोर्स तैनात था। एसएसपी सुधीर कुमार और डीएम प्रभु एन सिंह भी नमाज के दौरान मौजूद रहे। ड्रोन से संवेदनशील इलाकों में नजर रखी गई। जुमे की नमाज से पहले गुरुवार शाम को सीओ और मजिस्ट्रेट ने मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल गश्त की। साथ ही स्थानीय प्रबुद्ध लोगों के साथ बातचीत की। एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि जुमे की नमाज को लेकर पूरी तरह से सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से निगरानी के साथ ही पुलिस की गश्त सक्रिय है। महिलाओं और बच्चों को आगे कर प्रदर्शन करने वालों पर भी पुलिस की नजर रहेगी। सीओ और थाना प्रभारियों को अपने-अपने संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पैदल गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

झांसी मंडल के 26 चिकित्साविहीन पीएचसी पर होगी चिकित्साधिकारियों की तैनाती

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी मंडलायुक्त डॉ अजयशंकर पांडेय ने तीनों जिलों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से 26 चिकित्साविहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर भी चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद को पत्र लिखा है।

मंडलायुक्त ने शुक्रवार को स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान पाया कि झांसी मंडल में संचालित 94 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में से 26 पर एक भी एमबीबीएस चिकित्सक तैनात नहीं है।

इन केन्द्रों पर वैकल्पिक व्यवस्था के सहारे सेवाएं प्रदान की जा रहीं हैं। इस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य को पत्र लिखकर झांसी मंडल के सभी चिकित्सक विहीन पीएचसी पर चिकित्सकों की तैनाती का अनुरोध किया है।

मंडलायुक्त ने बताया कि मंडल के सभी जनपदों जालौन, झांसी व ललितपुर की चिकित्सा इकाईयों पर जनमानस को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवायें प्रदान किये जाने हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं तथा मंडल एवं जनपद स्तर से स्वास्थ्य सेवाओं व संचालित कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है परन्तु चिकित्सकों की कमी को दूर करने से बुंदेलखंड की जनता को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

मंडलायुक्त ने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक रविवार को मंडल के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन आरोग्य मेलों में ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को उनके नजदीक स्थिति स्वास्थ्य केन्द्र पर ही एक छत के नीचे सभी सेवाएं मिल रहीं हैं। इन सेवाओं में मुख्य रूप से वर्तमान में जनपद जालौन में 34, जनपद झांसी में 44 तथा जनपद ललितपुर में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सामान्य चिकित्सा, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज का उपचार व जाँचे तथा विभिन्न प्रकार की परामर्श सेवाएं दी जा रही हैं।

चिकित्सकों की कमी से बुन्देलखंड क्षेत्र के इन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की नियमित सेवाएं व आरोग्य मेलों के संचालन प्रभावित न हो इसके लिये शासन को प्रस्ताव भेजा गया है तथा अनुरोध किया गया है कि वार्षिक स्थानानंतरण नीति वर्ष 2022-23 घोषित होने पर चिकित्साधिकारियों स्थानांतरण में बुन्देलखंड के झांसी मंडल के जनपदों में 26 चिकित्साधिकारियों की तैनाती पर विचार करें।

प्रयागराज जामा मस्जिद के शाह की शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पिछले सप्ताह शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद उपजी हिंसा एवं उपद्रव को देखते हुए इस सप्ताह जुमे की नमाज को देखते हुए इस्लामिक धर्म गुरूओं, इमामों और मौलवियों ने स्थानीय लोगों से शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील की है।

सभी ने एक स्वर से शांति मार्ग को सही बताते हुए ईंट, पत्थर और हिंसा के मार्ग को गलते बताते हुए इसकी निंदा की है। प्रयागराज स्थित जामा मस्जिद के शाह वसीउल्लाह ने शुक्रवार को अता की जाने वाली नमाज से पहले लोगों से शांति व्यवस्था कायम करने की अपील की है। उन्होने कहा कि लोगों को भविष्य में किसी भी तरह से उत्पन्न होने वाली साजिश अथवा झांसे में नहीं आना चाहिये। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में नही लें और प्रशासन का सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बहाल करना और शहर की आबो - हवा को बिगड़ने से बचाना, व्यापार और रोजगार पर ध्यान देना, हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर बच्चों के भविष्य की सुरक्षा के लिए घर के माता-पिता अभिभावकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों पर कड़ी नजर रखें ताकि वे किसी भी तरह की अवैध या अनैतिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो। उन्होने लोगों से अपील की है कि लोग किसी के भड़कावे में आकर अपने भविष्य को अपने ही हाथों बर्बाद नहीं करें।

शिया धर्म गुरू मौलाना जरगाम हैदर ने मुस्लिम समाज के लोगों से अपील की है कि तहजीब और आपसी भाईचारे के शहर प्रयागराज की आबो हवा को आलूदगी और शरपसन्दो से बचाने के लिए सभी का नैतिक कर्तव्य है कि प्रयाग की संसकृति, सद्भाव और प्रेम के वातावरण को प्रदूषित न होने दें।

उन्होने कहा कि जुमा जैसे इबादत के पाक दिन कलंकित होने से बचें। शाह ने कहा कि पिछले जुमे पर जो हुआ उसकी पुर्नरावृत्ति नहीं हो। अपनी अपनी मस्जिदों में नमाज अता करने के बाद अपने घर का रूख करें। अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए अपने कारोबार पर जाएं। उपद्रवियों के चक्कर में पड़कर शहर का माहौल खराब नहीं करते हुए मुकामी प्रशासन का सहयोग करें। शहर को दोबारा आलूदगी में झोंकने का प्रयास कतई नहीं करें। शांति और सौहार्द का वातावरण कायम करें। किसी के बहकावे में नहीं आएं।

शार्ट न्यूज

छोटे शहरों में डिजिटल प्लेटफॉर्म से अधिकांश लोग खरीद रहे हैं दोपहिया बीमा पॉलिसी

नयी दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिये जाने और इसके माध्यम से सरलता से विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता की वजह से अब इसके माध्यम से दोपहिया बीमा पॉलिसी की खरीद में भी तेजी आने लगी है। छोटे शहरों में अब अधिकांश लोग इसी माध्यम से दोपहिया वाहन बीमा करा रहे हैं। फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे ने आज घोषणा की कि उसके प्लेटफॉर्म पर इसको लॉन्च किये जाने के बाद से 10 लाख से अधिक दोपहिया बीमा पॉलिसियों की बिक्री हुई है। कंपनी ने कहा कि कुल बीमा खरीद का 75 प्रतिशत से अधिक टियर 2 और 3 शहरों से आता है, जो गैर-महानगरों और कस्बों में इसके ऑफर को व्यापक रूप से अपनाता है। फोनपे का उद्देश्य पॉलिसी के प्रकारों, सस्ती कीमतों और कागज रहित 2 मिनट की तेज प्रक्रिया पर विस्तृत विकल्पों के साथ सड़क पर बिना बीमा वाले वाहनों की संख्या को कम करने में मदद करना है। उसने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दोपहिया बीमा एक्सपायर्ड कवर वाले उपयोगकर्ताओं द्वारा खरीदा गया था। यह दर्शाता है कि फोनपे प्लेटफॉर्म पर ये ऑफर पहले से कम सेवा वाले सेगमेंट में सेवा दे रही हैं, जिनके पास पर्याप्त जागरूकता नहीं थी और अपने बीमा को नवीनीकृत करने के लिए सुविधाजनक अवसर नहीं थे। दोपहिया बीमा के लिए, फोनपे उपयोगकर्ता व्यापक योजनाओं को चुन रहे हैं जो तीसरे पक्ष के वाहन के नुकसान और खुद के वाहन के नुकसान दोनों को कवर करती हैं। फोनपे ने इसका श्रेय अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसे बीमा उत्पादों के प्रति ग्राहक जागरूकता, सामर्थ्य और उपलब्धता बढ़ाने के लिए कंपनी द्वारा किए गए प्रयासों को दिया।

ऑनमूव ने ट्रक ड्राइवरों को सशक्त बनाने के लिए लाँच किया समर्थ प्रोग्राम

नयी दिल्ली। ट्रकिंग एग्रीगेटर ऑनमूव ने ट्रक डाइवरों को सशक्त बनाने के लिए समर्थ प्रोग्राम शुरू किया है जिसमें ड्राइवर समुदाय के लिए कई प्रोग्राम चलाए जाएंगे, जिसमें बच्चों की शिक्षा, ड्राइवर प्रशिक्षण, ज्यादा कमाई के लिए उनके पारिवारिक सदस्यों को कौशल प्रशिक्षण देना आदि शामिल है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस परियोजना में ऑनमूव और ट्रक ड्राइवरों के समुदाय के बीच मजबूत और सहानुभूति पूर्ण संबंध विकास पर जोर दिया गया। यह ट्रक ड्राइवरों के सशक्तिकरण का नजरिया स्थापित करता है, जिसके तहत उनके सर्वांगीण विकास और समृद्धि के प्रोग्राम बनाए गए हैं। उसने कहा कि यह कार्यक्रम ट्रक ड्राइवरों को मजबूती देने के लिए बनाया गया है। इन कार्यक्रमों से वह और उनके परिवार के सदस्य अलग-अलग कौशल में दक्ष होकर जिंदगी में कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसके तहत ट्रक ड्राइवरों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती हैं, जो न केवल उन्हें थोड़े समय में लाभ पहुंचाती है, बल्कि यह ट्रक ड्राइवरों और उनके परिवारों को संपूर्ण प्रगति करने और अपने जीवन में समृद्धि लाने में सक्षम बनाती है। समर्थ के तहत चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमें से ड्राइवरों और उनके परिवारों का जिंदगी भर के लिए कल्याण सुनिश्चित होता है। यह शिक्षा में उनके बच्चों में कौशल में बढ़ोतरी करता है। ड्राइवरों को प्रशिक्षण दिया जाता है। उनके पारिवारिक सदस्यों को अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न कौशल में दक्ष किया जाता है।

नोब्रोकरहुड को मिला पीसीआइ डीएसएस लेवल वन प्रमाणन

नयी दिल्ली। नोब्रोकरहुड को पीसीआइ लेवल वन प्रमाणन मिला है और इसको हासिल करने वाला यह अभी तक का पहला रियल एस्टेट सोसाइटी ऐप बन गया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह प्रमाणन केवल तभी प्रदान किया जाता है जब हर साल प्लैटफॉर्म पर 60 लाख से अधिक ट्रांजैक्शन की प्रोसेसिंग होती है। पीसीआइ डीएसएस नेटवर्क सुरक्षा और व्यावसायिक सर्वश्रेष्ठ कार्यपद्धतियों पर मार्गदर्शन की व्यवस्था है जिसे पीसीआइ सिक्यूरिटी स्टैंडर्ड्स कौंसिल द्वारा अंगीकार किया गया है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के पेमेंट कार्ड से संबधित जानकारियों की रक्षा के लिए एक न्यूनतम सुरक्षा मानदंड स्थापित करना है। कंपनी ने अपने ग्राहकों के लिए डेटा की रक्षा की दिशा में दृढ़ प्रतिबद्धता वाले संगठन के रूप में अपनी ठोस पहचान बनाई है। यूजर के डेटा को ज्यादा सुरक्षित बनाने की कोशिश में, आइएसओ : 27001 प्राप्त करने के बाद इसने एक और उपलब्धि हासिल की है जो विभिन्न सोसाइटी ऐप्स के बीच इसकी श्रेष्ठता स्थापित करती है।

डार्विन प्लेटफॉर्म में होगा एक अरब डॉलर का निवेश

नयी दिल्ली। डार्विन प्लेटफॉर्म ग्रुप ऑफ कंपनीज (डीपीजीसी) की कंपनी डार्विन प्लेटफॉर्म रिफाइनरीज लिमिटेड में संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन की वैश्विक तेल और निवेश की दिग्गज कंपनियां एक अरब डॉलर (लगभग 7,700 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। डीपीजीसी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि ये कंपनियां तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड(ओएनजीसी) से मिले चार तेल ब्लॉकों में निवेश करेगी। ये तेल के ब्लॉक राजामुंदरी, अहमदाबाद, कावेरी और असम में है। डीपीजीसी के सामूहिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. राजा रॉय चौधरी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि डीपीजीसी की फ्लैगशिप ग्रुप कंपनी, डार्विन प्लेटफॉर्म रिफाईनरीज़ लिमिटेड ने हमारे देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने तथा ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पाने के उद्देश्य को पूरा करने में योगदान देने की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

सावरेन स्वर्ण बांड की दर 5,091 रुपये प्रति ग्राम, बिक्री 20-24 जून तक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार की सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2022-23 -श्रृंखला-एक के तहत बांड की बिक्री 20-24 जून तक खुली रहेगी और इसमें सोने की प्रतिग्राम 5,091 रुपये की दर से बांड जारी किए जाएंगे। रिजर्व बैंक ने कहा है कि सावरेन स्वर्ण बांड के ताजा निर्गम के लिए सोने की दर इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड (आईबीजेए) द्वारा 999 शुद्धता वाले सोने के अंतिम तीन व्यावसायिक दिनों यानी 15 जून, 16 जून और 17 जून, 2022 के प्रकाशित मूल्य के औसत के आधार पर तय किया गया है। यह मूल्य प्रति ग्राम 5,091 रूपये (पांच हजार और नब्बे रुपये मात्र) के बराबर है। रिजर्व बैंक के बयान में कहा गया है कि केंद्र ने उसके के परामर्श से ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल भुगतान करने वाले निवेशकों को नाममात्र मूल्य से कम 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया है। ऐसे निवेशकों के लिए, गोल्ड बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,041 रुपये-(रुपये पांच हजार और इकतालीस रुपये मात्र) प्रति ग्राम सोना होगा। निवेश परामर्श फर्म मिलवुड केन इंटरनेशनल के संस्थापक और सीईओ निश भट्ट ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के महंगा होने के कारण सोना खरीदना महंगा हो जाता है। दुनिया भर में मुद्रास्फीति, ब्याज दरों और बांड निवेश पर प्रतिफल में और वृद्धि की उम्मीद सोने में निवेश पर बहुत ऊंचा लाभ होने की संभावना सीमित कर देगी।

दूर-दराज के पेट्रोल पंपों पर भी लागू होगा सार्वभौमिक सेवा दायित्व

नयी दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि निजी क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के दूर-दराज के इलाकों में चल रहे डीजल पेट्रोल पंप सहित सभी पेट्रोल पंप के लिए सेवा संबंधी सार्वत्रिक सेवा दायित्व (यूएसओ) लागू कर दिए गए हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार सरकार का यह प्रयास रहा है कि इन दूर-दराज के क्षेत्रों के रिटेल आउटलेट (आरओ) के लिए अधिकृत संस्थाएं सार्वभौमिक सेवा दायित्व (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन-यूएसओ) के माध्यम से उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध ईंधन आपूर्ति सेवा प्रदान करें। सरकार ने वाहन ईंधन के खुदरा कारोबार में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आठ दिसंबर 2019 को एक संकल्प जारी कर वाहन ईंधन की बिक्री के लिए लाइसेंस प्रदान करने के मानदंडों में ढील दी थी ताकि यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान भी दूर-दराज के क्षेत्रों में आरओ स्थापित करें।

जिनेवा व्यापार बैठक को सर्वसम्मति की राह दिखायी भारत ने: पीयूष गोयल

नयी दिल्ली/ जिनेवा। वाणिज्य, उद्योग एवं उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि विश्व व्यापार संगठन की शुक्रवार को सम्पन्न 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत 'अनुकूल परिणाम' प्राप्त करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा, भारत की नेतृत्वकारी भूमिका से जिनेवा में यह सम्मेलन विफलता, बिखराव और निराशा के बादलों को छांट कर आशा, उत्साह और सर्वसम्मति-आधारित परिणाम तक पहुंचने में कामयाब रहा।

जिनेवा वार्ता के शुक्रवार को समापन पर नयी दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में जिनेवा में श्री गोयल के संवाददाता सम्मेलन के हवाले से कहा गया है कि गरीब किसानों और मछुआरों के हितों की अनदेखी करने की अमीर देशों की मुहिम के बावजूद भारत कई वर्षों के बाद विश्व व्यापार संगठन में एक अनुकूल परिणाम हासिल करने में सक्षम रहा।

बयान में कहा गया है, भारत ने इस वैश्विक मंच पर गरीबों के कल्याण की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं को केंद्र में बनाए रखा और अपने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और मछुआरों के लिए मजबूती से खड़ा रहा।

श्री गोयल ने जिनेवा में कहा, आज जब हम भारत लौट रहे हैं तो कोई भी ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर हमें चिंतित होना चाहिए, चाहे वह अनाज की सरकारी खरीद (एमएसपी) हो, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम हो या पीएम गरीब कल्याण योजना को पूरा करने के लिए अनाज के सरकारी भंडार की प्रासंगिकता को मजबूत करने का मुद्दा, वैक्सीन पर बौद्धिक संपदा अधिकार में छूट हो, ई-कॉमर्स स्थगन, कोविड का सामना करने में डब्ल्यूटीओ की भूमिका का विषय हो या मत्स्य पालन की प्रतिक्रिया।

वाणिज्य मंत्री ने कहा, इसी तरह समुद्र में मछली पकड़ने पर कोई ऐसी शर्त नहीं लगी है जिसके बारे में हमारे मछुआरे को चिंतित होना पड़े जिससे भारत के पारंपरिक मछुआरों पर भविष्य में कोई प्रतिबंध लागू किया जा सके।

उन्होंने कहा, भारत शत-प्रतिशत सफल रहा है, भारत या भारत सरकार पर कोई प्रतिबंध या शर्तें नहीं लगाई गई

हैं, बल्कि हम अवैध रूप से, आधी अधूरी सूचना देकर या नियमों का अनुपालन किए बिना समुद्र में मछली पकड़ने पर रोक लगाने में सफल रहे हैं।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत मंत्रिस्तरीय वार्ताओं के केंद्र में रहा तथा इस बैठक के परिणाम में भारत की छाप दिखाई देती है और भारत के रुख से दुनिया भर में गरीबों और कमजोर लोगों की आवाज मजबूत हुई है। बयान में कहा गया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक व्यवस्था के बावजूद मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सदस्यों को मेज पर लाने के भारत के प्रयासों ने दुनिया की जनता के लिए लाभ सुनिश्चित किया है।

मंत्रालय का कहना है कि भारत ने न केवल अपने मुद्दों को उठाया बल्कि अन्य विकासशील देशों, अल्पविकसित देशों (एलडीसी), गरीब और कमजोर लोगों के मुद्दों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ उठाया।

श्री गोयल ने कहा, वे दिन गए, जब भारत को गरीबों को चोट पहुंचाने वाले परिणामों को स्वीकार करने के लिए बाध्य किया जा सकता था।

इस बैठक के निष्कर्षों को 'परिणामोन्मुख' सफलता बताते हुए, श्री गोयल ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगातार निर्देशित भारत और विकासशील दुनिया के लिए प्राथमिकता वाले मुद्दों को दुनिया के समक्ष चित्रित करने में 100 प्रतिशत सफल रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया के साथ भारत के मजबूत संबंधों का लाभ उठाया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में पोषित किया है।

श्री गोयल ने जिनेवा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बैठक में कुछ देशों ने रविवार और सोमवार को यह झूठ फैलाने का प्रयास किया, कि भारत अड़ियल है जिसके कारण कोई प्रगति नहीं हो रही है। वास्तविक स्थिति हम सबके सामने आ चुकी है-अब पूरी दुनिया मानती है कि यह सही एजेंडा था और आखिरकार भारत ने सभी समाधानों पर पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह कहते हुए कि आज विश्व व्यापार संगठन में 135 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व का दिन है।

बयान में इस बात को स्वीकार किया गया है कि भारत और विकासशील देशों ने 30 साल पहले विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के समय और उरुग्वे दौर की वार्ता के दौरान कुछ समझौता करने वाले निर्णयों को स्वीकार किया।

श्री गोयल ने कहा, भारत आज विभिन्न मुद्दों पर भयभीत होने के बजाय आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करता है, फिर चाहे वह पर्यावरण हो, स्टार्टअप का मुद्दा हो। एमएसएमई का विषय हो या लैंगिक समानता का।

उन्होंने कहा कि भारत आम सहमति बनाने और दुनिया के लिए फायदे का सौदा पाने में सक्षम है।

श्री गोयल ने कहा कि भारत विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। अफगानिस्तान को भारत की हालिया गेहूं आपूर्ति का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने अन्य देशों में खाद्य सुरक्षा के लिए डब्ल्यूएफपी खरीद पर कोई निर्यात प्रतिबंध नहीं लगाया है, तथापि, घरेलू खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।

कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर, श्री गोयल ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रिप्स) के व्यापार संबंधी पहलुओं के फैसले से वैक्सीन इक्विटी, पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ावा मिलेगा। यह पेटेंट टीकों के उत्पादन के लिए प्राधिकरण में आसानी को सक्षम करेगा और भारत घरेलू आवश्यकताओं और निर्यात के लिए उत्पादन कर सकता है।

विश्व व्यापार संगठन के सुधारों के एजेंडे पर, श्री गोयल ने कहा कि सर्वसम्मति, एस एंड डीटी प्रावधानों, एसडीजी लक्ष्यों सहित डब्ल्यूटीओ के बुनियादी ढांचे और मूल सिद्धांतों को इसे और अधिक समकालीन बनाते हुए बनाए रखा जाएगा।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह विश्व व्यापार संगठन के लिए अच्छा होगा, और भविष्य में विकासशील और कम विकसित देशों के लिए अच्छा होगा और पारदर्शी माध्यमों से वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देगा।

सहकार टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी

नयी दिल्ली। देश में सहकारिता को बढ़ावा देते हुये भारतीय राष्ट्रीय पर्यटन एवं परिवहन सहकारी संघ मर्यादित (एनएफटीसी) युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए कई योजनायें तैयारी की जिसमें सहकार टैक्सी सेवा भी शामिल है।

एनएफटीसी के राजधानी में नये केन्द्रीय कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इकाई सहकार भारती के अध्यक्ष डी एन ठाकुर ने कहा कि सहकारिता से ही देश का संपूर्ण विकास संभव है। इसी को आधार बनाकर अब सहकार के जरिये न सिर्फ युवाओं को रोजगार प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाने की तैयारियां चल रही है।

इस अवसर पर एनएफटीसी के अध्चेयक्यष्क्ष वीवी पी नायर ने कहा कि एनएफटीसी नित नए-नए कीर्तिमान बनाते हुए देश का नंबर वन कॉपरेटिव बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एनफटीसी का लक्ष्य है कि अगले दो सालों में स्वदेशी और भारतीयता को बरकरार रखते हुए लाखों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। यह सहकारी संगठन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सशक्त भारत बनाने की परिकल्पना को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहा है। एनएफटीसी अपने इस सपने को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के सभी संबंधित मंत्रालय और प्रधानमंत्री की नीतियों के मताहत काम कर रही है। एनएफटीसी अगले कुछ सालों में ग्रासरूट लेवल यानी पंचायत, प्रखंड और वार्ड लेवल पर जा कर काम करेगी।

उन्होंने कहा कि नेशनल टूरिज्म एवं ट्रांसपोर्ट कॉपरेटिव के जरिए हम अगले एक साल में लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने जा रहे हैं। ओला-उबर की तरह ही हम स्वदेशी मॉडल पर एक ट्रांसपोर्ट सर्विस शुरू करने जा रहे हैं, जो इन विदेशी टांसपोर्ट प्रोवाइडर कंपनियों से काफी सस्ती और रियायत दरों पर उपलब्ध होंगी। इसमें खास बात यह होगी ड्राइवरों को ज्यादा से ज्यादा फायदा होगा। आमदनी का एक बड़ा हिस्सा ड्राइवरों को मिलेगा और इस सेवा से जुड़े लोग जैसे ड्राइवर, मैकेनिक, इंश्योरेंस वाले सभी लाभान्वित होंगे।

केंद्र सरकार के सहयोग से शुरू होने वाले इस ट्रंसपोर्ट सर्विस के जरिए एनएफटीसी अगले कुछ सालों में 10 लाख से भी ज्यादा लोगों को रोजगार देगी, जिसमें तकरबीन 40 लाख लोग डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से लाभ होगा।

नेशनल टूरिज्म ट्रांसपोर्ट कॉपरेटिव फैडरेनशन के तहत यह संस्था रुरल और अनटचेबल टुरिस्ट स्पॉट को टूरिज्म के तौर पर बढ़ावा देने जा रही है।

फिलहाल केरल, हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे कुछ स्थानों में ही टूरिस्ट आते हैं, लेकिन एनफटीसी अब देश के सुदूर क्षेत्रों में भी जहां टूरिज्म का स्कोप है, लेकिन अभी तक किसी कारण टूरिज्म स्पॉट नहीं बन पाया है, वैसे जगहों को चिन्हित कर वहां पर केंद्र सरकार की मदद से टूरिज्म के लिए काम करेगी। इससे लाखों लोगों को रोजगार तो मिलेगा ही साथ ही देश में नए-नए टूरिज्म स्पॉट बन कर भी तैयार होंगे. निकट भविष्य में यह स्पॉट सैलानियों का आकर्षण का केंद्र बनेगा।

यह सहकारिता संगठन ट्रेवल टूरिज्म के साथ-साथ सहकारी कुरियर सर्विस के जरिए राज्यों के ट्रांसपोर्ट डिपो के साथ मिल कर एक कुरियर सर्विस चालू करेगी, जिससे कम से कम अगले एक-दो सालों में दो लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. आपको बता दें कि सहकार टैक्सी, सहकार जल, सहकार रेस्टोरेंट, सहकार फूड सेवा के जरिए एनएफटीसी कई लाख नौकरियां अगले एक दो सालों में जेनरेट करने जा रही है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक ने घाना को दी 2.49 करोड़ डॉलर की क्रेता ऋण सुविधा

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्ज़िम बैंक) ने घाना सरकार के साथ 2.49 करोड़ डॉलर के एक क्रेता ऋण करार पर हस्ताक्षर किए। इस क्रेता ऋण करार पर घाना की राजधानी अक्रा में हस्ताक्षर किए गए। यह ऋण सुविधा घाना में ट्रैक्टरों, बैकहो लोडर और कृषि उपकरणों के फैब्रिकेशन के लिए असेंबली प्लांट की स्थापना संबंधी परियोजना के वित्तपोषण के लिए प्रदान की गई है।

यह क्रेता ऋण राष्ट्रीय निर्यात बमा खाता (एनईआईए) योजना के अंतर्गत दिया जाना है।

यह परियोजना अन्य के साथ-साथ, घाना में कृषि के मशीनीकरण और स्थानीय उद्योग के विकास में मददगार होगी, जिससे अंतत: स्थानीय उद्यमियों की आय बढ़ाने और इस क्षेत्र में गरीबी को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित परियोजना से घाना को ट्रैक्टरों, बैकहो और कृषि उपकरणों के आयात को कम करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रकार, यह देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भी बचत कर पाएगा। इस परियोजना का निष?पादन एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट लिमिटेड, भारत द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक एनईआईए योजना के अंतर्गत घाना में रेलवे लाइन और सड़क परियोजना के लिए सहायता दे रहा है।

इसके अलावा, बैंक ने भारत से परियोजना निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए एनईआईए योजना के अंतर्गत अफ्रीका में ज़ाम्बिया, मॉरिटानिया, कोत दि'वार, मेडागास्कर, युगांडा, कैमरून, तंज़ानिया और सेनेगल; एशिया में मालदीव और श्रीलंका; तथा लैटिन अमेरिका में सूरीनाम में विद्युत (ट्रांसमिशन और वितरण), जल आपूर्ति, निर्माण जैसे क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए सहायता दी है।

खाद्य तेलों में टिकाव, उड़द दाल महंगी, गुड़ महंगा

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में टिकाव के बीच स्थानीय स्तर पर आज खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि उड़द दाल और गुड़ महंगा हो गया। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 154 रिंगिट लुढ़ककर 6000 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.07 सेंट की गिरावट लेकर 79.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सूरजमुखी तेल, पॉम ऑयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी स्थिर रहा जबकि गुड़ 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में लगभग स्थिरता रही। इस दौरान उड़द दाल 100 रुपये महंगी हो गयी जबकि चना, चना दाल, मूंग दाल, मसूर दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4500-4550, दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8500-8600, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9600-9700, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3580-3690, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3460-3560 और गुड़ 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 18168 रुपये, मूंगफली तेल 20330 रुपये, सूरजमुखी तेल 21245 रुपये, सोया रिफाइंड 17363 रुपये, पाम ऑयल 16264 रुपये और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

छठें दिन भी शेयर बाजार में गिरावट जारी

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस और एनर्जी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार आज लगातार छठवें दिन भी गिरावट में ही रहा। इस दौरान सेंसेक्स 135 अंक और निफ्टी 67 अंक उतर गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 135.37 अंक टूटकर 51360.42 अक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 67.10 अंक गिरकर 15293.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तुलना में मझौली और छोटी कंपनियों में अधिक बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई मिडकैप 0.68 प्रतिशत उतरकर 21295.93 अंक पर और स्मॉलकैप 0.88 प्रतिशत फिसलकर 24133.88 अंक पर रहा।

बीएसई में शामिल समूहों में से अधिकांश लाल निशान रहा। इसमें तेल एवं गैस में सबसे अधिक 3.07

प्रतिशत औ एनर्जी में 1.86 प्रतिशत की गिरावट रही। बढ़त में रहने वालों में रियलटी, बैंकिंग, वित्त और सीडी शामिल रहा। बीएसई में कुल 3421 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2252 लाल निशान में और 1076 हरे निशान में रही जबकि 93 में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटेन का एफटीएसई 0.89 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.23 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.10 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.96 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि जापान का निक्केई 1.77 प्रतिशत टूट गया। बीएसई का सेंसेक्स 315 अंकों की गिरावट लेकर 51181.99 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 51652.83 अंक के उच्चतम स्तर तक गया लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 51 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 50921.22 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 51495.79 अंक की तुलना में 0.26 प्रतिशत अर्थात 135.37 अंक टूटकर 51360.42 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 22 लाल निशान में रही जबकि मात्र 8 हरे निशान में रहने में सफल रही।

एनएसई का निफ्टी 88 अंकों की गिरावट के साथ 15272.65 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 15400.40 अंक के उच्चतम और 15183.40 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 15360.60 अंक की तुलना में 0.44 प्रतिशत अर्थात 67.10 अंक गिरकर 15293.50 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 35 को नुकसान हुआ जबकि 15 मुनाफा कमाने में सफल रही।

शक्कर में खरीदी सुस्त, खाद्य तेलो में नरमी, दलहन मजबूत, दाल बढ़ी, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी सुस्त बताई गई। खाद्य तेलों में नरमी रही। पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में भाव कम हुए। मांग निकलने से दलहन मजबूत बताए गए। वहीं दालों में उछाल दर्ज किया गया। आज मसूर तथा उड़द दालें महंगी बिकी। चावल में खरीदी बनी रही।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव सुस्त रहा। आज शक्कर में कामकाज 3570 से 3610 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में मांग सुधार लिए रही।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। आज पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड नीचा बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से भाव मजबूत बताए गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूती लिए रहे। मसूर उड़द महंगी होकर बिकी। दालों में तेजी दर्ज की गई। मसूर तथा उड़द दाल के दाम बढ़े रहे। चावल में पूछपरख बताई गई।

किराना

शक्कर 3570 से 3610 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 170 से 195 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6500, रायडा 6100 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1590 से 1610, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1420 से 1430, सोयाबीन साल्वेंट 1395 से 1400 पाम तेल 1465 से 1470 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4650 से 4700, मसूर 6800 से 6825, तुअर निमाड़ी 5300 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6300 से 6450, तुअर (कर्नाटक) 6450 से 6550, मूंग 6100 से 6200, मूंग हल्की 5300 से 5600, उड़द 6800 से 7300, उड़द मीडियम 5500 से 6500, उड़द नया 6600 से 7000, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5750 से 6250, तुअर दाल सवा नंबर 8100 से 8200, तुअर दाल फूल 8300 से 8500, तुअर दाल नई 8800 से 9500, आयातित तुअर दाल 7900 से 8000, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7800 से 8100, मूंग मोगर 8600 से 8900, उड़द दाल 8700 से 8900, उड़द मोगर 9300 से 9600 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000।

आरबीआई ने जारी की भुगतान दृष्टि 2025, डिजिट भुगतान में तीव्र वृद्धि की संभावना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को देश के लिए भुगतान के तरीकों पर एक दृष्टिकोण पत्र भुगतान दृष्टि 2025 जारी किया और कहा कि इस उद्देश्य प्रत्येक उपयोगकर्ता को सुरक्षित, सुरक्षित, तेज, सुविधाजनक, सुलभ और किफायती ई-भुगतान विकल्प प्रदान करना है। आरबीआई की विज्ञप्ति में कहा गया है कि भुगतान अवधि के दौरान, आरबीआई का लक्ष्य डिजिटल भुगतान लेनदेन में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हासिल करना है। इस अवधि के दौरान यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्रणाली से भुगतान में वार्षिक 50 प्रतिशत से अधिक की दर से वृद्धि की उम्मीद है। आरबीआई ने कहा कि भुगतान पर इस नए दृष्टिकोण पत्र को निष्ठा, समावेश, नवाचार, संस्थागत व्यवहार और अंतर्राष्ट्रीयकरण-इनपांच प्रमुख लक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया गया है। बढ़ते खतरे के परिदृश्य से निपटने और उबरने के लिए परिचालन और सुरक्षा चिंताओं के प्रति प्रणाली को मजबूत रखा जाएगा। केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने के लिए भुगतान प्रणालियों की सत्यनिष्ठा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। आरबीआई का कहना है कि कुछ हद तक कोविड19 महामारी के चलते डिजिटल और सम्पर्कमुक्त भुगतान के तरीकों को अपनाने की दिशा में ग्राहकों के व्यवहार में बदलाव के साथ मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पहली बार डिजिटल तरीके से बैंकिंग में शामिल होने वाले उपभोक्ताओं में बढ़ोतरी का संकेत देता है।

इस पत्र में अनुमान है कि 2025 तक चेक-आधारित भुगतानों की मात्रा कुल खुदरा भुगतान के 0.25त्न से कम रह जाएगी। इस दौरान डिजिटल भुगतान लेनदेन की संख्या में 3 गुना से अधिक की वृद्धि होने , यूपीआई में 50 प्रतिशत वार्षिक की दर से वृद्धि और आईएमपीएस/ नेफ्ट में 20 प्रतिशत की दर से वृद्ध होने की संभावना है।

शार्ट न्यूज

662 की बढ़त के साथ फाइनल के करीब मुंबई

बेंगलुरू। यशस्वी जयसवाल (181) और अरमान जाफ़र (127) के शतकों की बदौलत मुंबई ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश पर 662 रन की विशाल बढ़त बनाकर फ़ाइनल में पहुंचना सुनिश्चित कर लिया है। बेंगलुरू के जस्ट क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले की पहली पारी में उत्तर प्रदेश को 180 रन पर ऑल आउट करने के बाद मुंबई ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 449 रन बना लिये हैं। चौथे दिन मुंबई की पारी को 133/1 से आगे बढ़ाते हुए सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जयसवाल और अरमान जाफ़र ने 286 रन की विशाल साझेदारी की। जयसवाल ने 372 गेंदें खेलकर 23 चौकों और एक छक्के की बदौलत 181 रन बनाये। जाफ़र ने 127 रन बनाने के लिये 259 गेंदें खेलीं जिसमें उन्होंने 15 चौके और दो छक्के लगाये। इसके अलावा सुवेद पारकर ने 22 रन बनाये। दिन का खेल खत्म होने पर सरफ़राज़ ख़ान 23 रन बनाकर और शम्स मुलानी 10 रन बनाकर खेल रहे थे। मुंबई ने पहली पारी में 393 रन बनाने के बाद उत्तर प्रदेश को महज़ 180 पर समेट दिया था। चौथे दिन तक मुंबई ने 662 रन की बढ़त हासिल कर ली है और यदि मुंबई यहां अपनी पारी को घोषित कर देती है तो यूपी के लिये यह लक्ष्य हासिल करना असंभव के बराबर होगा। ऐसे में मुंबई पहली पारी की बढ़त के आधार पर फाइनल में पहुंचने की दावेदार होगी।

प्रधानमंत्री मोदी लांच करेंगे शतरंज ओलंपियाड की टॉर्च रिले

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में 28 जुलाई से 10 अगस्त तक होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले रविवार को इंदिरा गांधी सपोर्टस कॉम्प्लेक्स से लांच करेंगे। अखिल भारतीय शतरंज संघ के अध्यक्ष डॉ संजय कपूर ने शुक्रवार शाम को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इस अवसर पर पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद मौजूद रहे। कपूर ने बताया कि फिडे के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच रविवार को यह मशाल प्रधानमंत्री को सौंपेंगे, जिसे प्रधानमंत्री आगे ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को सौंपेंगे। शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले देश के 75 शहरों का दौरा करके महाबलीपुरम पहुंचेगी जहां टूर्नामेंट का आयोजन होगा। हर स्थान पर उस प्रदेश के शतरंज के ग्रैंडमास्टर इस मशाल को प्राप्त करेंगे। यह मशाल हमेशा भारत में ही रहेगी और भविष्य में होने वाले ओलंपियाड में भी भारत से आगे जायेगी। इस टूर्नामेंट में 189 देश हिस्सा ले रहे हैं जो किसी भी शतरंज ओलंपियाड में अबतक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी।

इंग्लैंड ने बनाया एकदिवसीय मैच का सबसे बड़ा स्कोर

एम्सटेलवीन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को नीदरलैंड के खिलाफ खेले गये मुकाबले में एकदिवसीय क्रिकेट के सबसे बड़े टीम स्कोर का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए 498 रन बनाये। इंग्लैंड ने नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में खेले गये 50 ओवर मुकाबले में जॉस बटलर (162), फ़िलिप सॉल्ट (122) और लायम लिविंग्स्टोन (66) की बदौलत 50 ओवर क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचा। इससे पहले इंग्लैंड ने ही 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉटिंघम में 481 रन बनाकर उस समय का सबसे बड़ा एकदिवसीय टीम स्कोर दर्ज किया था। नीदरलैंड ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाज़ी के लिये बुलाया। शेन स्नेटर सलामी बल्लेबाज़ जेसन रॉय को एक रन के स्कोर पर आउट करने में सफ़ल भी रहे, लेकिन इसके बाद नीदरलैंड के गेंदबाज़ों की एक न चली। रॉय के साथी सॉल्ट ने 93 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 122 रन बनाये, जबकि डेविड मलान ने 109 गेंदें खेलकर 125 रन जोड़े। अपनी पारी में मलान ने नौ चौके और तीन छक्के लगाये। मैच के 30वें ओवर में 223 रन के टीम स्कोर पर सॉल्ट आउट हुए, और चौथे नंबर पर आये जॉस बटलर ने पारी की रफ़्तार को बदल कर रख दिया। इंग्लैंड ने अंतिम 20.2 ओवर में 275 रन जोड़े, जिसमें बटलर ने 162 रन का विशाल योगदान दिया। बटलर ने 70 गेंदों की इस विस्फोटक पारी में 14 छक्के और सात चौके जड़े। बटलर का साथ विस्फोटक बल्लेबाज़ लायम लिविंग्स्टोन ने दिया। लिविंग्स्टोन ने महज़ 22 गेंदों में 66 रन की आतिशी पारी खेली जिसमें उन्होंने छह छक्के और छह चौके लगाये।

प्योंगटाक में अशोक ने जीता अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक

प्योंगटाक। पावरलिफ्टर अशोक ने शुक्रवार को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीतते हुए 2022 विश्व पैरा पावरलिफ्टिंग एशिया-ओशियानिया ओपन चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक हासिल किये। अशोक ने तीनों राउंड में बार क्लियर करते हुए 150 किग्रा, 168 किग्रा और 173 किग्रा भार उठाया और कुल 491 किग्रा स्कोर किया, जो पुरुषों के 65 किग्रा से कम में स्वर्ण पदक (कुल स्कोर) लेने के लिए पर्याप्त था। उन्होंने कुल स्कोर की ओपन और एशियाई श्रेणियों में स्वर्ण पदक जीते। व्यक्तिगत स्पर्धा में, हरियाणा के पावरलिफ्टर ने चीन के यी जोउ (196 किग्रा) और ईरान के अमीर जाफरी अरंगे (195 किग्रा) के बाद 173 किग्रा के अपने सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलन के साथ कांस्य पदक जीता। जौ और अरंगे ने कुल स्कोर प्रतियोगिता में क्रमश: 390 और 382 कुल स्कोर के साथ रजत और कांस्य पदक हासिल किया। अशोक ने अपने प्रदर्शन के आधार पर हांग्जो 2022 एशियाई पैरा खेलों में जगह बनाई। उनके पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में पहुंचने की संभावना भी है। 33 वर्षीय अशोक ने अपनी पिछली दो स्पर्धाओं में खराब प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैंने पदकों के लिए इंतजार किया है और कड़ी मेहनत की है। प्रतियोगिता में आते हुए मैं थोड़ा घबराया हुआ था क्योंकि पिछली दो चैंपियनशिप में मेरे अच्छे परिणाम नहीं आए थे। इसलिए हमने सिर्फ 150 किग्रा के साथ शुरुआत करने और वजन बढ़ाने का फैसला किया। अपने प्रशिक्षण में मैंने 190 किग्रा भार उठाने में कामयाबी हासिल की है। मुझे उम्मीद है कि मैं एशियाई पैरा खेलों में अपने लिए एक बेहतर रिकॉर्ड हासिल कर सकता हूं। जॉबी मैथ्यू ने गुरुवार को प्योंगटेक 2022 चैंपियनशिप में पुरुषों के अंडर 59 किग्रा इवेंट में मास्टर्स ओपन और एशियाई श्रेणियों में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। मैथ्यू ने सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट श्रेणी (ओपन और एशियाई) में 148 किग्रा के अपने प्रयासों के साथ दो स्वर्ण पदक हासिल किये, जबकि ओपन और एशियाई दोनों श्रेणियों में 288 किग्रा के कुल स्कोर के साथ अन्य दो स्वर्ण पदक जीते।

एशिया-ओसनिया पैरा पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में बाशा ने जीते दो रजत

प्योंगटाक। भारत के दिग्गज पावरलिफ्टर फ़रमान बाशा ने दो साल बाद वापसी करते हुए एशिया-ओसनिया विश्व पैरा पावरलिफ्टिंग ओपन चैम्पियनशिप में गुरुवार को दो रजत पदक जीते। बाशा ने दक्षिण कोरिया के प्योंगटाक में आयोजित टूर्नामेंट में पुरुषों के 54 किलो तक वजन वर्ग में कुल स्कोर आयोजन में दूसरा स्थान हासिल किया।चोट से उबरकर दो वर्षों बाद वापसी कर रहे बाशा ने तीन राउंड में 130 किग्रा, 132 किग्रा और 135 किग्रा के साथ कुल 397 किग्रा भार उठाया, जो रजत लेने के लिए पर्याप्त रहा। वह दक्षिण कोरिया के केउन जिन चोई से पीछे रहे जिन्होंने कुल 465 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि किर्गिस्तान के अज़ीज़बेक ज़मीरबेक उलुउ ने कुल 362 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता। 2006 के एशियाई पैरा खेलों के बाद यह चोई का पहला बड़ा पदक था। बाशा ने भारतीय पैरालंपिक समिति से कहा, लंबे समय के बाद पदक जीतना अच्छा है लेकिन मुझे उम्मीद है कि हमारे प्रयासों को मान्यता दी जा रही है। मेरा अगला लक्ष्य एशियाई पैरा खेल हैं जिसके बाद मैं रिटायरमेंट की योजना बना रहा हूं। बाशा तीन बार के एशियाई पैरा खेल विजेता हैं और वर्तमान में भारतीय खेल प्राधीकरण के बेंगलुरु सेंटर में 2014 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता पैरालंपियन सकीना खातून के कोच हैं। उल्लेखनीय है कि भारत की भावना शर्मा शुक्रवार को महिलाओं के 86 किग्रा से अधिक भार वर्ग में भाग लेंगी।

अनुराग ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में स्क्वैश कोर्ट का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर तथा केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में स्क्वैश कोर्ट का उद्घाटन किया है। ये देश भर के किसी भी केंद्र में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा शुरू किये गए पहले स्क्वैश कोर्ट हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान खेल सचिव श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान और एनबीसीसी निदेशक (परियोजना) नीलेश शाह सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्क्वैश खेलने के शौकीन 68 वर्षीय डॉ जयशंकर ने कहा कि स्क्वैश कोर्ट का उद्घाटन करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। खेल मंत्रालय इस परियोजना को पूरा करने और सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है। कई खेलों को अब पहचान मिल रही है और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फिटनेस की जीवन शैली विकसित करने तथा प्रतिभाओं को अवसर देने का संदेश हर जगह गूंज रहा है। मोदी जी हमेशा शारीरिक फिटनेस, प्रतिस्पर्धा और मानसिक शक्ति पर जोर देते हैं, जो न्यू इंडिया के लिए बहुत जरूरी है।

जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत सरकार देश में इस तरह की और अधिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। हम यथासंभव अधिक से अधिक खेल सुविधाएं विकसित करना सुनिश्चित करेंगे। मैंने 24 साल की उम्र में स्क्वैश खेलना शुरू किया था और आज मैं

68 साल का हूं। हमें बस अच्छी सुविधाओं, अच्छे कोच तथा खेलने के इरादे की जरूरत है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया सभी के लिए है। इसके लिए कोई उम्र की सीमा नहीं है।

पूर्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दिसंबर 2020 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। क्रियान्वयन से पहले स्क्वैश रैकेट फेडरेशन के प्रतिनिधियों तथा प्रख्यात खिलाड़ियों के बीच वरिष्ठ स्तर पर विभिन्न बैठकें आयोजित की गईं और यह निर्णय लिया गया कि स्टेडियम में कुल 6 स्क्वैश कोर्ट बनाए जाएं। इन 6 में से कुल 3 सिंगल कोर्ट को कन्वर्टिबल कोर्ट के रूप में रखा जाएगा, जो 2 डबल्स कोर्ट में कन्वर्टिबल होंगे।

अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी जी हमेशा से खेल में ताकत और प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ-साथ मानसिक विश्वास को बढ़ाना चाहते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में इस तरह की सुविधा का होना उस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक और माध्यम है। जब ऐसा मौका मिलता है तो नए सितारों के उभरने की संभावना बढ़ जाती है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि युवा चैंपियन भारत सरकार की योजनाओं से कैसे लाभान्वित हो सकते हैं, ठाकुर ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि इस तरह का विश्व स्तरीय स्क्वैश इंफ्रास्ट्रक्चर आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से ऐसे अनेक होनहार चैंपियनों को तैयार करेगा और हम अपनी लक्षित ओलंपिक पोडियम योजना तथा खेलो इंडिया योजना के माध्यम से उनका सहयोग करने के लिए तैयार हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान स्क्वैश के खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 3 पदक और एशियाई खेलों में 13 पदक जीते हैं। यह आंकड़ा बढ़ता रहेगा।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में स्क्वैश कोर्ट के निर्माण को भारतीय खेल प्राधिकरण की शासी निकाय की बैठक में कुल 5.52 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। भारत सरकार के स्वामित्व वाले राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एनबीसीसी) ने नई दिल्ली में कोविड-19 और प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद इस परियोजना को पूरा किया।

इस परिसर में 80 व्यक्तियों के बैठने की जगह है और यहां पर पुरुष, महिला एवं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शौचालय, टूर्नामेंट रूम / कार्यालय कक्ष, फिजियोथेरेपी कक्ष, स्टोर, रिसेप्शन लॉबी, रखरखाव क्षेत्र आदि बनाये गए हैं।

इस भवन को विश्व स्क्वैश महासंघ द्वारा अनुमोदित एएसबी सिस्टम में 100 दीवारों के साथ फैक्ट्री फिनिश्ड कस्टम डिजाइन पीईबी सुपर संरचना द्वारा बनाया गया है, जिसमें लेमिनेशन के साथ पीयूएफ की छत है।

मैं अभी भी विश्व कप जीतने में टीम की मदद कर सकता हूं : इयोन मोर्गन

लंदन। इयोन मोर्गन अपनी फ़िटनेस को ध्यान में रखते हुए कुछ सीमित ओवरों के अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबलों के लिए ख़ुद को आराम देंगे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा है कि वह टीम को विश्व कप जीतने मदद कर सकते हैं।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेली गई टी20 सीरीज़ के दौरान इयोन मोर्गन ने सभी मैच खेले थे। इस दौरान उनके पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी। इसके बाद मिडिलसेक्स के साथ खेलते हुए भी उनके कमर में चोट लगी थी। हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ वह सभी वनडे मैच खेलेंगे।

सीमित ओवरों के कप्तान के रूप में उनके प्रदर्शन पर कई सवाल उठाए गए थे। उन्होंने पिछले 18 महीनों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सिर्फ़ एक अर्धशतक बनाया है। साथ ही घरेलू टी 20 क्रिकेट में उन्होंने एक भी पचासा नहीं लगाया है। हालांकि उनका यह इरादा है कि वह कम से कम टी 20 विश्व कप तक टीम के साथ बने रहें।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में भी टीम की कमान संभालेंगे? इसके जवाब में मॉर्गन ने कहा,उसमें अभी काफ़ी समय है। मुझे पहले टी 20 विश्व कप के बारे में सोचना है। मैं कोशिश करूंगा कि टीम की सफलता में अधिक से अधिक योगदान दूं। मैं कप्तानी शुरू करने के बाद से सभी के साथ जितना ईमानदार था, अभी भी उतना ही ईमानदार रहूंगा। फ़िलहाल मुझे अभी भी ऐसा लगता है कि मैं योगदान दे रहा हूं और अभी भी ऐसा महसूस करता हूं कि मैं विश्व कप जीतने में टीम की मदद कर सकता हूं।

इंग्लैंड के नए सफेद गेंद के कोच मैथ्यू मोट ने बुधवार को अपनी पहली प्रेस वार्ता में इयोन मोर्गन का समर्थन किया।

नंबर एक बनने की चाह में नीदरलैंड से भिड़ेगा भारत

एजेंसी

रोटर्डम। ओलंपिक चैम्पियन बेल्जियम के खिलाफ पिछले हफ्ते शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 के अपने अंतिम दो मैचों में टेबल-टॉपर नीदरलैंड का सामना करेगी।

नीदरलैंड के रॉटरडैम में इस हफ्ते के अंत में होने वाले डबल-हेडर मुकाबलों से पहले भारत के कप्तान अमित रोहिदास ने कहा कि टीम हॉकी लीग को जीत के साथ समाप्त करना चाहती है।

रोहिदास ने कहा, यह हमारे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 21/22 अभियान के अंतिम दो मैच होंगे और निश्चित रूप से टीम जीत के साथ अपना अभियान समाप्त करना चाहती है।

इन मैचों को खेलना, साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करना, फिर घरेलू मुकाबले खेलना और अब यूरोप में खचाखच

भरे स्टेडियम के सामने खेलना एक शानदार अनुभव रहा। लीग ने हमें शीर्ष टीमों के बारे में अच्छी जानकारी दी है।

एक इकाई के रूप में हमें कैसे सुधार करना चाहिए, यह हमारे लिए एक बड़ी सीख रही है।

भारत वर्तमान में पूल स्टैंडिंग में 29 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि नीदरलैंड 31 अंकों के साथ पहले स्थान पर है और उसे अभी चार मैच खेलने हैं। दूसरे स्थान पर 31 अंकों के साथ मौजूद बेल्जियम को भी इस सप्ताह के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेलने हैं।

भारतीय टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अंक तालिका में अपना स्थान बेहतर करने के लिये जीत के महत्व पर कहा, हमें इस हफ्ते के अंत में दोनों मैच जीतने हैं। इसपर कोई दोराय नहीं है।

सिंह ने मैच की पूर्व-संध्या पर कहा, नीदरलैंड के साथ उनके घर में खेलना हमेशा मुश्किल होता है लेकिन हम इसके लिये तैयार हैं। आज हमारा आखिरी ट्रेनिंग सत्र है और हम अपनी ताकतों पर काम करने के साथ-साथ उन गलतियों पर भी ध्यान देंगे जो हमें नीदरलैंड जैसी टीम के सामने नहीं करनी। टीम जानती है कि हम अंक तालिका में किस स्थान पर हैं, और हमें अपनी स्थिति सुधारने के लिये क्या कुछ करना है, हालांकि बेल्जियम के पास भी हमारी तरह दो ही मुकाबले बचे हैं और नीदरलैंड को अभी चार मुकाबले खेलने हैं।

भारत-नीदरलैंड के बीच गुणवत्ता और प्रतिभा के मामले में कांटे की टक्कर है, ऐसे में अमित रोहिदास और टीम को पता है कि मैच बराबरी का होने वाला है।

कप्तान और उप कप्तान दोनों ने शनिवार को होने वाले मैच से पहले अपनी समापन टिप्पणी में कहा, हमें पूरे 60 मिनट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और सभी क्षेत्रों में सतर्क रहना होगा।

जल्द ही अमेरिका के गिरफ्त में होंगे विकीलीक्स के फाउंडर जूलियन असांजे! 175 साल तक की सजा संभव

नई दिल्ली। ब्रिटेन सरकार ने जासूसी के आरोपों में विकीलीक्स के जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने को मंजूरी दी है। मामले को लेकर असांजे द्वारा अपील करने की संभावना है। असांजे के पास अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। प्रत्यर्पण आदेश पर ब्रिटेन की गृह सचिव प्रीति पटेल ने साइन किए हैं। बता दें कि अप्रैल 2022 में ब्रिटिश अदालत ने एक फैसले में कहा था कि असांजे को अमेरिका भेजा जा सकता है।

अमेरिका में असांजे से साथ उचित व्यवहार होगा, बोला ब्रिटेन

ब्रिटेन गृह मंत्रालय ने प्रत्यर्पण को लेकर एक बयान में कहा कि ब्रिटेन की अदालतों ने यह नहीं पाया है कि असांजे के प्रत्यर्पण के लिए यह दमनकारी, अन्यायपूर्ण या प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। मंत्रालय ने आगे कहा है कि अदालतों ने नहीं पाया कि यह

प्रत्यर्पण मानवाधिकारों के साथ असंगत होगा जिसमें उनके निष्पक्ष परीक्षण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार शामिल है। अमेरिका में रहते हुए उनके साथ उनके स्वास्थ्य के संबंध में उचित व्यवहार किया जाएगा।

अमेरिका ने असांजे पर लगाए हैं गंभीर आरोप

अमेरिका ने ब्रिटिश अधिकारियों से असांजे को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा है ताकि वह एक दशक से भी अधिक समय पहले विकीलीक्स द्वारा क्लासिफाइड डाक्यूमेंट्स के प्रकाशन पर जासूसी के 17 आरोपों और कंप्यूटर के दुरुपयोग के एक आरोप पर मुकदमा चला सकें।

अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि असांजे ने अवैध रूप से अमेरिकी सेना के खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग को गोपनीय राजनयिक केबल और सैन्य फाइलें चुराने में मदद की और विकीलीक्स ने प्रकाशित किया। दुनिया भर के पत्रकार संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने ब्रिटेन से प्रत्यर्पण अनुरोध को अस्वीकार करने की अपील की है।

50 वर्षीय असांजे के समर्थकों और वकीलों का तर्क है कि वह एक पत्रकार के रूप में काम कर रहे थे और इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के गलत कामों को उजागर करने वाले डाक्यूमेंट्स को प्रकाशित करने के लिए संरक्षण के हकदार हैं।

175 साल तक की हो सकती है सजा

असांजे के वकीलों का कहना है कि अगर उन्हें अमेरिका में दोषी ठहराया जाता है तो उन्हें 175 साल तक की जेल हो सकती है, हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि सजा इससे बहुत कम हो सकती है।

इमरान ने किया ईंधन की कीमतों में वृद्धि के विरोध का आह्वान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश में ईंधन की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध का आह्वान किया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख श्री खान ने ट्विटर पर शुक्रवार को कहा,ईंधन की कीमतों में असाधारण वृद्धि के विरोध में हम सभी को रविवार को रात नौ बजे सड़कों पर उतरना चाहिए। मूल्य वृद्धि से समाज के सभी वर्ग विशेष रूप से श्रमिक वर्ग, किसान और वेतन पाने वालों को प्रभावित करेगा तथा साथ ही सभी के लिए गंभीर समस्याएं पैदा करेगा। पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने श्री खान के आह्वान पर पार्टी मुख्यालय में लोगों को आमंत्रित करने वाले फ़राज़ चौधरी के एक ट्वीट को साझा किया। श्री फराज चौधरी ने आज ट्वीट किया, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आह्वान पर, सभी नागरिकों को आयातित सरकार की सबसे खराब मुद्रास्फीति के खिलाफ रविवार को रात आठ बजे पीटीआई मुख्यालय कचहरी चौक आने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

आतंकी मक्की पर चीनी दरियादिली से भड़का भारत, कहा- दोहरे हैं ड्रैगन के मानक

नई दिल्ली। चीन ने पाकिस्तान स्थित आंतकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकी नामित करने के प्रस्ताव को रोक दिया है। भारत को चीन के इस कदम से झटका लगा है। मक्की जम्मू और कश्मीर में धन जुटाने, युवाओं को हिंसा के लिए भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने और हमलों की योजना बनाने में शामिल रहा है।

इन आतंकी हमलों के पीछे रहा है मक्की का हाथ

मुंबई आतंकी हमला 2008, लाल किला हमला 2000, रामपुर सीआरपीएफ कैंप हमला 2008 की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली थी। मक्की सालों से लश्कर-ए-तैयबा के टॉप नेताओं में से रहा है। अमेरिका ने भी मक्की को आतंकी घोषित कर रखा है और उस पर 2 मिलियन डॉलर

का इनाम रखा हुआ है।

चीन का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण, बोला भारत

चीन द्वारा आतंकी मक्की को यूनाइटेड नेशंस के ग्लोबल आतंकी नामित करने में अड़ंगा लगाने के बाद भारत ने चीन को लताड़ लगाई है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने कहा है कि मक्की के खिलाफ भारी सबूतों को देखते हुए चीन का यह फैसला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके साथ ही यह आतंकवाद का मुकाबला करने के चीन के दावों को दिखाता है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने कहा है कि चीन को अपनी प्रतिक्रिया पर विचार करना चाहिए जो आतंकवाद का मुकाबला करने पर दोहरे मानकों का संकेत देता है।

जाने-माने आतंकवादियों को इस तरह से बचाने से चीन की विश्वसनीयता कम होगी। इसके साथ ही दुनिया में आतंकवाद के खतरे बढ़ेंगे। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब चीन ने आतंकियों की सूची में बाधा डाली हो। जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर को नामित करने के प्रस्तावों को भी चीन ने बार-बार अवरुद्ध किया था।

अफगानिस्तान : मस्जिद में विस्फोट 12 की मौत, 30 घायल

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुंदूज में एक मस्जिद में शुक्रवार को हुए जबरदस्त विस्फोट की चपेट में आकर 12 लोगों की मौत हो गयी और 30 घायल हो गये। एक सूत्र ने स्पूतनिक को यह जानकारी दी। यह विस्फोट इमाम साहिब डिस्ट्रिक्ट में केंद्रीय मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान स्थानीय समयानुसार दिन के 1ः30 बजे हुआ। कुंदूज पुलिस के हवाले से एक अफगान ब्रॉडकास्टर ने भी यह जानकारी दी। विस्फोट के बाद से राहत एवं बचावकर्मी घटनास्थल पर अपने-अपने काम में लग गये हैं। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में अगस्त 2021 से सत्ता पर काबिज तालिबान ने आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। माना जा रहा है कि अफगानिस्तान में हो रहे बड़े आतंकवादी हमलों और बम धमाकों के पीछे आईएस का ही हाथ है। दूसरी ओर तालिबान का कहना है कि देश में आईएस की मौजूदगी बहुत थोड़े से हिस्से में है और उसको उखाड़ फेंकने का काम लगातार किया जा रहा है।

यूक्रेन जुलाई से रूस के साथ वीजा मुक्त व्यवस्था समाप्त करेगा

मास्को। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शुक्रवार घोषणा की कि यूक्रेन आगामी एक जुलाई से रूसी नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश को समाप्त कर रहा है। अब रूसी नागरिकों को वीजा प्राप्त करने की जरुरत होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि यह निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा बनाई गई योजना अतर्गत लिया गया है। श्री जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, यूक्रेन ने रूस के साथ एक वीजा व्यवस्था की शुरुआत की है।मंत्रिमंडल के एक नियोजित योजना के बाद यह निर्णय लिया गया है। यूक्रेन रूसी नागरिकों के लिए एक वीज़ा व्यवस्था लागू करेगा, जो एक जुलाई, 2022 से प्रभावी होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने आज कहा कि कैबिनेट ने इस निर्णय को मंजूरी दे दी है। रूसी हमले के मद्देनजर यूक्रेनी सरकार के रूस के साथ वीजा-मुक्त यात्रा के साथ-साथ दोनों देशों के बीच कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय संधियों वाले समझौते को एकतरफा रूप से रद्द करने की उम्मीद जतायी जा रही है। गौरतलब है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस ने 24 फरवरी को विशेष सैन्य अभियान शुरू किया है।

ब्रिटेन ने असांजे के प्रत्यर्पण को दी मंजूरी

लंदन। ब्रिटेन ने जासूसी के आरोप में विकिलीक्स के सह संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किये जाने को मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन की गृहमंत्री प्रीति पटेल ने शुक्रवार को प्रत्यर्पण की मंजूरी दी। गार्डियन के अनुसार जैसे ही सुश्री पटेल ने असांजे के प्रत्यर्पण की मंजूरी दी ठीक वैसे ही असांजे का पक्ष रखने वाली कानूनी टीम ने एक क्रॉस अपील दायर की ताकि अदालों मे इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी जा सके। रिपोर्ट के अनुसार सुश्री पटेल ने प्रत्यर्पण मंजूरी देने से पहले अमेरिका के प्रत्यर्पण संबंधी अनुरोध से जुड़ी कानूनी बारीकियों को भी खंगाला जिसमें उसे अमेरिका में सजा नहीं दिये जाने की वादा भी शामिल है।

सोमाली सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 16 आतंकवादी ढ़ेर

मोगादिशु। अफ्रीकी देश सोमालिया में क्षेत्रीय सुरक्षा बलों के साथ शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में अल शबाब आतंकवादी संगठन के 16 आतंकवादी मारे गये। गालमुडुग इलाके में सैन्य अधिकारियों ने सरकारी रेडियो सोमाली नेशनल आर्मी (एसएनए) रेडियो को बताया कि क्षेत्रीय बलों के साथ स्थानीय लोगों ने हमलावरों के खिलाफ जमकर मोर्चा खोला और उन्हें पीछे खदेड दिया था। सना रेडियो ने अपनी रिपोर्ट में कहा बाहदो शहर में अल शबाब आतंकवादियों द्वारा आज सुबह किये गये हमले का मुकाबला क्षेत्रीय बलों और स्थानीय लोगों ने पूरी ताकत के साथ किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शल शबाब आतंकवादियों के शव इलाके में इधर उधर पड़े हुए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

देखें, आपका पशु बीमार तो नहीं

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी व्यवसाय हैं। मध्यप्रदेश में खेती के साथ-साथ गाय, भैंस आदि मुख्य रूप से दूध उत्पादन व कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाते हैं। दूध के लिए पाले जाने वाले पशुओं को प्रति पशु प्रति ब्यात दूध उत्पादन और कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाने वाले पशुओं की कार्य क्षमता दोनों ही हमारे प्रदेश में कम है। इनके कम होने के प्रमुख कारण हैं- उन्नत नस्ल के पशु न होना, असंतुलित और अपर्याप्त पोषण, सही रख-रखाव न प्रबंधन न होना तथा पशु रोगों के प्रति सतर्कता न बरतना आदि। इनमें से भी सबसे ज्यादा नुकसान पशु रोगों से होता है, जो दूध का उत्पादन और काम करने की क्षमता घटा देते हैं। यूँ तो पशुओं में कई तरह के अलग-अलग रोग पाए जाते हैं, जिनका इलाज पशु चिकित्सकों (डॉक्टरों) द्वारा किया जाता है। हर रोग के अलग-अलग लक्षण व अलग-अलग कारण होते हैं जिन्हें पहचानने के लिए विशेषज्ञों की सहायता की आवश्यकता होती है। परंतु रोग कोई भी हो, कुछ सामान्य लक्षण सब लोगों में समान होते हैं। इन लक्षणों से कम से कम इतना तय किया जा सकता है कि आपका पशु रोगग्रस्त है या नहीं।

रोगी पशु उदास दिखाई पड़ता है। उसके कान सीधे खड़े होने के बजाए ढीले होकर लटक जाते हैं। उसकी गर्दन भी तनी हुई न होकर ढीली और लटकी हुई दिखती है। वह अपनी चंचलता और सतर्कता खोकर अन्य पशुओं के झुंड से अलग-थलग रह कर उनके पीछे धीरे-धीरे चलता है या बैठ जाता है। उसके बालों की चमक कम होकर, बाल कुछ खड़े और अस्त-व्यस्त से दिख पड़ते हैं। आँखों की पुतलियों की हलचल धीमी व चमक कम हो जाती है।

वह खाली बैठने पर जुगाली धीमे-धीमे कम गति से करता है या बंद कर देता है। दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। काम या श्रम करने वाले पशु जैसे बैल या भैंसा आदि खेत में हल-बखर, पाटा आदि चलाते समय या गाड़ी में जुते होते पर जल्दी से हाँफने लगते हैं। कभी-कभी काम करना बंद कर देते हैं या थककर बैठ जाते हैं। गोबर बहुत पतला या सख्त (कड़ा) हो जाता है। गोबर व मूत्र अधिक बदबूदार हो जाता है। शरीर का तापक्रम व गाड़ी तथा साँस लेने की गति बढ़ जाती है।

हर किस्म के पशु की नाड़ी की गति, श्वास प्रश्वास की गति और शरीर का तापमान सुनिश्चित व अलग-अलग होता है। इससे कम या अधिक होना पशु के रोगी होने का संकेत होता है। नाड़ी की गति गाय प्रजाति के पशुओं में पूँछ की जड़ के पास अँगूठे व दो-तीन उँगलियों से हल्का-सा दबाकर मालूम की जा सकती है। नाड़ी की सही गति गाय व बैल में 50 से 70, भैंस में 55 से 70, बकरी व भेड़ में 70 से 80 और कुत्तों में 70 से 120 प्रति मिनट होती है। नाड़ी की गति सामान्यतः नर की अपेक्षा मादा में और अधिक आयु के पशु की अपेक्षा कम उम्र के पशु में अधिक होती है।

पशुओं में दौड़ने-भागने, अधिक वजन खींचने के बाद और मौसम परिवर्तन के कारण भी बढ़ जाती है। इसलिए जब भी नाड़ी की गति मालूम करना हो पशु को विश्राम की सामान्य स्थिति में आने के बाद ही लेना चाहिए। नाड़ी की सही गति ज्ञात करने के लिए ऐसी घड़ी लें, जिसमें सेकंड का काटा लगा हो। नाड़ी की गति एक-एक मिनट तक तीन बार लेकर उसका औसत निकाल लें।

ऐसे निकालें श्वास की गति - उदाहरण के लिए एक-एक मिनट तक अलग-अलग तीन बार गिनने पर गाय की नाड़ी की गति आई- 64, 60 और 62। अब इसका जोड़ हुआ 186 और तीन से भाग देने पर औसत हुआ 62 प्रति मिनट। यह हुई नाड़ी की सही गति। नाड़ी की गति के समान ही श्यास प्रश्वास की सही गति से स्वास्थ्य का अनुमान लगाया जाता है। गाय के शरीर भार के अनुसार 12 से 20, भैस के शरीर भार के अनुसार 16 से 20, भेड़, बकरी की 12 से 22 प्रति मिनट होती है।

श्वास प्रश्वास की गति भी श्रम के बाद, गर्भावस्था में, सोते समय, जुगाली करते समय, भागने-दौड़ने के बाद और गर्मी के मौसम में अधिक हो जाती है। श्वास की गति पशुओं के कुछ देर विश्राम करने के बाद, सामान्य होने पर ही ली जानी चाहिए। इनकी गिनती भी तीन बार औसत निकालकर ही ली जानी चाहिए। श्वास की गति पशुओं के पेट पर हाथ रखकर या नाक (नथुनों) के सामने हाथ रखकर सावधानी पूर्वक गिनकर मालूम की जा सकती है। किसी भी प्रकार की असामान्यता होने पर पशु चिकित्सक की सलाह लें।

खेती में कैसे करें तेल की बचत

खेती में खनिज तेल की बहुत ज्यादा खपत है. तेल के दाम दिन प्रतिदिन बढते ही जा रहे है अतः यह आवश्यक हो गया है की इनका उपयोग किफ़ायत के साथ किया जाए. किसान भाइयो को ट्रेक्टर और इंजनों में डीजल की खपत कम करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. ये बातें निम्न हैं-

प्रत्येक ट्रेक्टर और इंजन का निर्माता नए मशीन के साथ निर्देश पुस्तिका देता है. मशीनों के उपयोग करने से पहले उसकी निर्देश पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें और उसमे लिखी सलाह के अनुसार ही मशीन का प्रयोग करें.

इंजन चालू करने पर यदि टैपित का शोर सुने पड़ता है तो इसका मतलब है इंजन में हवा कम जा रही है जिसके कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी .इसलिए टैपित से आवाज़ आने पर उसे फिर से बंधवाना चाहिए.

इंजन से काला धुआं निकलने का मतलब है ज्यादा डीजल खर्च हो रहा है. इंजेक्टर या इन्जेक्सन पम्प की कोई खराबी इसका कारण हो सकती है. अतः ट्रैक्टरों में 600 घंटे प्रयोग के बाद इंजेक्टर की जाँच करवा कर उसे फिर से बन्धवाएँ.

इंजन से कम लेना शुरू करने पर कुछ काला धुआं निकलता है पर यह जल्दी ही स्वयं साफ हो जाता है. यदि इंजेक्टर और इन्जेक्सन पम्प ठीक होने पर भी काला धुआं लगातार निकलता रहे तो यह इंजन पर पड़ रहे अतिरिक्त बोझ की निशानी है. अतः काम के बोझ को उतना ही रखें जिससे इंजन काला धुआं न दे तथा डीजल भी ज्यादा न फुकें.

ठन्डे इंजन से काम लेने पर उसके पुर्जों में घिसावत ज्यादा होती है और डीजल भी अधिक खर्च होता है. अतः इंजन चालू करने के बाद तुरंत ही उससे काम लेना शुरू न करें.

ट्रैक्टर के पहियों में हवा कम होने से डीजल की खपत बढती है. इसलिए पहियों में हवा का सही दवाब रखे.इसलिए निर्देश पुस्तिका में दिए गए सुझाव के अनुसार ही पहियों में हवा हा दवाब रखे.

ट्रेक्टर को इस प्रकार प्रयोग करें जिससे खेत के किनारों पर घूमने में कम समय लगे और खेत में अधिक समय कार्य हो सके. जैसे की चौड़ाई के बजाए लम्बाई में कार्य करने से ट्रेक्टर का खली घूमना कम होगा और डीजल की खपत भी कम होगी.

पम्प सेट या थ्रेशर इत्यादि चलने के लिए डिजन इंजनों को उतने ही चक्करों पर चलाए जिससे मशीन को पुरे चक्कर मिल सके. इन मशीनों को ज्यादा चक्करों पर चलने से डीजल खर्च के साथ साथ टूट-फुट होने की सम्भावना भी बढ़ जाती है.

पम्प सेट में ज्यादा बड़ा या छोटा पम्प या इंजम प्रयोग करने से ज्यादा डीजल फुकता है और पानी कम मिलता है. अतः जल की उपलब्धि के अनुसार ही सही इंजन और पम्प का चुनाव करें जो कम खर्च में ज्यादा पानी दे.

अधिक् दुरी से पानी खिचने में पम्प सेट ज्यादा डीजल खर्च करता है. इसलिए पम्प सेट को पानी की सतह के करीब से लगाकर खर्च में बचत करें.

पम्प को चलने वाले पट्टे (बेल्ट) के फिसलने से डीजल का खर्च बढ़ता है. अतः पट्टे को सही कास कर रखे. पट्टे में कम से कम जोड़ हो तथा इसे और घिर्नियों को एक सिद्ध में रखे.

पम्प सेट से पानी बहार फेंकने वाले नल को जितना ज्यादा उठाया जाएगा तो उतना ही अधिक डीजल खर्च होगा. इसे उतना ही ऊँचा उठाए जितना की आवश्यक हो.

इंजन का मोबिल आयल ज्यादा पुराना होने पर उसकी शक्ति घटने लगती है तथा डीजल ज्यादा खर्च होने लगता है. इसलिए निश्चित समय परिंजन के मोबिल आयल और फ़िल्टर को जरुर बदले.

सर्दी से फसलें ठिठुरती नहीं, जल जाती हैं

जब भी देश के उत्तरी भागों में बर्फ गिरती है, मध्यवर्ती भागों में भी शीतलहर का असर होता है। पारा नीचे गिरने लगता है। यह समय सामान्यतः दिसंबर-जनवरी में आता है। इन दिनों भी न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री सेल्सियस तक आ जाता है, परंतु तापमान जब 6 डिग्री से कम हो जाता है, तब फसल के पौधों को हानि की आशंका बढ़ जाती है।

अत्यधिक कम (4 डिग्री से कम) तापमान होने पर पानी बर्फ में परिवर्तित होने लगता है। इससे पौधे की कोशाओं में रासायनिक परिवर्तन के कारण उनके श्वसन में रुकावट आने लगती है। बर्फ बनने से कोलायड प्रणाली गड़बड़ा जाती है। वास्तविक रूप से कोशा के बाहर (दो कोशाओं के बीच) की जगह में जमी बर्फ, कोशाओं के अंदर जमी बर्फ की अपेक्षा अधिक हानिकारक होती है। सर्दी का अधिक असर सर्दी का असर तब और अधिक होता है, जब वातावरण का तापमान और नमी दोनों ही कम हो।

पानी के बर्फ में बदलने से उसका आयतन बढ़ जाता है। इससे कोशिकाओं की दीवाल पर दबाव बढ़ जाता है। इसके कारण कोशिका भित्ति की दीवारों में दरार पड़कर वे फट जाती हैं। इसके साथ ही कोशिकाओं के भीतर मौजूद जीव द्रव्य (प्रोटोप्लास्म) हिमांक बिंदु के तापमान तक पहुँचने पर ठंडा होकर बर्फ बनकर निर्जीव हो जाता है। इससे कोशिकाओं की क्रियाशीलता और जैविक गतिविधि बंद होकर पौधों के प्रभावित भाग नष्ट हो जाते हैं या संपूर्ण पौधा मर जाता है।

तापमान कम होने पर - तापमान कम होने पर पाला पड़ने की आशंका की सूचना आकाशवाणी व दूरदर्शन पर मौसम पूर्वानुमान में दी जाती है। यह चेतावनी बड़े व व्यापक क्षेत्र के लिए दी जाती है। स्थानीय रूप से भी जिस दिन शाम को अन्य दिनों की अपेक्षा ठंड अधिक हो, हवा का बहाना एकाएक रुक जाए, आकाश एकदम साफ व बदलीरहित हो तो पाला पड़ने की अधिक आशंका रहती है। हवा की गति धीमी यानी 3-4 किलोमीटर प्रतिघंटा चलने पर पाले से अधिक हानि होती है।

सिंचाई करना - जिस दिन पाला पड़ने की आशंका हो, फसल में सिंचाई कर दें। पानी देने से भूमि की निचली सतह की उष्मा सतह तक आने व सूक्ष्म वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से पाले का असर नहीं होता या कम हो जाता है। सिंचाई करने से खेतों की सतह से पास से वातावरण का तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम हो जाता है।

खरपतवारों पर नियंत्रण न किया तो गन्ने की पैदावार में कमी

गन्ना एक बहुवर्षीय फसल है, जो शरद (अक्टूबर), बसंत (फरवरी-मार्च) तथा अधसाली (जुलाई) में बोई जाती है। अधसाली गन्नों की बुवाई मुख्यतः महाराष्ट्र में की जाती है, जबकि भारत में ज्यादातर बुवाई बसंत ऋतु (फरवरी-मार्च) में की जाती है। इसकी बुवाई 75-90 सेमी की दूरी पर कतारों में की जाती है। बुवाई के लगभग 3-4 सप्ताह बाद गन्ना उगता है। पंक्तियों के बीच पर्याप्त दूरी एवं धीमी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवारों को बढ़ने या फैलने में अत्यधिक सहायक होती है। यदि इनका समय पर नियंत्रण न किया गया तो गन्नों की पैदावार एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

रोकथाम का समय - गन्नों में खरपतवारों की मुख्य समस्या बोने से लेकर मानसून शुरू होने तक रहती है। इस समय पौधे छोटे होते हैं तथा खरपतवारों से मुकाबला नहीं कर पाते हैं। अतः गन्नों की फसल को शुरू से खरपतवार रहित रखना आवश्यक होता है, लेकिन यह आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं होता इसलिए खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रांतिक अवस्था में इनकी रोकथाम जरूरी होती है। गन्नों में यह अवस्था बुवाई के 40-70 दिन के बीच होती है।

नियंत्रण के उपाय - गन्ने की फसल में खरपतवार नियंत्रण की विधियाँ निम्न हैं-

यांत्रिक विधि - खरपतवारों को खुरपी अथवा कुदाली से नष्ट किया जा सकता है। फसल बोने से पूर्व की जुताई भी खरपतवारों की संख्या में कमी लाती है, चूँकि गन्ने की फसल का जमाव बुवाई के 25-30 दिन बाद होता है, तब तक खरपतवार काफी संख्या में उग आते हैं। इसलिए फसल बोने के एक सप्ताह बाद गुड़ाई करने से खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है। इसे अंधी गुड़ाई कहते हैं। इसके अलावा बैलों द्वारा चलाए जाने वाले कल्टीवेटर से गन्नों की पंक्तियों का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।

ट्रेश मल्चिंग - गन्नों की पंक्तियों के बाकी खाली स्थान में गन्नों की सूखी पत्तियाँ या पुवाल की 7-12 सेमी मोटी तह इस प्रकार से बिछा दी जाए कि गन्नों का अंकुर न ढँकने पाए तथा केवल खाली स्थान ही ढँका रहे। ऐसा करने से खरपतवार ढँक जाते हैं तथा प्रकाश न मिलने के कारण पीले पड़कर सूख जाते हैं। इससे खेत में नमी भी सुरक्षित बनी रहती है।

खरपतवारों से हानियाँ - गन्ने की फसल में खरपतवार फसल की तुलना में 5.8 गुना नाइट्रोजन, 7.8 गुना फास्फोरस एवं तीन गुना पोटाश उपयोग करते हैं। साथ ही नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। इसके अतिरिक्त फसलों में लगने वाले कीटों एवं रोगों के जीवाणुओं को भी आश्रय देते हैं।

खरपतवारों की संख्या एवं प्रजाति के अनुसार गन्नों की पैदावार में 14 से 75 प्रश तक की कमी आँकी गई है। शकर की मात्रा एवं गुणवत्ता में भी कमी आती है।